विषय : हिंदी

प्रश्न बैंक

हिंदी

प्यारे विद्यार्थियों! यद्यपि हिंदी की आठवीं, नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षाओं की पाठ्य-पुस्तकों के प्रत्येक पाठ के अंत में विद्यार्थियों के लिए अभ्यास दिये गये हैं तथापि क्षेत्रीय विषय विशेषज्ञों ने अनुभव किया कि इन कक्षाओं की कुछ पाठ्य-पुस्तकों में और अभ्यासों की गुंजाइश है। अत: प्रश्न बैंक बनाने की नितान्त आवश्यकता महसूस की गयी।

सर्वप्रथम पाठ्य-पुस्तकों के अभ्यासों का गहन अध्ययन किया गया ताकि यह पता चल सके कि किस पाठ के अभ्यास में पहले से दिए गए प्रश्नों के अलावा अन्य प्रश्न डाले जा सकते हैं जिनसे विद्यार्थी पढ़ाई में और भी कुशलता प्राप्त कर सकें। अत: पाठ्य-पुस्तकों में जहाँ भी अभ्यासों में और प्रश्न डालने की आवश्यकता प्रतीत हुई, केवल वहीं प्रश्न डाले गये हैं।

इस प्रश्न बैंक का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को सम्बन्धित पाठ का समुचित एवं अपेक्षित ज्ञान देना है। हमें पूर्ण आशा है कि विद्यार्थी इस प्रश्न बैंक से पूर्णत: लाभान्वित होंगे।

प्रश्न बैंक को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए क्षेत्र से आए सभी सुझाव साभार स्वीकार किये जायेंगे।

डॉ० सुनील बहल
हिंदी लेक्चरार
सरकारी मॉडल
सीनियर सेकेंडरी
स्कूल, 3-बी-1
मोहाली (अजीतगढ़)
मो. 8427808822

संतोष कुमारी
हिंदी लेक्चरार
सरकारी मॉडल
सीनियर सेकेंडरी
स्कूल, खरड़
(अजीतगढ़)

रेखा
हिंदी मिस्ट्रैस
सरकारी हाई स्कूल
खेड़ागज्जू (पटियाला)

नीना शर्मा
हिंदी मिस्ट्रैस
सरकारी सी. सैकंडरी
स्कूल, माणकपुर
(पटियाला)

कंचन बाला
हिंदी मिस्ट्रैस
सरकारी हाई स्कूल,
लांडरां (अजीतगढ़)

कक्षा आठवीं

विषय – हिंदी

कक्षा आठवीं के पाठ्यक्रम के निर्धारित किए गए प्रश्नों से सम्बन्धित समुचित व पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं और उन्हीं निर्धारित प्रश्नों में से ही प्रश्न पत्र आयेगा। इसके अतिरिक्त पाठ्य–पुस्तक में अभ्यास पुस्तिका की तरह भी प्रश्नों को शामिल किया गया है। अत: इनका प्रश्न बैंक नहीं बनाया गया।

कक्षा नौवीं

विषय – हिंदी

(1) कक्षा नौवीं के प्रश्न नम्बर (i) शब्द शुद्धि, (ii) मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ, (iii) संदेश ग्रहण, संक्षेपण एवं प्रसारण, प्रतिवेदन/वाद–विवाद से सम्बन्धित पाठ्य–सामग्री हिंदी व्याकरण और मानक रचना–विधि पुस्तक में समुचित व पर्याप्त रूप से दी गई है और इससे सम्बन्धित प्रश्न–बैंक नहीं बनाया गया। व्याकरण पुस्तक में दिए गए उदाहरणों/शब्दों पर आधारित कहीं से भी प्रश्न पूछा जा सकता है।

(2) कक्षा नौवीं की पाठ्य पुस्तक (हिंदी–पुस्तक–9) में–

(क) अति लघूत्तर प्रश्न, (ग) लघूत्तर प्रश्न (घ) निबंधात्मक प्रश्न (कविता, कहानी, निबन्ध, एकांकी) के प्रश्न पहले से ही समुचित व पर्याप्त रूप से दिए गए हैं। अत: इसे प्रश्न–बैंक में सम्मिलित नहीं किया गया।

(ख) पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित प्रश्न कहीं से भी पूछा जा सकता है, अत: इसे प्रश्न बैंक में सम्मिलित नहीं किया गया।

(3) रचनात्मक लेखन (ख) सन्दर्भ लेखन भी पहले से ही समुचित व पर्याप्त है। इसलिए इसे प्रश्न बैंक में सम्मिलित नहीं किया गया।

(4) कक्षा नौवीं का अन्तिम प्रश्न पारिभाषिक व्याकरण से सम्बन्धित है। इसे हिंदी व्याकरण और मानक रचना–विधि पुस्तक में समुचित व पर्याप्त रूप से दिया गया है। अत: इसे भी प्रश्न बैंक में सम्मिलित नहीं किया गया।

कक्षा नौंवी

पत्र – लेखन

1. अपने पिता जी को पत्र लिखकर बताओ कि आपके इम्तिहान किस तरह हुए हैं?
2. आपके स्कूल का ग्रुप ऐतिहासिक स्थानों की यात्रा पर जा रहा है आप अपने पिता जी को सैर का महत्व बताकर उन्हें खर्चा भेजने के लिए कहो।

3. आपके मुहल्ले में सफ़ाई और रोशनी का प्रबन्ध अच्छा नहीं है। इसको ठीक करने के लिए शहर के नगर-निगम के प्रधान को पत्र लिखें।

4. आपके गाँव के आस-पास कोई अस्पताल नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखें, जिसमें आपके गाँव में अस्पताल खोलने की ज़रूरत के बारे में प्रार्थना की गई हो।

5. आपका साइकिल चोरी हो गया है। साइकिल के बारे में जानकारी देते हुए पास के थाने में रिर्पोट दर्ज़ करवाने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखें।

6. आप अपने स्कूल की परीक्षा में हिसाब का पेपर नहीं दे सके, जिससे आपको जुर्माना हो गया है। एक प्रार्थना-पत्र द्वारा स्कूल के मुख्याध्यापक को पेपर न दे सकने का कारण बताते हुए जुर्माने की मुआफी के लिए प्रार्थना-पत्र लिखें।

7. गाँव के पशुओं द्वारा आपके स्कूल के खेल-मैदान को खराब करने के विरुद्ध ग्राम पंचायत के सरपंच को शिकायत-पत्र लिखें?

8. मान लीजिए आपके पिता जी सैनिक अधिकारी हैं और आपकी माता जी पढ़ी-लिखी नहीं हैं। उन्हें आपकी बड़ी बहन के लिए वर ढूँढ़ने में जो कठिनाई आ रही है, उसके बारे में अपने पिता जी को एक पत्र द्वारा सूचित करें?

9. अपने क्षेत्र के डाकपाल को एक पत्र लिखकर अपने गाँव में एक डाकखाना खुलवाने के लिए प्रार्थना करें।

10. आपने छुट्टियों में आँखों के इलाज के लिए एक शिविर में समाज सेवक की भूमिका निभाई है। इस सम्बन्ध में अपने अनुभव एक मित्र के माध्यम से भेजें।

11. आपके इलाके में बिजली व्यवस्था के सुधार के बारे में पंजाब बिजली बोर्ड के उपमंडल इंजीनियर को एक पत्र लिखें।

कक्षा दसवीं

विषय – हिंदी

(1) कक्षा दसवीं के प्रश्न नम्बर (1) अति लघूत्तर प्रश्न-

(क) शब्द-निर्माण : लिंग, वचन, भाववाचक संज्ञा, विशेषण निर्माण, विपरीतार्थक शब्द, पर्यायवाची शब्द, उपसर्ग एवं प्रत्यय तथा वाक्यांशों के लिए एक शब्द।

(ख) वाक्य-निर्माण : समरूपी भिन्नार्थक शब्द, विराम चिह्न, वाक्य शुद्धि से सम्बन्धित पाठ्य सामग्री हिंदी व्याकरण और मानक रचना विधि पुस्तक में समुचित व पर्याप्त रूप से दी गई है और इससे सम्बन्धित प्रश्न-बैंक नहीं बनाया गया। व्याकरण पुस्तक में दिए गए उदाहरणों/शब्दों पर आधारित कहीं से भी प्रश्न पूछा जा सकता है।

(2) कक्षा दसवीं की पाठ्य-पुस्तक (हिंदी पुस्तक-10) में-

(क) अति लघूत्तर प्रश्न, (ग) लघूत्तर प्रश्न, (घ) निबंधात्मक प्रश्न (कविता, कहानी, निबन्ध, एकांकी) के प्रश्न पहले से ही समुचित व पर्याप्त रूप से दिए गए हैं। अत: इसे प्रश्न बैंक में सम्मिलित नहीं किया गया।

(3) कक्षा दसवीं का अन्तिम प्रश्न व्यावहारिक ज्ञान से सम्बन्धित है। भाग (ख) पारिभाषिक शब्दों के हिंदी रूप (ग) प्रपत्र पूर्ति (घ) संदेश लेखन (निमन्त्रण) (ङ) मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ हैं। इसे हिंदी व्याकरण और मानक रचना विधि पुस्तक में समुचित व पर्याप्त रूप से दिया गया है। अत: इसे भी प्रश्न बैंक में सम्मिलित नहीं किया गया।

कक्षा दसवीं

विषय – हिंदी

1. अपठित गद्यांश
2. पंजाबी गद्यांशों का हिंदी अनुवाद
3. विज्ञापन
4. सूचना
5. निबन्ध

अपठित गद्यांश

निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर अन्त में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(1) भ्रष्टाचार की समस्या जीवन व जगत के हर क्षेत्र में देखी जा सकती है। संस्थानों में देखिए, लोग काम नहीं करना चाहते परन्तु वेतन पूरा चाहते हैं। कार्यालय के समय में गप्पें मारेंगे, परन्तु ओवर-टाइम करके अतिरिक्त पैसे कमायेंगे। रिश्वत लिए बिना काम नहीं करेंगे। नियुक्तियों में धांधली, परीक्षा-परिणामों में धांधली, अनुदान के वितरण में धांधली, पुरस्कारों हेतु चयन में धांधली - कई बार लगता है कि कुछ भी ठीक नहीं। हर रोज मीडिया द्वारा किसी न किसी घोटाले का पर्दाफाश किया जाता है मगर भ्रष्ट व्यक्ति पूरी निर्लज्जता से अपनी सफाई देते हैं... और बहुत बार तो वे बेदाग छूट भी जाते हैं। शायद हमारी न्याय-व्यवस्था भी भ्रष्टाचार की चपेट में आ चुकी है। विद्या के मंदिर - हमारी शिक्षण संस्थाएँ भी इस दानव के पंजे से मुक्त नहीं। धर्म के केन्द्र, हमारे धार्मिक स्थल भी इस दलदल में धंस चुके हैं। क्या नेता और क्या अभिनेता - सब पर अंगुलियाँ उठ चुकी हैं। जब राष्ट्र का हर छोटा-बड़ा क्षेत्र भ्रष्टाचार की समस्या से जूझ रहा हो तब विकास की आशा करना व्यर्थ है। शायद यही कारण है कि असीमित प्राकृतिक संसाधन होते हुए, सौ करोड़ की जनसंख्या के

रूप में अपार मानव संसाधन होते हुए भी भारत प्रगति का वह इतिहास नहीं रच पाया, जिसकी उम्मीद की गई थी। जो विकास हुआ भी है, उसका लाभ भी इसीलिए सबको नहीं मिल सका। खेल आदि कई क्षेत्रों में तो हमारी उपलब्धियाँ न के बराबर हैं। यह भी भ्रष्टाचार की ही देन है।

प्र०1– उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

प्र०2– कौन सी समस्या जीवन के हर क्षेत्र में देखी जा सकती है?

प्र०3– मीडिया द्वारा किसका पर्दाफाश किया जाता है?

प्र०4– जब राष्ट्र भ्रष्टाचार की समस्या से जूझ रहा हो, तब किसकी आशा करना व्यर्थ है?

प्र०5– 'उपलब्धियाँ' और 'प्रगति' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(2) भगत सिंह एक देशप्रेमी क्रांतिकारी तो थे ही, एक मौलिक चिन्तक तथा ओजस्वी लेखक भी थे। क्रांति का उनका फलसफा भी नितान्त मौलिक था। उनका विचार था कि पिस्तौल और बम कभी इन्कलाब नहीं लाते बल्कि इन्कलाब की तलवार विचारों की सान पर तेज़ होती है। विचारों की क्रांति के लिए वे अध्ययन को ज़रूरी समझते थे। उन्होंने विश्व इतिहास के न जाने कितने पृष्ठों को पढ़ा और सुना था। विक्टर ह्यूगो, तोलस्तोय, दोस्तोएवस्की, गोर्की, बर्नार्ड शॉ, डिकेन्स आदि उनके प्रिय लेखक थे। उन्होंने कूका विद्रोह, गदर पार्टी का इतिहास, करतार सिंह, बब्बर अकालियों की क्रांति की कहानियाँ बड़े चाव से पढ़ी थीं। कई पत्रिकाओं में छद्म नाम से लेख लिखते थे जो उनके अध्ययन व चिन्तन-मनन के प्रमाण हैं।

प्र०1– भगत सिंह किस प्रकार के लेखक थे?

प्र०2– विचारों की क्रांति के लिए वे क्या ज़रूरी समझते थे?

प्र०3– भगत सिंह के प्रिय लेखक कौन-कौन थे?

प्र०4– 'फलसफा' तथा 'प्रमाण' शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्र०5– उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(3) अहिंसा अर्थात् मन, वाणी और कर्म से दूसरों को कष्ट न पहुँचाना सदाचार का दूसरा महत्त्वपूर्ण गुण है। हिंसा का मूल कारण स्वभाव की निर्ममता, कठोरता और अहं भाव है। हिंसक व्यक्ति अपने को महान् और दूसरों को हीन समझता है। उनकी भावनाओं का आदर नहीं करता। इसी कारण उसको अपने मन, वाणी और कर्मों पर नियन्त्रण नहीं होता। वह बुरा सोचता है, गालियाँ निकालता है, मार-पीट करता है, आतंक मचाता है, सदाचारी मनुष्य सबको अपने जैसा समझता है। उनकी भावनाओं का आदर करता है। उनका हित सोचता है, मीठा बोलता है और सबका भला करता है। अहिंसा आत्मा की शक्ति है, जिसके आगे क्रूर और अत्याचारी व्यक्ति भी नतमस्तक हो जाता है। अहिंसा से शत्रु भी मित्र बन जाते हैं। पराये भी अपने हो जाते हैं।

प्र०1– अहिंसा से क्या तात्पर्य है?

प्र०2 – हिंसा का मूल कारण क्या है?

प्र०3 – सदाचारी मनुष्य कैसा होता है?

प्र०4 – कठिन शब्द : अहिंसा, नतमस्तक

प्र०5 – उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिए।

(4) अंग्रेज़ों की दमनकारी नीतियों को देखते हुए सुखदेव के मन में उनके प्रति नफरत की भावना निरन्तर बढ़ती गई। उन्हीं दिनों अमृतसर में जलियाँवाला बाग की घटना घटी थी, जिसमें जनरल डायर के आदेश से हज़ारों निहत्थे लोगों को गोलियों से भून दिया गया था। देश भर में इसकी तीखी प्रतिक्रिया हो रही थी। सुखदेव का भी खून खौलता था। परन्तु पारिवारिक बन्धनों के कारण विवश थे। तभी सरकार ने हिंसात्मक घटनाओं को देखते हुए मार्शल लॉ लागू कर दिया। सभी दफ़्तरों, स्कूलों आदि में सेनाधिकारी तैनात कर दिए गए। सनातन धर्म स्कूल में भी एक अंग्रेज़ी अफसर तैनात किया गया। उसके स्वागत के लिए स्कूल की ओर से आदेश जारी किया गया कि स्कूल के सभी बच्चे परेड में शामिल होकर उस अधिकारी को सलामी देंगे। सुखदेव भी वहाँ उपस्थित थे। उन्होंने अंग्रेज़ अफ़सर को सलामी देने से इन्कार कर दिया। अंग्रेज़ अफसर ने बौखला कर उन्हें खूब पीटा, परन्तु सुखदेव टस-से-मस न हुए। उन्होंने स्पष्ट रूप से घोषणा की, ''मैं अंग्रेज़ को किसी भी कीमत पर सलामी नहीं दूँगा।''

प्र०1 – सुखदेव के मन में अंग्रेज़ों के प्रति नफरत क्यों थी?

प्र०2 – देशभर में मार्शल लॉ लागू क्यों कर दिया गया?

प्र०3 – किस अंग्रेज़ के आदेश से निहत्थे लोगों पर गोलियाँ चलायीं गयीं?

प्र०4 – प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

प्र०5 – 'विवश' तथा 'उपस्थित' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(5) भारत हम सभी का घर है और हम सभी इस घर के सदस्य हैं। हमें आपस में मिल-जुलकर रहना चाहिए, यदि घर में संगठन नहीं होगा, तो आपस में कलह और द्वेष बढ़ेगा। जिस घर में फूट हो उस घर की कोई इज्ज़त नहीं करता। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब-जब हममें संगठन का अभाव हुआ, तब-तब हम पराधीन हुए। फूट के कारण ही सन् 1947 में देश का विभाजन हुआ। स्वतन्त्रता-प्राप्ति के बाद आज फिर फूट डालने की शक्तियाँ सिर उठा रही हैं। संगठन में बड़ी शक्ति होती है। पानी की एक-एक बूँद से सागर भर जाता है। अनेक धागे मिलकर रस्सा बनाते हैं, तो बड़े-बड़े हाथी भी उससे बाँधे जा सकते हैं।

प्र०1 – हमें आपस में किस तरह रहना चाहिए?

प्र०2 – घर में संगठन का अभाव होने पर क्या परिणाम होगा?

प्र०3 – इतिहास किस बात का साक्षी है?

प्र०4 – 'पराधीन' तथा 'अभाव' शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्र०5 – प्रस्तुत गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

(6) शिक्षा का वास्तविक अर्थ और प्रयोजन व्यक्ति को व्यावहारिक बनाना हुआ करता है, न कि शिक्षित होने के नाम पर अहं और गर्व का हाथी उसके मन–मस्तिष्क पर बाँध देना। हमारे देश में स्वतन्त्रता–प्राप्ति के बाद जो शिक्षा नीति और पद्धति चली आ रही है वह लगभग, डेढ़ सौ साल पुरानी है। उसने एक उत्पादन मशीन का काम ही अधिक किया है। इस बात का ध्यान एकदम नहीं रखा कि इस देश की अपनी आवश्यकताएँ और सीमाएँ क्या हैं? इनके निवासियों को किस प्रकार की व्यावहारिक शिक्षा की ज़रूरत है? बस, सुशिक्षितों की नहीं, साक्षरों की एक बड़ी पंक्ति इस देश में खड़ी कर दी है जो किसी दफ़्तर में क्लर्क और बाबू बनने का सपना देख सकती है।

प्र०1 – उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए?

प्र०2 – 'अहं और गर्व का हाथी मन–मस्तिक पर बाँध देना' से क्या अभिप्राय है?

प्र०3 – सुशिक्षित और साक्षर में क्या अन्तर है?

प्र०4 – कैसी शिक्षा व्यक्ति को व्यावहारिक बना सकती है?

प्र०5 – 'प्रयोजन' और 'अहं' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(7) 'जो मारता है उसे कोई योद्धा कहे, तो मैं उसे बहस का मौका नहीं दूँगा। हरेक को हक़ है कि जहाँ से स्फूर्ति मिले वहाँ से ले। जिसमें चाहे, उसी में श्रद्धा रखे। बहस, इसमें बेकार है। लेकिन विवेक भी अगर कोई चीज़ है तो मैं कहना चाहता हूँ कि जो बिना मारे युद्ध में डटा रहता है, जो अपने को दुश्मन मानने वाले को मित्र मानता है और उसकी दुश्मनी को अखण्ड मैत्री से झेलता है, वह प्रवीणतर योद्धा है। प्रवीणतर और अधिक साहसी, अधिक विवेकी और अधिक बलवान। लेकिन करना कहने से सीधा नहीं है। जो हमारे खून का प्यासा है, उसमें से खून की प्यास निकल जाए और उसमें स्नेह की प्यास पैदा हो जाए, यह काम खेल नहीं है। इतिहास के युग–युग और देश–देश में बहुतेरे लोग स्पर्धापूर्वक लड़कर उस मोर्चो को लेने पहुँचे, लेकिन विरले वहाँ पहुँचे, असंख्य बीच में टूट गये और दुश्मन के हाथों खेत रहे।

प्र०1 – उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दें।

प्र०2 – आपकी दृष्टि में श्रेष्ठ योद्धा कौन है?

प्र०3 – किस दृष्टि से लड़ा गया युद्ध श्रेष्ठ माना जाता है?

प्र०4 – खेत रहना मुहावरे का अर्थ वाक्य प्रयोग द्वारा स्पष्ट करें?

प्र०5 – 'मैत्री' और 'अखण्ड' शब्द का अर्थ लिखिए?

(8) बच्चों को खेलना अत्यन्त प्रिय रहता है अत: खेल–खेल में ही वे उन महत्त्वपूर्ण शिक्षाओं को हासिल कर सकते हैं जो प्राय: कक्षा में भी प्राप्त नहीं हो पाती। खेलों का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है – शरीर का विकास, स्वस्थ शरीर का निर्माण, शक्तिशाली देह का गठन आदि। खेलते समय शरीर बलिष्ठ तभी बन पायेगा जब उसे सुदृढ़ बनाने के लिए खेल

के दौरान यथेष्ट परिश्रम किया जाए। कई बार देखा जाता है कि कुछ बच्चे खेलते समय ऐसे स्थानों पर खड़े रहने की ताक में रहते हैं जहाँ अधिक परिश्रम न करना पड़े या अधिक भागना– दौड़ना न पड़े; जैसे– गोलकीपरी आदि। परन्तु सच तो यह है कि ऐसी आदत यदि एक बार विकसित हो गई तो फिर वह व्यक्ति जीवन भर कठिन परिश्रम से जी चुराता रहेगा। वस्तुत: खेल ही हमें सिखाते हैं कि कठिन परिश्रम में ही आनन्द व गर्व की अनुभूति की जाए।

प्र०1 – खेलों का महत्त्वपूर्ण उद्देश्य क्या है?

प्र०2 – खेलते समय शरीर बलिष्ठ कैसे बन पायेगा?

प्र०3 – खेल हमें क्या सिखाते हैं?

प्र०4 – 'सुदृढ़' तथा 'गर्व' शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्र०5 – उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखें।

(9) पुस्तकालयों का पूर्ण लाभ तभी लिया जा सकता है, जब कुछ नियमों का पालन किया जाए। पुस्तकालय या उसमें स्थित वाचनालय (रीडिंग रूम) में शांति बनाए रखनी चाहिए। किताबों को न तो गंदा करना चाहिए, न उनके पृष्ठों को फाड़ना चाहिए और न ही उन पृष्ठों पर कुछ लिखना चाहिए। पुस्तकें यदि घर ले जाने के लिए इश्यू करवाई गई हैं तो निश्चित तिथि पर उन्हें वापस भी कर देना चाहिए। पुस्तकों को अलमारी में एक निश्चित क्रम से रखा जाता है, उस क्रम को भंग नहीं करना चाहिए। पुस्तकों की चोरी करना कानूनी व नैतिक – दोनों दृष्टियों से अनुचित है, अत: ऐसा अपराध कदापि नहीं करना चाहिए। इन सभी बातों का पालन करने से पुस्तकालयों का अधिकतम लाभ सभी को मिल सकता है।

प्र०1 – पुस्तकालय में किस प्रकार बैठना चाहिए?

प्र०2 – पुस्तकालय से इश्यू करवाई पुस्तकों को कब वापिस करना चाहिए?

प्र०3 – पुस्तकों को सुरक्षित कैसे रखा जा सकता है?

प्र०4 – 'कदापि' तथा 'अधिकतम' शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्र०5 – उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(10) स्वतन्त्र भारत का सम्पूर्ण दायित्व आज विद्यार्थियों के ऊपर ही है, क्योंकि आज जो विद्यार्थी हैं वे कल स्वतन्त्र भारत के कर्णधर होंगे। भारत की उन्नति व उत्थान उन्हीं की उन्नति व उत्थान पर निर्भर करता है। अत: विद्यार्थियों को अपने भावी जीवन का निर्माण बड़ी सतर्कता और सावधानी से करना चाहिए। उन्हें प्रत्येक क्षण, अपने राष्ट्र अपने समाज व संस्कृति को अपनी आँखों के सामने रखना चाहिए ताकि उनके जीवन से राष्ट्र को बल प्राप्त हो सके। जो विद्यार्थी राष्ट्रीय दृष्टिकोण से अपने जीवन का निर्माण नहीं करते, वे राष्ट्र व समाज के लिए भार स्वरूप होते हैं।

प्र०1 – स्वतंत्र भारत का सम्पूर्ण दायित्व किसके ऊपर है?

प्र०2 – विद्यार्थियों को अपने जीवन का निर्माण कैसे करना चाहिए?

प्र०3 – कौन-से विद्यार्थी राष्ट्र व समाज के लिए भार होते हैं?

प्र०4 – 'उत्थान' तथा 'सतर्कता' शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्र०5 – उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(11) अनुशासनहीनता एक प्रचंडतम संक्रामक बीमारी है। आग की तरह यह फैलती है और आग की तरह जो कुछ इसके अधीन आता जाता है, उसे ध्वस्त करती जाती है। अत: हर स्तर पर जो भी संचालक अथवा प्रभारी है, उसका यह प्रमुख कर्त्तव्य हो जाता है कि अनुशासनहीनता के पहले लक्षणों को देखते ही उसका प्रभावी उपचार कर दें। अन्यथा यह बीमारी सम्पूर्ण राष्ट्र का ही पतन कर सकती है। वस्तुत: अनुशासन शिथिल होने का अर्थ है, मूल्यों और मान्यताओं का अवमूल्यन होना और जब ऐसा होता है तो कोई भी राष्ट्र अथवा सभ्यता कितनी ही दिव्य क्यों न हो, नष्ट हो जायेगी। अनुशासित हुए बिना कोई समान, कोई विभाग या कोई राष्ट्र शक्तिशाली नहीं बन सकता। इतना ही नहीं अनुशासन के बिना किसी देश से दरिद्रता, अन्याय, आपसी फूट और वैमनस्य कभी दूर नहीं हो सकते।

प्र०1 – अनुशासनहीनता कैसी बीमारी है?

प्र०2 – अनुशासन शिथिल होने से किसी राष्ट्र या सभ्यता पर क्या प्रभाव पड़ता है?

प्र०3 – किसके बिना देश से दरिद्रता, अन्याय, आपसी फूट और वैमनस्य कभी दूर नहीं हो सकते।

प्र०4 – 'उपचार' तथा 'वैमनस्य' शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्र०5 – उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

(12) गुरु नानक देव जी एक साधारण व्यक्ति नहीं थे। वे एक अवतार पुरुष और समाज सुधारक थे। वे एकता, समानता, प्रेम, सत्य और शांति के प्रतीक थे। वे उस समय पैदा हुए, जब ऊँची जाति के लोग निम्न जाति के लोगों को हेय दृष्टि से देखते थे। लोग भ्रमों और झूठे रीति-रिवाज़ों में आस्था रखते थे। वे भगवान को भूल चुके थे। उन्होंने उन्हें सच्चा मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि सच्चा धर्म और पूजा मानवता से प्रेम करना है। यह हमें आपस में मिलाता है, न कि अलग करता है। एक बार किसी ने उनसे पूछा कि हिंदू बड़े हैं या मुसलमान। तब गुरु जी ने जवाब दिया कि बिना नेक काम के दोनों ही अच्छे नहीं हैं।

प्र०1 – गुरु नानक देव जी किसके प्रतीक थे?

प्र०2 – उन्होंने लोगों को कौन-सा मार्ग दिखाया?

प्र०3 – गुरु जी के अनुसार सच्चा धर्म व सच्ची पूजा क्या है?

प्र०4 – 'हेय' तथा 'आस्था' शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्र०5 – उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(13) विधाता द्वारा बनाई गई इस सृष्टि में नारी ही एकमात्र ऐसा प्राणी है जिसे सिद्धान्त में जितनी अधिक श्रद्धा अर्पित की गई, व्यवहार में उतने ही शोषण व अत्याचार का शिकार होना पड़ा। सिद्धांत में उसे 'गृहलक्ष्मी' कहा गया, परन्तु व्यवहार में 'पैर की जूती' समझा गया।

सिद्धान्त में उसे 'सृजन की अधिष्ठात्री देवी' कहकर श्रद्धा-सुमन सौंपे गए किन्तु व्यवहार में उसे 'नरक का द्वार' समझा गया। एक ओर कहा गया कि जहाँ नारियों की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं, किन्तु दूसरी ओर घर-घर में उसे प्रताड़ित किया गया, उसे अग्नि में जलाया गया, उसे जुए में दाँव पर लगाया गया, उसे बेचा गया, उसे पीटा गया, उसकी अस्मिता को रौंदा गया। विश्व के किसी भी देश का इतिहास उठा लीजिए, नारी के प्रति यही दोहरी दृष्टि हर जगह मिल जायेगी।

प्र०1 - उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दें।

प्र०2 - इस सृष्टि में नारी कैसा प्राणी है?

प्र०3 - गृहलक्ष्मी किसे कहा गया है?

प्र०4 - जहाँ नारी की पूजा होती है वहाँ किसका वास होता है?

प्र०5 - कठिन शब्द : सृजन, अस्मिता।

(14) लोग कहते हैं कि मेरा जीवन नाशवान है। मुझे एक बार पढ़कर लोग फेंक देते हैं। 'पानी केरा बुदबुदा, अस अखबार की जात, पढ़ते ही छिप जायेगा, ज्यों तारा प्रभात' पर मुझे उस पर भी गर्व है। मर कर भी मैं दूसरों के काम आता हूँ। मेरे सच्चे प्रेमी मेरे सारे शरीर को फाइल में क्रम से सम्भाल कर रखते हैं। कई लोग मेरे उपयोगी अंगों को काट-काटकर रख लेते हैं। मैं रद्दी बनकर भी अपने ग्राहकों को कीमत का तीसरा भाग अवश्य लौटा देता हूँ। इस तरह महान उपकारी बन जाता हूँ। सजधज के आता हूँ। सब के मन समा जाता हूँ। अरे भाई! मुझसे ईर्ष्या न करो, स्पर्धा करो स्पर्धा। मेरी तरह उपकारी बनो। तुम भी सबकी आँखों के तारे बन जाओगे।

प्र०1 - इस गद्यांश में किसके नाशवान जीवन की बात कही गयी है?

प्र०2 - पानी केरा बुदबुदा, उस अखबार की जात, पढ़ते ही छिप जायेगा, ज्यों तारा प्रभात - पंक्ति का अर्थ लिखें।

प्र०3 - हम किस तरह सबकी आँखों के तारे बन सकते हैं?

प्र०4 - 'प्रभात' तथा 'स्पर्धा' शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्र०5 - उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(15) चरित्र में कहीं पर किसी प्रकार का दाग न लगने पाए, इस बात की चौकसी का नाम चरित्र-पालन है। हमारे लिए चरित्र-पालन की आवश्यकता इसलिए महसूस होती है कि चरित्र को यदि हम सुधारने की फिक्र न रखें, तो उसे बिगड़ते देर नहीं लगती। जैसे उर्वरा फलवन्ती धरती में लम्बी-लम्बी घास और कंटीले पेड़ अपने-आप उग जाते हैं और अन्न आदि के उपकारी पौधे बड़े यत्न व परिश्रम के बाद उगते हैं। सच तो यह है कि त्रिगुणात्मक प्रकृति ने चरित्र में विकास पैदा कर देने वाले इतने तरह के प्रलोभन संसार में उपजा दिए हैं कि जिनसे आकर्षित हो मनुष्य बात-ही-बात में ऐसा बिगड़ सकता है कि

जीवन-भर किसी काम का नहीं रहता। महल बनाने में कितना यत्न और परिश्रम करना पड़ता है। जब वह बनकर तैयार हो जाता है, तो उसे ढहाते देर नहीं लगती।

प्र०1 - चरित्र पालन से क्या तात्पर्य है?

प्र०2 - चरित्र पालन की आवश्यकता क्यों महसूस होती है?

प्र०3 - ''महल बनाने में कितना यत्न और परिश्रम करना पड़ता है। जब वह बनकर तैयार हो जाता है, तो उसे ढहाते देर नहीं लगती।'' लेखक की इस पंक्ति का क्या तात्पर्य है?

प्र०4 - 'चौकसी' तथा 'फिक्र' शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्र०5 - उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(16) आधुनिक युग में समाज और राष्ट्र के जीवन में समाचार-पत्रों का बहुत ऊँचा तथा विशिष्ट स्थान है। समाचार-पत्र मानों अपने देश की सभ्यता, संस्कृति और शक्ति का मानदण्ड बन गए हैं, जिस देश में जितने अच्छे और जितने अधिक समाचार-पत्र होते हैं, वह देश उतना ही उन्नत और प्रभावशाली समझा जाता है। बहुत-से क्षेत्रों में जो काम समाचार-पत्र कर जाते हैं, वे बड़ी-बड़ी सेनाएँ और बड़े-बड़े राजनीतिज्ञ भी नहीं कर पाते। समाचार-पत्र एक ओर तो जनता का मत संसद और सरकार पर प्रकट करते हैं, दूसरी ओर देशों में सुदृढ़ और सम्पुष्ट लोकमत भी तैयार करते हैं। देश को सब प्रकार से जागृत और सजीव रखने में जितनी अधिक सहायता समाचार-पत्रों से मिलती है, उतनी शायद किसी और माध्यम से नहीं।

प्र०1 - आधुनिक युग में समाज और राष्ट्र के जीवन में समाचार-पत्रों का क्या स्थान है?

प्र०2 - कौन-सा देश उन्नत और प्रभावशाली समझा जाता है?

प्र०3 - समाचार-पत्रों का क्या महत्त्व है?

प्र०4 - 'सुदृढ़' और 'उन्नत' शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्र०5 - उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(17) संसार में उसी मनुष्य का जन्म सार्थक है, जिसके द्वारा देश, समाज और जाति की उन्नति हुई हो। जीवन-मरण का चक्र तो निरंतर चलता रहता है। इस परिवर्तनशील संसार में मनुष्य यदि देश की जागृति और निर्माण में अपना योगदान करता है। तो वह महान् बन जाता है। ऐसे ही थे हमारे युगपुरुष महात्मा गाँधी।

यह हमारे देश का सौभाग्य है कि हमारे यहाँ पर गाँधी जी का जन्म 2 अक्टूबर सन् 1869 को काठियावाड़ के पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ था। इनका नाम मोहनदास रखा गया। गाँधी जी के पिता का नाम कर्मचन्द गाँधी था। गाँधी जी की प्रारम्भिक शिक्षा गुजरात में हुई। अठारह वर्ष की अवस्था में हाई स्कूल पास करने के बाद गाँधी जी वकालत पढ़ने इंग्लैंड गये। वे शिक्षकों और सहपाठियों सभी के प्रिय थे।

प्र०1 - युगपुरुष किसे कहा गया है?

प्र०2 - गाँधी जी की प्रारम्भिक शिक्षा कहाँ हुई थी?

प्र०3 – गाँधी जी इंग्लैंड क्या करने गए थे?

प्र०4 – इस गद्यांश का शीर्षक लिखें।

प्र०5 – 'सार्थक' और 'परिवर्तनशील' शब्दों के अर्थ बताएँ।

(18) जलियाँवाले बाग में विशाल जनसभा में हज़ारों निहत्थे, बेकसूर तथा शांत लोगों पर जनरल डायर के हुक्म से ब्रिटिश सैनिकों ने गोलियाँ चलानी शुरू कर दी थीं। वहाँ लोगों में हड़बड़ मच गई थी, लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे, किन्तु गोलियों ने उन्हें भून कर रख दिया। इस नरसंहार में हज़ारों लोग मारे गये और अनेक घायल हो गए, उनकी स्थिति बयान करते हुए रोंगटे खड़े हो जाते थे। वहाँ घायल हुए लोगों की चीखें-पुकारें, अनुभवी दर्द की सिसकियाँ तथा प्राणों को चीर देने वाली आहें, सब कुछ दर्दनाक था। एक युवक की आँतें बाहर निकली हुई थी और वह मौत के लिए तरस रहा था। लेकिन किसी ने उसकी ओर न देखा। इस तरह असंख्य परिजन अपने रिश्तेदारों व परिचितों की लाशों के सामने रो रहे थे।

प्र०1 – उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दें।

प्र०2 – निहत्थे तथा बेकसूर लोगों पर किसने गोलियाँ चलानी शुरू कर दी?

प्र०3 – इस नरसंहार में कितने लोग मारे गए?

प्र०4 – घायल युवक किस लिए तरस रहा था?

प्र०5 – कठिन शब्द : नरसंहार, निहत्थे।

(19) वर्तमान युग विज्ञापन का युग माना जाता है। समाचार-पत्रों के अतिरिक्त रेडियो और टेलीविज़न भी विज्ञापन के सफल साधन है। विज्ञापन का मूल उद्देश्य उत्पादक और उपभोक्ता में सीधा सम्पर्क करना होता है। जितना अधिक विज्ञापन किसी पदार्थ का होगा, उतनी ही उसकी लोकप्रियता बढ़ेगी। इन विज्ञापनों पर धन तो अधिक व्यय होता है, पर इनसे बिक्री बढ़ जाती है। ग्राहक जब इन आकर्षक विज्ञापनों को देखता है, तो वह उस वस्तु-विशेष के प्रति आकृष्ट होकर उसे खरीदने को बाध्य हो जाता है।

प्र०1 – उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दें।

प्र०2 – वर्तमान युग में विज्ञापन के कौन से तीन साधन हैं?

प्र०3 – उत्पादक और उपभोक्ता के सीधे सम्बन्ध से बाज़ार पर क्या प्रभाव पड़ता है?

प्र०4 – उत्पादक विज्ञापनों पर धन का व्यय क्यों करता है?

प्र०5 – 'व्यय' और 'बाध्य' शब्दों का अर्थ लिखिए।

कक्षा दसवीं

विषय – हिंदी

अभ्यास हेतु पंजाबी गद्यांशों का हिंदी अनुवाद

1. ਜਦੋਂ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਵਿੱਚ ਜਲ੍ਹਿਆਂ ਵਾਲੇ ਬਾਗ ਦਾ ਸਾਕਾ ਵਾਪਰਿਆ, ਉਸ ਵੇਲੇ ਊਧਮ ਸਿੰਘ ਇੱਕ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹ ਰਿਹਾ ਸੀ। ਉਸਨੇ ਇਸ ਘਟਨਾ ਨੂੰ ਆਪਣੀਆਂ ਅੱਖਾਂ ਨਾਲ ਦੇਖਿਆ। ਉਸਦੇ ਮਨ ਉੱਤੇ ਇਸ ਕਤਲੇਆਮ ਦਾ ਬੜਾ ਡੂੰਘਾ ਅਸਰ ਹੋਇਆ। ਉਸਨੂੰ ਗੁਲਾਮੀ ਨਾਲ ਨਫ਼ਰਤ ਹੋ ਗਈ। ਉਸ ਦਿਨ ਊਧਮ ਸਿੰਘ ਨੇ ਪ੍ਰਣ ਕੀਤਾ ਕਿ ਉਹ ਇਸ ਕਤਲੇ ਆਮ ਦਾ ਬਦਲਾ ਜ਼ਰੂਰ ਲਵੇਗਾ ਖ਼ੂਨ ਦਾ ਬਦਲਾ ਖ਼ੂਨ। ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਉਹ ਬਦਲਾ ਨਹੀਂ ਲੈ ਲੈਂਦਾ, ਉਦੋਂ ਤੱਕ ਉਹ ਚੈਨ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਬੈਠੇਗਾ।

2. ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਚ ਪੁਰਾਣੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਰੁੱਖ ਲਗਾਉਣਾ ਇੱਕ ਵੱਡਾ ਧਾਰਮਿਕ ਪੁੰਨ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਅੱਜ ਵੀ ਰੁੱਖ ਲਗਾਉਣ ਅਤੇ ਸਾਂਭਣ ਨੂੰ ਸ਼ੁਭ ਕਰਮ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਾਡੀ ਸਰਕਾਰ ਵੀ ਇਸ ਪਾਸੇ ਉਚੇਚਾ ਧਿਆਨ ਦੇ ਰਹੀ ਹੈ। ਹਰ ਸਾਲ ਵਣ ਮਹਾਂ ਉਤਸਵ ਮਨਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਲੱਖਾਂ ਨਵੇਂ ਰੁੱਖ ਲਗਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਸੇ ਮਹੱਤਤਾ ਨੂੰ ਦੇਖ ਕੇ ਸਾਡੇ ਕਵੀਆਂ ਨੇ ਕਿੱਕਰਾਂ, ਬੇਰੀਆਂ ਪਿੱਪਲਾਂ ਤੇ ਬੋਹੜਾਂ ਦੇ ਗੁਣ ਗਾਏ ਹਨ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਹਿਮਾ, ਸੰਭਾਲ ਤੇ ਰੱਖਿਆ ਲਈ ਅਨੇਕਾਂ ਮਿੱਠੇ ਗੀਤ ਲਿਖੇ ਹਨ।

3. ਡਾ. ਜਗਦੀਸ਼ ਚੰਦਰ ਬੋਸ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਵਿਗਿਆਨੀ ਹੋਏ ਹਨ। ਵਿਗਿਆਨਿਕ ਕਾਂਢਾਂ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਆਪ ਦਾ ਸਥਾਨ ਸੰਸਾਰ ਦੇ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਵਿਗਿਆਨੀਆਂ ਵਿੱਚ ਗਿਣਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਭੌਤਿਕ ਤੇ ਬਨਸਪਤੀ ਵਿਗਿਆਨ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਆਪਜੀ ਨੇ ਬਹੁਤ ਕਾਰਜ ਕੀਤੇ। ਲੰਡਨ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੇ ਆਪ ਨੂੰ ਡਾਕਟਰ ਆਫ ਸਾਇੰਸ ਦੀ ਉਪਾਧੀ ਨਾਲ ਨਿਵਾਜਿਆ। ਸੱਚ ਮੁੱਚ ਜਗਦੀਸ਼ ਚੰਦਰ ਬੋਸ ਭਾਰਤ ਦੇ ਇੱਕ ਮਹਾਨ ਸਪੂਤ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀਆਂ ਮਹਾਨ ਖੋਜਾਂ ਸਦਕਾ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਨਾਂ ਸੰਸਾਰ ਭਰ ਵਿੱਚ ਰੋਸ਼ਨ ਕੀਤਾ।

4. ਸੈੱਲਫੋਨ ਦਾ ਦੂਜਾ ਵੱਡਾ ਲਾਭ ਸੂਚਨਾ ਸੰਚਾਰ ਵਿਚ ਤੇਜ਼ੀ ਆਉਣ ਦਾ ਹੀ ਸਿੱਟਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਜਿੱਥੇ ਸਾਡੇ ਪਾਰਿਵਾਰਿਕ, ਸਮਾਜਿਕ ਤੇ ਰਾਜਨੀਤਿਕ ਜੀਵਨ ਵਿਚ ਸਾਡੀ ਕਿਰਿਆਤਮਕਤਾ ਨੂੰ ਹੁਲਾਰਾ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਉਥੇ ਨਾਲ ਹੀ ਵਪਾਰਕ ਤੇ ਆਰਥਿਕ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਉਤਪਾਦਨ, ਖਰੀਦੋ-ਫਰੋਖਤ, ਮੰਗ ਪੂਰਤੀ, ਦੇਣ-ਲੈਣ, ਭੁਗਤਾਨ ਅਤੇ ਕਾਨੂੰਨ-ਵਿਵਸਥਾ ਦੇ ਸੁਧਾਰ ਵਿਚ ਗਤੀ ਆਉਣ ਨਾਲ ਵਿਕਾਸ ਦੀ ਦਰ ਤੇਜ਼ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਜਿਸਦੇ ਸਿੱਟੇ ਵਜੋਂ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਵੱਧਦੀ ਹੈ, ਤੇ ਜੀਵਨ ਪੱਧਰ ਉੱਚਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

5. ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਮਹਾਨ ਯੋਧਿਆਂ ਵਿੱਚ ਸਿਕੰਦਰ ਮਹਾਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਜਿਸ ਵਿਅੱਕਤੀ ਨੂੰ ਮਹਾਨ ਸੂਰਬੀਰ ਮੰਨਿਆ ਗਿਆ ਹੈ, ਉਹ ਨੈਪੋਲੀਅਨ ਹੈ। ਉਸਦੇ ਬਚਪਨ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਕਹਾਣੀਆਂ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਕਹਾਣੀ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਨੈਪੋਲੀਅਨ ਨੇ ਇੱਕ ਬਜ਼ੁਰਗ ਔਰਤ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਦਿਆਂ ਇੱਛਾ ਕੀਤੀ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਵੱਡਾ ਹੋ ਕੇ ਇੱਕ ਵਧੀਆ ਸੈਨਿਕ ਬਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਨੈਪੋਲੀਅਨ ਦੀ ਉਮਰ ਉਸ ਸਮੇਂ ਕੇਵਲ 13 ਸਾਲ ਦੀ ਸੀ ਅਤੇ ਉਹ ਫਰਾਂਸ ਦੇ ਇੱਕ ਸੈਨਿਕ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹਦਾ ਸੀ। ਉਹ ਸੈਨਿਕ ਵਰਦੀ ਵਿੱਚ ਬੜਾ ਸੁੰਦਰ ਲੱਗਦਾ ਸੀ।

6. ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਜੀ ਬਚਪਨ ਤੋਂ ਹੀ ਆਪਣੇ ਆਪ ਵਿੱਚ ਮਸਤ ਰਹਿਣ ਵਾਲੇ ਸੁਭਾਅ ਦੇ ਵਿਅਕਤੀ ਸਨ। ਉਸ ਸਮੇਂ ਦਸਵੀਂ ਪਾਸ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਨੌਕਰੀ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਸੀ। ਪਰ ਨੌਕਰੀ ਕਰਨੀ ਆਪ ਦੇ ਸੁਭਾਅ ਦੇ ਅਨੁਕੂਲ ਨਹੀਂ ਸੀ। ਇਸ ਲਈ ਆਪ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪਿਤਾ ਜੀ ਦੇ ਦੋਸਤ ਸ. ਵਜ਼ੀਰ ਸਿੰਘ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ 'ਵਜ਼ੀਰ ਹਿੰਦ ਪ੍ਰੈਸ' ਖੋਲ ਲਈ ਅਤੇ ਆਪ ਨੇ ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ। ਇਸ ਪ੍ਰੈਸ ਦੁਆਰਾ ਪੰਜਾਬੀ ਪੁਸਤਕਾਂ ਛਾਪ ਕੇ ਆਪ ਨੇ ਪੰਜਾਬੀ ਮਾਂ ਬੋਲੀ ਦੀ ਵੱਡਮੁੱਲੀ ਸੇਵਾ ਕੀਤੀ।

7. ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਸ਼ਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਟੈਲੀਵਿਜ਼ਨ ਸਾਡੇ ਮਨੋਰੰਜਨ ਦਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਸਾਧਨ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਘਰ ਬੈਠੇ ਹੀ ਟੈਲੀਵਿਜ਼ਨ ਨਾਲ ਗਾਣੇ, ਫਿਲਮਾਂ, ਨਾਚ ਅਤੇ ਨਾਟਕ ਆਦਿ ਵੇਖ ਸਕਦੇ ਹਾਂ। ਟੈਲੀਵਿਜ਼ਨ ਦੇ ਮਨੋਰੰਜਕ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿਅਕਤੀ ਦਾ ਸਾਰੇ ਦਿਨ ਦਾ ਥਕੇਵਾਂ ਲਾਹ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਾਲ ਬੱਚਿਆਂ, ਬੁੱਢਿਆਂ

ਤੇ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਸਭ ਦੇ ਗਿਆਨ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਬੱਚਿਆਂ ਲਈ ਸਿੱਖਿਆ ਦਾਇਕ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਬੜੇ ਲਾਭਦਾਇਕ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।

8. ਲਾਲਾ ਲਾਜਪਤ ਰਾਏ ਜੀ ਦਾ ਜਨਮ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫਿਰੋਜ਼ਪੁਰ ਦੇ ਪਿੰਡ ਢੁੱਡੀਕੇ ਵਿੱਚ 1865 ਈਸਵੀ ਵਿੱਚ ਹੋਇਆ। ਆਪਜੀ ਦੇ ਪਿਤਾ ਜੀ ਦਾ ਨਾਂ ਸ੍ਰੀ ਰਾਧਾ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਸੀ। ਆਪਦੇ ਪਿਤਾ ਇੱਕ ਸਰਕਾਰੀ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਨੌਕਰੀ ਕਰਦੇ ਸਨ। ਸ਼੍ਰੀ ਰਾਧਾ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ ਪੱਕੇ ਆਰੀਆ ਸਮਾਜੀ ਸਨ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਭਗਤੀ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਰੱਖਦੇ ਸਨ। ਉਹ ਆਪਣੇ ਮਾਤਾ ਜੀ ਦੀ ਬਹੁਤ ਇੱਜਤ ਕਰਦੇ ਸਨ। ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਲਾਲਾ ਲਾਜਪਤ ਰਾਏ ਜੀ ਨੇ ਖ਼ੁੱਦ ਆਪਣੇ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿੱਚ ਮੰਨਿਆ ਹੈ। ਜਿਵੇਂ: "ਮੈਂ ਜੋ ਕੁੱਝ ਵੀ ਹਾਂ ਆਪਣੇ ਮਾਤਾ-ਪਿਤਾ ਕਾਰਣ ਹੀ ਹਾਂ।"

9. ਵਿਗਿਆਨ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਅਮਰੀਕਾ ਦੁਨੀਆਂ ਭਰ ਵਿੱਚ ਪਹਿਲੇ ਨੰਬਰ ਤੇ ਹੈ। ਦੂਸਰਾ ਨੰਬਰ ਰੂਸ ਦਾ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਵਿਗਿਆਨ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਅਮਰੀਕਾ ਨੇ ਬਹੁਤ ਉੱਨਤੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਏਥੇ ਦੇ ਘਰਾਂ ਵਿੱਚ ਹਰ ਕੰਮ ਬਿਜਲੀ ਦੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਨਾਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਕੇਵਲ ਬਟਨ ਦਬਾਉਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਬਰਤਨ ਸਾਫ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਕਪੜੇ ਧੁਲ ਕੇ ਸੁੱਕ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਭੋਜਨ ਤਿਆਰ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਏਥੋਂ ਦੇ ਲੋਕ ਘਰੇਲੂ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਨੌਕਰ ਨਹੀਂ ਰੱਖਦੇ।

10. ਗੁਰੂ ਗਿਆਨ ਦਾ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਦੇਣ ਵਾਲੇ ਵਿਅੱਕਤੀ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਜਿਹੜਾ ਵਿਅੱਕਤੀ ਗਿਆਨ ਦੀ ਰੋਸ਼ਨੀ ਦੂਸਰੇ ਕੋਲੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਦਾ ਹੈ ਉਸਨੂੰ ਚੇਲਾ ਆਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਪੁਰਾਤਨ ਸਮਿਆਂ ਵਿੱਚ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ ਗੁਰੂ ਹੀ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ। ਅਧਿਆਪਕ ਦਾ ਦਰਜਾ ਸਭ ਤੋਂ ਉੱਚਾ ਹੈ। ਇਹ ਦਰਜਾ ਮਾਤਾ-ਪਿਤਾ ਦੇ ਸਮਾਨ ਹੈ। ਭਾਵੇਂ ਕੋਈ ਕਿਤਨਾ ਵੀ ਮਹਾਨ ਤੇ ਵੱਡਾ ਆਦਮੀ ਕਿਉਂ ਨਾ ਬਣ ਜਾਏ, ਉਹ ਜਦੋਂ ਵੀ ਗੁਰੂ ਨੂੰ ਮਿਲੇਗਾ ਉਸ ਦਾ ਸਿਰ ਸਤਿਕਾਰ ਨਾਲ ਝੁਕ ਜਾਵੇਗਾ।

11. ਵਿਚਾਰਵਾਨ ਲੋਕ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਮੰਨਦੇ ਹਨ ਕਿ ਰੱਬ ਮਨੁੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਹੀ ਵਸਦਾ ਹੈ। ਮਨੁੱਖ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਰੱਬ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਥਾਂ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦਾ। ਇਸ ਲਈ ਮਨੁੱਖਾਂ ਨੂੰ ਪਿਆਰ ਕਰਨ ਅਥਵਾ ਮਨੁੱਖਤਾ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨੀ ਹੀ ਸੱਚੀ ਭਗਤੀ ਹੈ। ਮਨੁੱਖਤਾ ਦੀ ਸੇਵਾ ਵਿੱਚ ਜੀਵਨ ਸਮਰਪਣ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਮਹਾਨ ਆਦਮੀ ਦੁਨੀਆਂ ਵਿੱਚ ਹੋਏ ਹਨ। ਉਹਨਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਅਬੁ-ਬਿਨ-ਆਦਮ ਵੀ ਮਹਾਨ ਭਗਤ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਅੱਬੂ ਪ੍ਰਭੂ ਦੇ ਬੰਦਿਆਂ ਦੀ ਨਿਸ਼ਕਾਮ ਸੇਵਾ ਕਰਿਆ ਕਰਦਾ ਸੀ।

12. ਸਦੀਆਂ ਤੋਂ ਚਲੀ ਆ ਰਹੀ ਦਾਜ ਦੀ ਪ੍ਰਥਾ ਅੱਜ ਸਾਡੇ ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਘੁਣ ਵਾਂਗੂ ਖਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਕਿੰਨੀਆਂ ਹੀ ਕੀਮਤੀ ਜਾਨਾਂ ਇਸ ਨਾਮੁਰਾਦ ਬਿਮਾਰੀ ਦਾ ਸ਼ਿਕਾਰ ਹੋ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਕਿੰਨੀਆਂ ਧੀਆਂ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਜੀਵਨ ਇਸ ਬੁਰਾਈ ਨੇ ਨਰਕ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਦਾਜ ਦੀ ਭੈੜੀ ਪ੍ਰਥਾ ਨੇ ਵਿਆਹ ਦਾ ਪਵਿੱਤਰ ਸੰਬੰਧ ਜਿਵੇਂ ਗ੍ਰਾਸ ਲਿਆ ਹੈ।

13. ਵੱਧਦੀ ਵੱਸੋਂ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆਂ ਕੇਵਲ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸੰਸਾਰ ਦੇ ਹੋਰ ਕਈ ਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਸ ਸਮੱਸਿਆ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰਨਾ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਗੰਭੀਰ ਸਮੱਸਿਆ ਨੂੰ ਵਿਚਾਰਨ ਲਈ ਸੰਸਾਰ ਪੱਧਰ ਤੇ ਸਾਂਝੀਆਂ ਇੱਕਤਰਤਾਵਾਂ ਵੀ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਹਨਾਂ ਦੇ ਨਿਰਨੇ ਅਤੇ ਸੁਝਾਅ ਸਾਰੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਦੇਸ਼ਾ ਨੂੰ ਭੇਜੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਸੰਸਾਰ ਪੱਧਰ ਤੇ ਸੋਚੇ ਹੱਲ ਭਾਰਤ ਲਈ ਵੀ ਲਾਹੇਵੰਦ ਹੋਣਗੇ।

14. ਜੀਵਨ ਵਿੱਚ ਬਿਜਲੀ ਦੁਆਰਾ ਮਿਲੇ ਸੁੱਖਾਂ ਅਤੇ ਸੁਵਿਧਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝਦਿਆਂ ਅਤੇ ਸੰਜਮ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਲਾਭ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਦੇਂਦਿਆਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਬੱਚਤ ਆਮ ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਹੀ ਕਰਨੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਕੋਈ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕਾਨੂੰਨ ਜਾਂ ਨਿਯਮ ਨਹੀਂ ਬਣਾਏ ਜਾ ਸਕਦੇ।

15. ਘਰ ਵਾਂਗ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਵੀ ਸਫ਼ਾਈ ਬੜੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਸਕੂਲ ਵਿਚ ਕੂੜਾ-ਕਰਕਟ ਵਧੇਰੇ ਕਰਕੇ ਪਾਟੇ ਗਏ ਕਾਗਜ਼ਾਂ ਆਦਿ ਦਾ ਹੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਹਰ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਅਜਿਹਾ ਕੂੜਾ-ਕਰਕਟ ਖਿਲਾਰਨ ਤੋਂ ਸੰਕੋਚ ਕਰੇ ਤਾਂ ਗੰਦਗੀ ਬਹੁੱਤ ਘੱਟ ਫੈਲੇਗੀ।

16. ਸਾਡੀ ਬੋਲੀ ਉਹ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਸਾਡੇ ਬਚਪਨ ਦੀ ਬੋਲੀ ਹੈ, ਸਾਡੀ ਮਾਂ ਦੀ ਬੋਲੀ ਹੈ। ਬੜੇ ਬੇ-ਭਾਗ ਨੇ ਉਹ ਸ਼ਖਸ ਜਿੰਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੱਡਿਆ ਹੋ ਕੇ ਬਚਪਨ ਦੀ ਬੋਲੀ ਨਾਲੋ ਕੋਈ ਵੱਖਰੀ ਬੋਲੀ ਅਪਣਾਨੀ ਪੈਂਦੀ ਹੈ। ਸਿਰਫ਼ ਬਚਪਨ ਦੀ ਬੋਲੀ ਦੀ ਮੁਹਰ ਲਾ ਕੇ ਹੀ ਕੋਈ ਆਪਣੀ ਅੰਦਰਲੀ ਦੋਲਤ ਨੂੰ ਅਖੀਰਲੇ ਨਿੱਕੇ ਤੋਂ ਨਿੱਕੇ ਸਿੱਕੇ ਤੱਕ ਵਰਤ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਵੀ ਬੋਲੀ ਦੀ ਛਾਪ ਸਾਡੇ ਨਿੱਕੇ ਜਜ਼ਬਾਤੀ ਹੀਰੇ ਝੱਲ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ।

17. ਛੋਟੀਆਂ ਬੱਚਤਾਂ ਵਿਚ ਪਰਿਵਾਰ ਦੇ ਛੋਟੇ ਬੱਚੇ ਵੀ ਭਾਗ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਮਾਪਿਆਂ ਤੋਂ ਮਿਲੇ ਜੇਬ-ਖਰਚ ਵਿਚੋਂ ਇੱਕ-ਇੱਕ ਜਾਂ ਦੋ ਰੁਪਏ ਬਚਾਅ ਕੇ ਹਰ ਮਹੀਨੇ ਇੱਕਠੇ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਕੁਝ ਮਹੀਨਿਆਂ ਬਾਅਦ ਬਣੀ ਰਕਮ ਬੈਂਕ ਜਾ ਡਾਕਖਾਨੇ ਵਿਚ ਜਮ੍ਹਾਂ ਕਰਵਾਈ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਬੜੇ ਸਧਾਰਨ ਅਤੇ ਸੌਖੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਬਚਾਏ ਇਹਨਾਂ ਪੈਸਿਆਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਵੇਲੇ ਛੋਟੀ ਰਕਮ ਦੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਲੋੜਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

18. ਕਹਾਣੀ ਦਾ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ੀਲ ਹੋਣਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਲੇਖਕ ਨੂੰ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦੇ ਅਜਿਹੇ ਛਿਣਾਂ ਦਾ ਬਿਆਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜੇ ਸਾਡੇ ਮਨ ਉੱਪਰ ਪ੍ਰਭਾਵ ਪਾਉਣ ਦੀ ਸਮੱਰਥਾ ਰੱਖਦੇ ਹੋਣ। ਕਈ ਵਾਰ ਲੇਖਕ ਅਜਿਹੀਆਂ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਬਿਆਨਣ ਦੀ ਗਲਤੀ ਵੀ ਕਰ ਲੈਂਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਾਡੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿਚ ਖਾਸ ਸਾਰਥਕਤਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਅਤੇ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਉਹ ਸਫ਼ਲਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਤੋਂ ਅਸਮੱਰਥ ਰਹਿੰਦੀ ਹੈ। ਸੋ ਕਹਾਣੀ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੀ ਇਕਾਗਰਤਾ ਦਾ ਹੋਣਾ ਅਤਿ ਜਰੂਰੀ ਹੈ।

19. ਜੀਵਨ ਵਿਚ ਸਫ਼ਲਤਾ ਦੇ ਬੁਨਿਆਦੀ ਨਿਯਮਾਂ ਵਿਚੋਂ ਇੱਕ ਹੈ ਸਮੇਂ ਦਾ ਪਾਬੰਦ ਹੋਣਾ। ਇਸ ਦਾ ਅਰਥ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਅਸੀ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਮਿਲਣ ਦਾ ਸਮਾਂ ਦਿੱਤਾ ਹੋਵੇ, ਜਾ ਕੋਈ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦਾ ਸਮਾਂ ਨਿਸਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਸਮੇਂ ਤੇ ਪੂਰਾ ਉਤੱਰਿਆ ਜਾਵੇ। ਸਮੇਂ ਦੀ ਪਾਬੰਦੀ ਦੇ ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਲਾਭ ਵੀ ਹਨ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਵੀ।

2●. ਗੁਰੂ ਜੀ ਦਾ ਜਨਮ 1469 ਈ. ਵਿਚ ਤਲਵੰਡੀ ਵਿਚ ਜਿਸਨੂੰ ਨਨਕਾਣਾ ਸਾਹਿਬ (ਹੁਣ ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਵਿੱਚ) ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਵਿਖੇ ਮਾਤਾ ਤ੍ਰਿਪਤਾ ਦੀ ਕੁੱਖੋਂ ਹੋਇਆ। ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਪਿਤਾ ਮਹਿਤਾ ਕਾਲੂ ਪਿੰਡ ਦੇ ਪਟਵਾਗੀ ਸਨ।

21. ਟੈਗੋਰ ਨੂੰ ਸਾਹਿਤ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਹੋਰ ਕਲਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਵੀ ਰੁੱਚੀ ਸੀ। ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਬਣਾਏ ਚਿੱਤਰ, ਚਿੱਤਰਕਲਾ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਖਾਸ ਸਥਾਨ ਰੱਖਦੇ ਹਨ। ਸੰਗੀਤ ਵਿਚ ਉਹਨਾਂ ਦੀਆਂ ਬਣਾਈਆਂ ਧੁਨਾਂ ਰਵਿੰਦਰ ਸੰਗੀਤ ਵਜੋਂ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਹਨ।

22. ਮਿੱਠਾ ਬੋਲਣਾ ਬੱਚਿਆਂ ਦਾ ਆਦਰ ਕਰਨਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਹੱਸ ਕੇ ਗਲ ਕਰਨਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਖੇਡਣਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਸੁਣਨਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਦੇਣਾ ਵੀ ਖੁਸ਼ੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਹੈ।

विज्ञापन

1. आपका नाम मोहन लाल है। आपकी मेन बाज़ार अम्बाला में करियाने की दुकान है। आपका फोन नम्बर 9435685660 है। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'सेल्समैन की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखें।

2. नोएडा पब्लिक स्कूल, नोएडा के मुख्याध्यापक की ओर से वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'कुशल ड्राइवर चाहिए' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

3. आपका नाम मनीषा है। आपको घर के कामकाज के लिए एक नौकरानी की आवश्यकता है। आपका फोन नम्बर 9654532183 है। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'नौकरानी की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखें।

4. दिल्ली पब्लिक स्कूल, चण्डीगढ़ के मुख्याध्यापक की ओर से वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'सफाई कर्मचारी की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

5. डी०ए०वी० पब्लिक स्कूल, लुधियाना के मुख्याध्यापक की ओर से वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'क्लर्क की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

6. संत कबीर पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़ के प्रिंसीपल की ओर से वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत स्कूल बस के लिए 'एक कुशल ड्राइवर चाहिए' का एक प्रारूप तैयार करके लिखिए।

7. आपका नाम विजय दीनानाथ चौहान है। आप मकान नम्बर 54, सेक्टर 8, मोहाली में रहते हैं। आपका मोबाइल नम्बर 9417741121 है। आपका सेक्टर-76 मोहाली में 8 मरले का एक प्लाट है। आप इसे बेचना चाहते हैं। 'प्लाट बिकाऊ है' शीर्षक के अन्तर्गत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

8. आपका नाम रजनीश गुप्ता है। आप मकान नम्बर 151, सेक्टर-19, करनाल में रहते हैं। आपका मोबाइल नम्बर 9456948536 है। आप अपनी 28 मॉडल की टाटा सफारी कार बेचना चाहते हैं। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'कार बिकाऊ है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

9. आपका नाम विजय शर्मा है। आप डी०ए०वी० स्कूल मलोट के प्रिंसीपल हैं। आपको अपने स्कूल के लिए एम०ए०, बी०एड० गणित अध्यापक की आवश्यकता है। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'गणित अध्यापक की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

10. आपका नाम अमिताभ है। आपका सेक्टर-17 चंडीगढ़ में बहुत बड़ा पाँच सितारा होटल है। आपका मोबाइल नम्बर 9354456695 है। आपको अपने होटल के लिए एक मैनेजर की आवश्यकता है। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'मैनेजर की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

11. आपका नाम पंडित योगेश्वर नाथ है। आपने सेक्टर-22, चंडीगढ़ में एक 'योगेश्वर योग साधना केन्द्र' खोला है जहाँ आप लोगों को योग सिखाते हैं जिसकी प्रति व्यक्ति, प्रति मास 500 रु० फीस है। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'योग सीखिए' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

12. आपका नाम सुरेश है। आपका सेक्टर-14 पंचकूला में एक आठ मरले का मकान है। आप इसे बेचना चाहते हैं। आपका मोबाइल नम्बर 9417794262 है, जिस पर मकान खरीदने के इच्छुक आपसे सम्पर्क कर सकते हैं। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'मकान बिकाऊ है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

13. आपका नाम सुन्दर लाल है। आपकी सेक्टर 18डी, चंडीगढ़ में बिजली की दुकान है, जिसका बूथ नं० 2 है। आपको बिजली के उपकरणों की मरम्मत करने के लिए कारीगर चाहिए। 'कारीगर की आवश्यकता है' शीर्षक के अन्तर्गत विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए।

14. आपका नाम मुकेश वर्मा है। आप मकान नम्बर 156, सेक्टर 18, नंगल में रहते हैं। आपका बेटा जिसका नाम सतीश वर्मा है। उसका रंग साँवला, आयु आठ वर्ष, कद चार फुट है। वह दिनांक 15.03.2009 से नंगल से गुम है। 'गुमशुदा की तलाश' शीर्षक के अन्तर्गत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें।

15. आपका नाम सतीश कुमार है। आप मकान नम्बर 1450, सेक्टर 19, करनाल में रहते हैं। आपने अपना नाम सतीश कुमार से बदल कर सतीश कुमार शर्मा रख लिया है। 'नाम परिवर्तन' शीर्षक के अन्तर्गत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें।

16. आपका नाम महेन्द्र लाल वर्मा है। आपकी मेन बाज़ार लखनऊ में रेडीमेड कपड़ों की दुकान है। आपका फोन नम्बर 9466662495 है। आपने अपनी दुकान में रेडीमेड कमीज़ों पर 50% की भारी छूट दी है। 'रेडीमेड कमीज़ों पर 50% भारी छूट' विषय पर अपनी दुकान की ओर से एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

17. आपका नाम सुरेन्द्र सिंह है। आपका मोबाइल नम्बर 9899999999 है। आपकी सेक्टर-14 भवानीगढ़ में एक कॉपी-किताब की दुकान है। आपको दुकान के लिए एक सेल्समैन की आवश्यकता है। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'सेल्समैन की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

18. आपका नाम बलविन्द्र कुमार है। आपका मोबाइल नम्बर 8222000006 है। आपकी सुभाष नगर गुजरात में एक करियाने की दुकान है। आपको अपनी दुकान पर एक हैल्पर की आवश्यकता है। 'हैल्पर की आवश्यकता है' शीर्षक के अन्तर्गत एक वगीकृत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

19. आपका नाम सुमन कुमार है। आपका फोन नम्बर 8999000546 है। आपने मेन शहर गाज़ियाबाद में दसवीं, बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए साइंस, गणित विषयों की कोचिंग कक्षाएँ एक नये कोचिंग सेंटर में खोली हैं। कोचिंग सेंटर का नाम है- सुमन कोचिंग सेंटर। कोचिंग सेंटर के उद्घाटन के सम्बन्ध में एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

20. आपका नाम गुरनाम सिंह है। आप प्रकाश नगर लुधियाना में रहते हैं। आपका फोन नम्बर 9463699995 है। आपकी दस मरले की कोठी है। आप इस कोठी के दो कमरे, किचन, बाथरूम सहित किराये पर देना चाहते हैं। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'किराये के लिए खाली' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

21. गुजरात इलेक्ट्रानिक्स, गुजरात, मोबाइल 8466224500 को इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरों की आवश्यकता है। 'इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरों की आवश्यकता है' शीर्षक के अन्तर्गत एक वर्गीकृत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

22. आपका नाम मीनाक्षी है। आप मकान नम्बर 425, करनाल में रहती हैं। आप अपना पुराना सोनी कम्पनी का चालू हालत में टेलीविज़न बेचना चाहती हैं। 'टेलीविज़न बिकाऊ है' शीर्षक के अन्तर्गत एक वर्गीकृत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

सूचना (नोटिस)

1. सरकारी हाई स्कूल पानीपत के मुख्याध्यापक की ओर से एक सूचना तैयार करें, जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों को दिनांक 15.12.2013 को 'सुन्दर लिखाई प्रतियोगिता' में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

2. सरकारी हाई स्कूल जालन्धर के मुख्याध्यापक की ओर से एक सूचना तैयार करें, जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों को दिनांक 25.11.2013 को 'रक्तदान शिविर' में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

3. राजकीय उच्च विद्यालय, पठानकोट के मुख्याध्यापक की ओर से एक सूचना तैयार करें, जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों को 'स्वतंत्रता दिवस' (15 अगस्त) में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

4. मानव मंगल स्कूल, अजीतगढ़ के मुख्याध्यापक की ओर से एक सूचना तैयार करें, जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों को दिनांक 11.11.2013 को 'भाषण प्रतियोगिता' में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

5. जैम पब्लिक स्कूल, शहीद भगत सिंह नगर के मुख्याध्यापक की ओर से एक सूचना तैयार करें, जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों को दिनांक 15.10.2013 को 'कविता पठन प्रतियोगिता' में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

6. सरकारी हाई स्कूल, चण्डीगढ़ के मुख्याध्यापक की ओर से एक सूचना तैयार करें, जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों को 'गणतन्त्र दिवस' (26 जनवरी) में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

7. सरकारी हाई स्कूल, राजपुरा के मुख्याध्यापक की ओर से एक सूचना तैयार करें, जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों को पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा 'दसवीं कक्षा के फार्म' दिनांक 12.11. 2013 तक भरने के लिए कहा गया हो।

8. डी०ए०वी० हाई स्कूल, बरनाला के मुख्याध्यापक की ओर से एक सूचना तैयार करें, जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों को 'वार्षिक उत्सव' में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

9. आपका नाम सुरिंदर सिंह है, आपने अपना नाम बदलकर सुरिंदर सिंह उप्पल रखना है, इसकी सूचना आप अखबार में कैसे दोगे? इस सूचना का प्रारूप तैयार करें।

10. तरसेम चन्द्र, मकान नम्बर 4243, सेक्टर 42, चण्डीगढ़ में रहता है। उसका पुत्र तथा उसकी पत्नी उसके कहने से बाहर है वह उन्हें अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है। इस सूचना का प्रारूप तैयार करें।

11. बोर्ड की परीक्षा के लिए कल प्रातः 10.00 बजे फार्म भरे जायेंगे। यह कार्यक्रम प्रातः ठीक दस बजे आरम्भ हो जायेगा। जो छात्र बिना पूर्व-सूचना के कल फार्म नहीं भरेंगे, उन्हें विलम्ब फ़ीस देनी होगी। इस सूचना का प्रारूप तैयार करें।

12. महेश चंद जो कि अमृतसर निवासी मकान नम्बर 237, तिलक नगर में रहते हैं, उनका सूटकेस दिनांक 26.07.2013 को पेट्रोल पम्प के पास से गुम हो गया है। इस सूचना का प्रारूप तैयार करें।

13. आपका नाम मुकेश वर्मा है। आपके 'माँ सरस्वती विद्यालय' जगाधरी के बारहवीं कक्षा के विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण हेतु दिनांक 14 सितम्बर, 2013 को रॉक गॉर्डन देखने चंडीगढ़ जा रहे हैं। आप स्कूल के छात्रसंघ के सचिव हैं। आप अपनी ओर से इस सम्बन्ध में एक सूचना तैयार कीजिए।

14. आपका नाम विशाल कुमार है। आप सरकारी हाई स्कूल लुधियाना में पढ़ते हैं। आप एन० एस० एस० यूनिट के मुख्य सचिव हैं। आपके स्कूल में दिनांक 25 अप्रैल, 2013 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आप अपनी तरफ से एक नोटिस तैयार करें जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों से रक्तदान के लिए अनुग्रह किया जाये।

15. आपका नाम चार्वी है। आप 'शीतल पब्लिक स्कूल' चंडीगढ़ में पढ़ती हैं। आप अपने स्कूल की वार्षिक पत्रिका की छात्र-सम्पादिका हैं। आप अपनी ओर से वर्ष 2013 की पत्रिका के लिए विद्यार्थियों से कहानियाँ, कविताएँ, लघु कथाएँ, लेख छापने हेतु उनसे रचनाएँ प्राप्त करने के लिए सूचना तैयार कीजिए।

16. सरकारी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, किशनपुरा के प्रिंसीपल की ओर से सूचनापट्ट के लिए एक सूचना तैयार करें जिसमें प्रिंसीपल की ओर से सभी अध्यापकों व छात्रों को 26 जनवरी, 2013 को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में सुबह 8 बजे स्कूल आना अनिवार्य रूप से कहा गया हो।

17. सरकारी मॉडल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, 3-बी-I, मोहाली के प्रिंसीपल की ओर से सूचना पट्ट के लिए एक सूचना तैयार करें जिसमें वर्दी न पहनकर आने वाले विद्यार्थियों को अनुशासनिक कार्यवाही के लिए कहा गया हो।

18. आपके सरकारी मॉडल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल मोहाली में वार्षिक उत्सव पर गिद्दा व भांगड़ा का आयोजन किया जा रहा है। स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्रपाल सिंह द्वारा एक सूचना तैयार कीजिए, जिसमें इच्छुक विद्यार्थियों को इनमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया हो।

19. सरकारी हाई स्कूल सेक्टर-14, चंडीगढ़ के मुख्याध्यापक की ओर से स्कूल के सूचनापट्ट (नोटिस बोर्ड) के लिए एक सूचना तैयार कीजिए, जिसमें स्कूल के सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए सेक्शन बदलने की अंतिम तिथि 03.04.2013 दी गयी हो।

20. आपका नाम प्रदीप कुमार है। आप सरकारी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल खिजरांबाद में पंजाबी के अध्यापक हैं। आप स्कूल की पंजाबी साहित्य समिति के सचिव हैं। समिति द्वारा आपके ही

स्कूल में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में आप अपनी ओर से एक सूचना तैयार कीजिए जिसमें विद्यार्थियों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

21. आपका नाम कुलविन्दर सिंह है। आप सरस्वती पब्लिक स्कूल समराला के डायरेक्टर हैं। आपके स्कूल में दिनांक 7 जुलाई, 2013 को विज्ञान प्रदर्शनी लग रही है। आप अपनी ओर से एक सूचना तैयार कीजिए जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों को इसमें भाग लेने के लिए कहा गया हो।

22. आपका नाम जगदीश सिंह है। आप सरकारी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल रोपड़ के ड्रामा क्लब के डायरेक्टर हैं। आपके स्कूल में 25 दिसम्बर, 2013 को एक ऐतिहासिक नाटक का मंचन किया जाना है जिसका नाम है 'रानी लक्ष्मीबाई'। आप इस सम्बन्ध में एक सूचना तैयार करें जिसमें विद्यार्थियों को उपर्युक्त नाटक में भाग लेने के लिए नाम लिखवाने के लिए कहा गया हो।

23. आपका नाम निधि है। आप सरकारी सेकेण्डरी स्कूल जींद में पढ़ती हैं। आप छात्र संघ की सचिव हैं। आपके स्कूल की ओर से बिहार में आए भयंकर भूकम्प के लिए अनुदान राशि का संग्रह किया जा रहा है। छात्र संघ की सचिव होने के नाते इस सम्बन्ध में एक सूचना तैयार कीजिए।

24. आपका नाम विनोद मेहरा है। आप 'सरस्वती विद्या मंदिर' स्कूल में पढ़ते हैं। आप स्कूल के क्लब के सांस्कृतिक सचिव हैं। आपके स्कूल द्वारा एक 'युवा उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। आप सचिव होने के नाते विद्यालय के विद्यार्थियों को इस 'युवा उत्सव' में भाग लेने के लिए एक सूचना तैयार करके लिखिए।

25. आपका नाम मनोज कुमार है। आप सरकारी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल पालमपुर में इतिहास के प्राध्यापक हैं। आप आगरा तथा फतेहपुर सीकरी के भ्रमण के लिए विद्यार्थियों का एक दल लेकर जा रहे हैं। इस सम्बन्ध में एक सूचना तैयार करें, जिसमें छात्रों को इस भ्रमण में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

26. आपका नाम सत्यजीत है। आप नेहरू पब्लिक स्कूल, गुड़गाँव में बारहवीं कक्षा में पढ़ते हैं। स्कूल के पुस्तकालय से आपको एक बटुआ प्राप्त हुआ है। इस सम्बन्ध में विद्यालय के सूचना पट्ट पर एक सूचना लगाएँ जिसमें बटुए के मालिक को अपना बटुआ प्राप्त करने का आग्रह किया गया हो।

निबन्ध

1. विद्यार्थी और फैशन
2. इंटरनेट : आज की आवश्यकता
3. भारत में गरीबी की समस्या

4. केबल टी.वी. वरदान या अभिशाप
5. विद्यार्थियों में बढ़ती नशे की लत व समाधान
6. सैलफोन का युग (मोबाइल फोन)
7. सिफ़्ती का घर अमृतसर
8. नैतिक शिक्षा का महत्त्व
9. सत्संगति का महत्त्व
10. जीवन में शिक्षा का महत्त्व
11. मेरे बचपन की स्मृतियाँ
12. मनोरंजन के आधुनिक साधन
13. बाल मज़दूरी – समस्या और समाधान
14. भ्रष्टाचार की समस्या व समाधान
15. पर्यावरण संरक्षण

कक्षा ग्यारहवीं

विषय – हिंदी

1. कक्षा ग्यारहवीं के प्रश्न नम्बर 1 (i) संधि, (ii) वाक्य विश्लेषण/संश्लेषण तथा (iii) पारिभाषिक शब्दावली से सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री व्याकरण पुस्तक 'हिंदी भाषा बोध और व्याकरण' में समुचित व पर्याप्त रूप से दी गयी है अत: इसका प्रश्न बैंक नहीं बनाया गया। और इनसे सम्बन्धित प्रश्न बैंक बनाने की हम आवश्यकता नहीं समझते, क्योंकि व्याकरण पुस्तक में दिये गये उदाहरणों/शब्दों पर आधारित कहीं से भी प्रश्न पूछा जा सकता है।

2. कक्षा ग्यारहवीं की पाठ्य-पुस्तक हिंदी पुस्तक-11 में से प्रश्न नम्बर 2 (क) तथा (ख) प्राचीन तथा आधुनिक पद्यांशों से सम्बन्धित हैं अत: पद्यांशों से सम्बन्धित कहीं से भी प्रश्न पूछा जा सकता है, अत: इसे प्रश्न-बैंक में सम्मिलित नहीं किया गया।

3. प्रश्न-13 अनुच्छेद लेखन से सम्बन्धित है। इससे सम्बन्धित प्रश्न उपर्युक्त व्याकरण की पुस्तक में पर्याप्त रूप से दिये गये हैं। अत: इसका प्रश्न बैंक बनाने की आवश्यकता नहीं है।

4. कक्षा ग्यारहवीं का अंतिम प्रश्न-रस से सम्बन्धित है और प्रश्न-पत्र की रूपरेखा में स्पष्ट ही लिखा गया है कि कोई दो रस देकर किसी एक रस की परिभाषा व उदाहरण लिखने के लिए कहा जायेगा। अत: इसे प्रश्न बैक में सम्मिलित नहीं किया गया।

हिंदी पुस्तक – 11

(1) प्रश्न 3(क) : प्राचीन कविता से सम्बन्धित लघूत्तर प्रश्न
(ख) : आधुनिक कविता से सम्बन्धित लघूत्तर प्रश्न
(2) प्रश्न 4 : गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित प्रश्न
(3) प्रश्न 5 : निबन्धात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक हिंदी पुस्तक 11 में से)
(4) प्रश्न 6 : 'निबन्ध' भाग में से लघूत्तर प्रश्न
(5) प्रश्न 7 : 'कहानी' भाग में से लघूत्तर प्रश्न
(6) प्रश्न 8 : 'एकाँकी' भाग में से लघूत्तर प्रश्न
(7) प्रश्न 9 : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न)
(8) प्रश्न 10 : भक्तिकाल से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न
(9) प्रश्न 11 : आदिकाल व भक्तिकाल से सम्बन्धित लघूत्तर प्रश्न
(10) प्रश्न 12 : पत्र-लेखन से सम्बन्धित प्रश्न
(11) प्रश्न 14 : पंजाबी से हिंदी में अनुवाद से सम्बन्धित प्रश्न
(12) प्रश्न 15 : संक्षेपीकरण से सम्बन्धित प्रश्न।

प्रश्न 3 (क) : प्राचीन कविता से सम्बन्धित लघूत्तर प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए –

पाठ – 1 : कबीर वाणी

1. कबीर जी के अनुसार मानव को जीवन में किन-किन गुणों को अपनाना चाहिए?
2. मानव को गर्व क्यों नहीं करना चाहिए?
3. कबीर ने किस प्रकार का धन संचय करने को कहा है?
4. कबीर ने ईश्वर को माँ और स्वयं को बालक मानते हुए किस तर्क के आधार पर अपने अवगुणों को दूर करने को कहा है?
5. कबीर ने प्रभु को सर्वशक्तिमान मानते हुए क्या कहा है? रमैणी के आधार पर उत्तर दें।
6. कबीर ने रूढ़ियों का खण्डन किस प्रकार किया है?
7. कबीर जी ने संतोष रूपी धन को सबसे बड़ा क्यों बताया है?
8. प्रभु भक्ति से विमुख व्यक्ति को सुख कहाँ से प्राप्त हो सकता है?
9. मधुर वाणी का क्या महत्त्व है?
10. कबीर जी ने सत्संगति का क्या प्रभाव बताया है?

पाठ – 2 : रामराज्य वर्णन

11. श्री राम के राज्य में सामाजिक स्थिति किस प्रकार की थी?
12. रामराज्य में वनस्पति और पशु-पक्षियों की सुरक्षा का वर्णन करें।
13. रामराज्य में प्रकृति का राज्य की समृद्धि में क्या स्थान था?
14. 'चारिउ चरण धर्म जग माही' में धर्म के किन चार चरणों का वर्णन किया गया है?
15. 'दण्ड जतिन्ह कर भेद जँह, नर्तक, नृत्य समाज' में रामराज्य की किस व्यवस्था का वर्णन है?
16. गोस्वामी तुलसीदास के 'रामचरितमानस' में रामराज्य का आज की स्थिति में क्या महत्त्व है?
17. रामराज्य में लोगों का आचरण कैसा था?
18. रामराज्य के समय लोग किस प्रकार प्रकोप से बचे रहते थे?

पाठ – 3 : सवैये

19. रसखान किस देव की आराधना करना चाहते हैं और क्यों?
20. रसखान के अनुसार भवसागर को किस प्रकार पार किया जा सकता है?
21. कवि प्राण, रूप, शीश, पैर, दूध और दही की सार्थकता किसमें समझता है?

22. कवि गोकुल गाँव, नंद की धेनु, गोवर्धन पर्वत का पहाड़, कदम्ब की डालियों पर निवास क्यों करना चाहता है?

23. गोपिका पूरा स्वाँग करने को तैयार है, परन्तु बाँसुरी को होंठों से लगाना क्यों नहीं चाहती?

24. कृष्ण भक्ति सच्चे हृदय से एकाग्रचित होकर करने को क्यों कर रहे हैं?

25. गोपी श्री कृष्ण से भेंट होते अपनी सुध-बुध क्यों भूल जाती है?

26. गोपी को श्री कृष्ण से चिढ़ क्यों थी?

27. रसखान मनुष्य रूप में जन्म लेने की इच्छा क्यों रखते हैं?

पाठ – 4 : दोहे

28. मानव शरीर की नश्वरता का प्रतिपादन करते हुए रहीम ने क्या कहा है?

29. रहीम ने कुपुत्र को सदैव कुल के लिए अपमान का कारण क्यों कहा?

30. रहीम ने मनुष्य को सोच-समझकर बोलने की शिक्षा देते हुए क्या कहा है?

31. प्रेमपूर्वक खिलाए जाने वाले भोजन को रहीम ने उत्तम क्यों माना?

32. प्रभु के प्रति विनय भावना व्यक्त करते हुए रहीम ने क्या कहा?

33. रहीम के अनुसार प्रभु को किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है?

34. रहीम के अनुसार जीवन में सत्संगति का क्या महत्त्व है?

35. रहीम जी के अनुसार मनुष्य को अपनी मान-मर्यादा की रक्षा क्यों करनी चाहिए?

36. श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत हाथ पर क्यों उठा लिया था?

37. रहीम जी ने मछलियों की दीन अवस्था का वर्णन कैसे किया है?

पाठ – 5 : पदावली

38. गुरु तेग बहादुर जी के अनुसार गुरमुख में कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

39. 'कहु नानक प्रभु बिरद पछानउ तब हउ पतित तरउ' का भावार्थ स्पष्ट करें।

40. गुरु जी ने नाम सिमरन पर बल क्यों दिया है?

41. पाठ्य पुस्तक में संकलित पदों के आधार पर गुरु तेग बहादुर जी की भक्ति-भावना का वर्णन करें।

42. गुरु तेग बहादुर जी ने अपने पदों में सांसारिक नश्वरता का संकेत किया है, स्पष्ट करें।

43. गुरु जी ने सांसारिक विषय-विकारों से सदैव दूर रहने के क्या-क्या उपदेश दिए हैं?

44. गुरु तेग बहादुर जी ने प्रभु से अपने आपको शरण में लेने की प्रार्थना क्यों की है?

45. मनुष्य जन्म सब प्राणियों में से श्रेष्ठ क्यों माना जाता है?

प्रश्न 3 (ख) : आधुनिक कविता से सम्बन्धित लघूत्तर प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए –

पाठ – 6 : पवन दूत

1. श्री कृष्ण के वियोग में राधा की व्यथा का चित्रण करें।
2. पवन ने आकर राधा के दु:ख को किस प्रकार कम किया?
3. राधा ने पवन को दूत बनाकर क्यों भेजा?
4. राधा ने पवन को श्री कृष्ण का परिचय किस प्रकार दिया?
5. मुरझाये फूल, फूले कमल दल और मलिन लतिका जैसा उपमानों के द्वारा राधा ने अपनी व्यथा किस प्रकार व्यक्त की?
6. 'पवन दूत' कविता का केन्द्रीय भाव लिखें।
7. श्री कृष्ण के वियोग में राधा प्रत्येक दिन कैसे व्यतीत करती थीं?
8. राधा ने पवन के हाथ क्या संदेश भेजा?
9. राधा पवन को श्री कृष्ण की रूप आकृति से परिचित कैसे करवाती है?
10. राधा जी वायु को मथुरा जाने के रास्ते का वर्णन किस प्रकार करती हैं?

पाठ – 7 : तोड़ती पत्थर
जागो फिर एक बार

11. कविता के आधार पर पत्थर तोड़ने वाली युवती का चित्रांकन करें।
12. 'तोड़ती पत्थर' कविता में कवि ने ग्रीष्म ऋतु का वर्णन किस प्रकार किया है?
13. कर्म में लीन होते हुए पत्थर तोड़ने वाली युवती के मन में क्या-क्या विचार आये?
14. 'सवा-सवा लाख पर एक को चढ़ाऊँगा', यह पंक्ति किसने कही और कवि इसके माध्यम से क्या कहना चाहता है?
15. 'सिंहनी' और 'मेषमाता' के उदाहरण के द्वारा कवि ने क्या संदेश दिया है?
16. 'जागो फिर एक बार' कविता का केन्द्रीय भाव लिखें।

पाठ – 8 : वीरों का कैसा हो बसंत,
ठुकरा दो या प्यार करो

17. कवयित्री ने 'हिमाचल' की पुकार, 'उद्धि' की गर्जन से किस ओर संकेत किया है?
18. वीरांगना अपने मन में चिन्तित क्यों हो रही है?
19. कवयित्री अतीत से क्या पूछना चाहती है?
20. हल्दीघाटी और सिंहगढ़ का दुर्ग किन वीरों की स्मृतियाँ जगाना चाहता है?

21. 'वीरों का कैसे हो वसन्त' कविता का केन्द्रीय भाव लिखें।

22. कवियों की कलम पर अंकुश क्यों लगा हुआ था?

23. धनी लोग परमात्मा की उपासना किस प्रकार करते हैं?

24. 'धूप, दीप, नैवेद्य नहीं, झाँकी का शृंगार नहीं' में कवयित्री का वास्तव में किस ओर संकेत है?

25. समर्पण की निष्कपट भावना का चित्रण 'ठुकरा दो या प्यार करो' कविता में हुआ है। - स्पष्ट करें।

26. 'ठुकरा दो या प्यार करो' कविता का भावार्थ लिखें।

पाठ – 9 : मानव

27. 'मानव' कविता में दिनकर जी ने ईश्वर से क्या प्रार्थना की है?

28. कवि के अनुसार आज मानव उन्नति के किस शिखर तक पहुँच चुका है?

29. कवि ने मानव को मानवता का घोर अपमान क्यों कहा है?

30. कवि के अनुसार मानव का श्रेय किसमें निहित है?

31. 'मानव' कविता का केन्द्रीय भाव लिखें।

32. मानव कविता में मनुष्य के व्यवहार का चित्रण कैसे किया है?

33. रामधारी सिंह दिनकर ने सच्चे मानव के क्या अर्थ बताएँ हैं?

34. कवि विश्व शान्ति हेतु प्रार्थना द्वारा भावों को कैसे व्यक्त कर रहा है?

पाठ – 10 : ऐ वीरो, भारतवर्ष के

35. कवि ने किन भेड़ियों को मज़ा चखाने की बात कही है?

36. बन्दा बैरागी और गुरु गोबिंद सिंह की वीरता से क्या प्रेरणा मिलती है?

37. हम प्यार बुद्ध से करते हैं, पर नहीं युद्ध से डरते हैं - का भाव स्पष्ट करें।

38. आज़ाद, भगत, वल्लभ और सुभाष कौन थे और उन्होंने भारतवर्ष के लिए क्या सपना देखा था?

39. ऐ वीरो, भारतवर्ष के कविता का केन्द्रीय भाव लिखें।

40. कवि भारतवासियों को आज़ादी की रक्षा के लिए सावधान क्यों कर रहे हैं?

41. केसर की हँसती फुलवारी पर आग न बरसाने पाए - का भाव अर्थ स्पष्ट कीजिए।

पाठ – 11 : कहाँ तो तय था?

42. हिंदी गज़ल को नई अभिव्यक्ति देना दुष्यन्त कुमार के काव्य की विशेषता है। 'कहाँ तो तय था' गज़ल के आधार पर स्पष्ट करें।

43. 'कहाँ तो तय था' गज़ल में कवि ने मानवीय पीड़ा को यथार्थ के धरातल पर प्रस्तुत किया है, स्पष्ट करें।

44. 'कहाँ तो तय था' कविता का केन्द्रीय भाव लिखें।

45. 'कहाँ तो तय था' गज़ल में कहीं निराशा दिखाई देती है तो कहीं आशा की किरण, स्पष्ट करें।

46. 'कहाँ तो तय था' गज़ल से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

47. 'तेरा निज़ाम' में किसे सम्बोधित किया गया है?

48. गज़ल में सत्तापक्ष ने जनता से क्या-क्या वायदे किए थे?

49. गज़ल में गुलमोहर के वृक्ष का क्या भाव लिया गया है?

50. कहाँ दरख्तों के साए में धूप लगती है - का भाव बताएँ।

पाठ – 12 : वारिसनामा स्वराज के लिए बहे लहू का

51. 'वारिसनामा' किसे कहते हैं? युवा पीढ़ी की विरासत क्या है?

52. स्वराज के लिए बहे लहू का स्वरूप क्या है?

53. स्पष्ट कीजिए कि यह कविता भारत छाप विश्व मानव की छवि है।

54. हुसैनीवाला के समीप भारत पाक सीमा पर खड़ा स्मारक, आज की पीढ़ी को क्या कहता है?

55. देशभक्तों की समाधियाँ हमें क्या स्मरण करवाती हैं?

56. तुम्हीं में खोया हुआ चन्द्रगुप्त छिपा है - का भाव स्पष्ट कीजिए।

57. संकट है घर में, संकट है बाहर - पंक्ति का भाव स्पष्ट करें।

58. कवि ने भारतवासियों में जन्म से ही किन-किन गुणों को उत्तराधिकार के रूप में स्वीकृत किया है।

पाठ – 13 : बुद्धम् शरणम् गच्छामि

59. 'जो किसी भी पंक्ति में शामिल नहीं है' में कवि ने किन लोगों की ओर इशारा किया है? उनके लिए कवि ने क्या प्रार्थना की है?

60. पक्षियों के लिए कवि क्या कामना करता है?

61. सदियों पुरानी हमारी विरासत से जुड़े शब्दों से कवि का क्या अभिप्राय है?

62. 'बुद्धम् शरणम् गच्छामि का अनहदनाद एक बार फिर से प्राणों में गूँजे' - का आशय स्पष्ट करें।

63. बुद्धम् शरणम् गच्छामि कविता का केन्द्रीय भाव लिखें।

64. 'बुद्धम् शरणम् गच्छामि' में कवि ने भगवान से लोगों के लिए कैसी कामना की है?

पाठ – 14 : पिघलती साँकलें,

तुम – हम

65. पिघलती सांकलें कविता में भावों की उदात्तता एवं तीव्रता है - स्पष्ट करें।

66. आज का मानव किन-किन बेड़ियों में बँधा हुआ है?

67. 'पिघलती सांकलें' कविता का केन्द्रीय भाव लिखें।

68. 'तुम-हम' कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट करें।

69. कवयित्री ने अपने आपको किसकी प्रतिच्छाया कहा है और क्यों?

70. कवयित्री आज भी अपनी माँ की गोद में क्यों सोना चाहती है?

प्रश्न – 4 : निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

पाठ – 15 : भारत की सांस्कृतिक एकता

1. हमारी राष्ट्रीयता को चुनौती देने के निमित्त उत्तर-दक्षिण, अवर्ण-सवर्ण, हिन्दू-मुसलमान-सिक्ख-ईसाई-जैन के भेद खड़े करके हमारी संगठित इकाई को क्षति पहुँचाई गई। भाषा का भी बवंडर उठाया गया ताकि आपसी झगड़ों और भेद-भाव में हमारी शक्ति का ह्रास हो और विदेशी शासकों का राज्य अटल बना रहे।

2. भेदों के अस्तित्व से इंकार करना मूर्खता होगी और उनकी उपेक्षा करना अपने को धोखा देना होगा। हमारे समाज में भेद और अभेद दोनों ही हैं। हमारे पूर्व शासकों ने अपने स्वार्थवश हमारे भेदों को अधिक विस्तार दिया और जिससे हमारे देश में फूट की बेल पनपे और इस भेद-नीति से उनका उल्लू सीधा हो। हमारे अभेदों की उपेक्षा की गई या उनको नगण्य समझा गया। इसमें हीनता की मनोवृत्ति पैदा की गई।

3. राजनीति की अपेक्षा धर्म और संस्कृति मनुष्य के हृदय के अधिक निकट है। यद्यपि राजनीति का सम्बन्ध भौतिक सुख-सुविधाओं से है फिर भी जनसाधारण जितना धर्म से प्रभावित होता है उतना राजनीति से नहीं। हमारी भारतीय धर्मों में भेद होते हुए भी उनमें एक सांस्कृतिक एकता है, जो उनके अविरोध की परिचायक है।

4. प्राचीन काल में भारतीय धर्म और साहित्य ने राष्ट्रीय एकता का पाठ पढ़ाया है। सभी काव्य-ग्रन्थ, चाहे वे उत्तर के हों चाहे दक्षिण के, रामायण और महाभारत को अपना प्रेरणा-स्रोत बनाते रहे हैं। संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश के आम्नाय और काव्य-ग्रन्थ उत्तर-दक्षिण में समान रूप से मान्य हैं। कालिदास के 'रघुवंश' और भवभूति के 'उत्तर रामचरित' में उत्तर और दक्षिण के प्राकृतिक दृश्यों का बड़ी रसमयता के साथ वर्णन आया है।

5. हमारा एक जातीय व्यक्तित्व है। वह हमारी जातीय मनोवृत्ति, जीवन मीमांसा, रहन-सहन, रीति-रिवाज़, उठने-बैठने के ढंग, चाल-ढाल, वेश-भूषा, साहित्य, संगीत और कला में

अभिव्यक्त होता है। विदेशी प्रभाव पड़ने पर भी वह बहुत अंशों में अक्षुण्ण बना हुआ है, वहीं हमारी एकता का मूल सूत्र है।

पाठ – 16 : युवाओं से

6. भारतवर्ष का पुनरुत्थान होगा, पर वह शारीरिक शक्ति से नहीं, वरन् आत्मा की शक्ति द्वारा। वह उत्थान विनाश की ध्वजा लेकर नहीं, वरन् शांति और प्रेम की ध्वजा से होगा।

7. केवल वही व्यक्ति सबकी सेवा उत्तम रूप से कर सकता है, जो पूर्णतय: नि:स्वार्थी है, जिसे न तो धन की लालसा है, न कीर्ति की और न किसी अन्य वस्तु की ही। मनुष्य जब ऐसा करने में समर्थ हो जायेगा, तो वह भी एक बुद्ध बन जायेगा और उसके भीतर से ऐसी शक्ति प्रकट होगी, जो संसार की अवस्था को सम्पूर्ण रूप से परिवर्तित कर सकती है।

8. तुम लोग ईश्वर की संतान हो, अमर आनंद के भागी हो, पवित्र और पूर्ण आत्मा हो। अतएव तुम कैसे अपने को ज़बरदस्ती दुर्बल कहते हो? उठो, साहसी बनो, वीर्यवान होओ। सब उत्तरदायित्व अपने कंधे पर लो– यह याद रखो कि तुम स्वयं अपने भाग्य के निर्माता हो। तुम जो कुछ बल या सहायता चाहो, सब तुम्हारे ही भीतर विद्यमान है।

9. उठो जागो, स्वयं जागकर औरों को जगाओ। अपने नर–जन्म को सफल करो। ''उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधित– उठो, जागो और तब तक रुको नहीं, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाय।''

10. जो अपने आप में विश्वास नहीं करता, वह नास्तिक है। प्राचीन धर्मों ने कहा है, वह नास्तिक है जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता। नया धर्म कहता है, वह नास्तिक है जो अपने आप में विश्वास नहीं करता।

11. मैं तो सिर्फ उस गिलहरी की भाँति होना चाहता हूँ जो श्री रामचन्द्र जी के पुल बनाने के समय थोड़ा बालू देकर अपना भाग पूरा कर संतुष्ट हो गयी थी। यही मेरा भी भाव है।

12. मेरे मित्रों पहले मनुष्य बनिए, तब आप देखेंगे कि वे सब बाकी चीजें स्वयं आपका अनुसरण करेंगी।

पाठ – 17 : स्त्री के अर्थ – स्वातन्त्र्य का प्रश्न

13. अर्थ सदा से शक्ति का अंध अनुगामी रहा है। जो अधिक सबल था उसने सुख के साधनों का प्रथम अधिकारी अपने आपको माना और अपनी इच्छा और सुविधा के अनुसार ही धन का विभाजन करना कर्त्तव्य समझा।

14. आदिम युग से सभ्यता के विकास तक स्त्री सुख के साधनों में गिनी जाती रही। उसके लिए परस्पर संघर्ष हुए, प्रतिद्वन्द्विता चली, महाभारत रचे गए और उसे चाहे इच्छा से हो और चाहे अनिच्छा से, उसी पुरुष का अनुगमन करना पड़ता रहा जो विजयी प्रमाणित हो सका। पुरुष ने उसके अधिकार अपने सुख की तुलना पर तोले, उसकी विशेषता पर नहीं।

15. समाज में पूर्ण स्वतंत्र तो कोई हो ही नहीं सकता, क्योंकि सापेक्षता ही सामाजिक सम्बन्ध का मूल है। प्रत्येक व्यक्ति उसी मात्रा में दूसरे पर निर्भर है, जिस मात्रा में दूसरा उसकी अपेक्षा रखता है। पुरुष स्त्री भी इसी अर्थ में अपने विकास के लिए एक दूसरे के सहयोग की अपेक्षा रखते हैं, इसमें सन्देह नहीं।

16. जीवन के विकास में दूसरों से सहायता लेना बुरा नहीं, परन्तु किसी को सहायता दे सकने की क्षमता न रखना अभिशाप है। सहयात्री वे कहे जाते हैं, जो साथ चलते हैं, कोई अपने बोझ को सहयात्री कहकर अपना उपहास नहीं करा सकता। भारतीय पुरुष ने स्त्री को या तो सुख के साधन के रूप में पाया या भार रूप में।

17. सारी राजनीतिक, सामाजिक तथा अन्य व्यवस्थाओं की रूप-रेखा शक्ति द्वारा ही निर्धारित होती रही और सबल की सुविधानुसार ही परिवर्तित और संशोधित होती गई, इसी से दुर्बल को वही स्वीकार करना पड़ा जो सुगमतापूर्वक मिल गया। वही स्वाभाविक भी था।

18. मातृत्व की गरिमा से गुरु और पत्नीत्व के सौभाग्य से ऐश्वर्यशालिनी होकर भी भारतीय नारी अपने व्यावहारिक जीवन में सबसे अधिक क्षुद्र और रंक कैसे रह सकी, यही आश्चर्य है। समाज ने उसे पुरुष की सहायता पर इतना निर्भर कर दिया कि उसके सारे त्याग, सारा स्नेह और सम्पूर्ण आत्म-समर्पण बन्दी के विवश कर्त्तव्य के समान जान पड़ने लगे।

19. शताब्दियाँ की शताब्दियाँ आती-जाती रहीं, परन्तु स्त्री की स्थिति की एकरसता में कोई परिवर्तन नहीं हो सका। किसी भी स्मृतिकार ने उसके जीवन की विषमता पर ध्यान देने का अवकाश नहीं पाया, किसी भी शास्त्रकार ने पुरुष से भिन्न करके उसकी समस्या को नहीं देखा।

पाठ – 18 : भीड़ में खोया आदमी

20. किसी तरह खिड़की से बाहर कूदा तो क्या देखता हूँ, पूरी ट्रेन की छत यात्रियों से भरी पड़ी है। सोचता हूँ, अपने प्राणों को भीषण संकट में डाल कर ट्रेन की छत पर यात्रा करने के लिए लोग क्यों मज़बूर हुए? इन लोगों को रेल के नियम, व्यवस्था अनुशासन का ध्यान क्यों नहीं है?

21. भाई साहब, इतने बड़े परिवार में हर रोज़ कोई न कोई बीमार रहता ही है। डॉक्टर को दिखाने अस्पताल गई थी। मगर अस्पतालों में आजकल रोगी और उनके सम्बन्धी मधुमक्खी के छत्ते की तरह डॉक्टर को घेरे रहते हैं। वह भी अच्छी तरह किस-किस को देखे!

22. पहले ग्राहक का स्वागत होता था, उसे भी चिरौरी-सी करनी पड़ती है फिर भी समय पर काम नहीं होता। दुकानें पहले से कहीं अधिक खुल गई हैं लेकिन ग्राहकों की बढ़ती हुई भीड़ के लिए वे अब भी कम पड़ रही हैं।

23. ऐसा लगता है कि यदि समय रहते हमारा देश अब भी नहीं चेता और श्यामला बाबू की तरह परिवार बढ़ाता गया तो वह दिन दूर नहीं जब वह स्वर्ग इस भीड़ में और इससे पैदा होने वाली समस्याओं में पूरी तरह खो जाएगा।

24. घर बच्चों की भीड़ है। यह भीड़ भले ही हमें अच्छी लगती हो लेकिन जब तक बच्चों के पालन-पोषण की रहन-सहन की, शिक्षा-दीक्षा की पूरी सुव्यवस्था न हो, यह भीड़ दु:खदायी बन जाती है।

25. ''माँ, जल्दी से एक कप चाय बना दो। आज पूरा दिन राशन की दुकान पर लग गया। इतनी भीड़ थी कि लाइन खत्म होने को ही नहीं आती थी। फिर भी पूरा सामान नहीं मिल पाया।''

पाठ – 19 : रसायन और हमारा पर्यावरण

26. हम रसायनों के युग में रह रहे हैं। हमारे पर्यावरण की सारी वस्तुएँ और हम सब, रासायनिक यौगिक के बने हैं। हवा, मिट्टी, पानी, खाना, वनस्पति और जीव-जन्तु ये सब अजूबे जीवन की रासायनिक सच्चाई ने पैदा किए हैं। प्रकृति में सैकड़ों, हज़ारों रासायनिक पदार्थ हैं। रसायन न होते तो धरती पर जीवन भी नहीं होता।

27. मनुष्य और रसायन-उद्योग ने रसायन के तात्कालिक उग्र खतरे को पहचानने की दिशा में अच्छा काम किया है और जनता तथा उन कर्मचारियों को, जो काम के दौरान रसायनों के सम्पर्क में रहते हैं, रसायनों के कुप्रभाव से बचने के लिए आवश्यक एतिहायाती कदम उठाए गए हैं।

28. रसायन हमारी आवश्यकता हैं। ये हमारे पर्यावरण में हमेशा मौजूद हैं जो सूक्ष्म अथवा लेशमात्र भी 'अर्थपूर्ण' हो सकते हैं। इन लेश रसायनों के बारे में हमें अधिक जानने की ज़रूरत है।

29. कैंसर बहुत भयानक रोग है। कहा जाता है कि कैंसर अधिकतर पर्यावरणीय रसायनों के प्रति उद्‌भासन के कारण होता है। यह तथ्य है या यूँ ही उड़ाई गई बात? कैंसर से सम्बन्धित आंकड़े आज विश्वसनीय हैं। ऐसी रिपोर्ट भी मौजूद है जो संकेत देती है कि कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। किन्तु अन्य रिपोर्ट के अनुसार कैंसर के मामले कम होते जा रहे हैं। पिछले 25 वर्षों से पेट के कैंसर के मामले में कमी आई है किन्तु फेफड़ों का कैंसर बड़ा है।

30. रसायनों के बारे में, समाज के प्रति उसके लाभों और खतरों के बारे में कौन तय करे? इस सम्बन्ध में व्यक्तिगत और सामाजिक दृष्टिकोण हैं। जो आदमी सिगरेट पीता है या शराब का सेवन करता है और अपनी सेहत के प्रति लापरवाह है, जोखिमों के सम्बन्ध में वह अपना ही निर्णय ले रहा है। दूसरी ओर सामाजिक निर्णय सरकार को लेने होते हैं किन्तु सरकार विज्ञान से लेकर सामान्य बुद्धि तक, सभी उपलब्ध सूचनाओं का उपयोग करके यह निर्णय किस प्रकार ले? रसायनों के इस्तेमाल पर सरकारी निर्णय, कानून और नियम बढ़ते जा रहे हैं, क्योंकि जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा सरकार पर कानूनी उत्तरदायित्व है।

पाठ – 20 : एक मिलियन डालर दृश्य

31. एक जगह तो पर्वत से पत्थर और चट्टानें गिरने से एक नदी का जल मार्ग ही रुन्ध गया था और एक छोटी-सी झील बन गई थी। फिर पानी के तेज़ प्रवाह से यह प्राकृतिक बाँध स्वयं ही टूट गया और जलाशय खाली हो गया।

32. सोलन नगर के बीचों बीच शिमला जाने वाली सड़क है। घर, बाज़ार, कॉलेज़, दफ़्तर, सिनेमा और होटल सब इसी सड़क के किनारे स्थित हैं। बाज़ार के बीच में ही बस अड्डा भी है। इसलिए हर समय बाज़ार में भीड़ रहती है।

33. पर्वतीय दृश्य बहुत मनोहर है। ढलानें पेड़ों और हरी घास से ढकी हैं और धीरे-धीरे ऊँचाई बढ़ने से वनस्पति और ढलानों की हरीतिमा की चादर के रंगों में भी परिवर्तन आता जाता है।

34. ऐसा लगता था कि आज की रात आकाश के सारे सितारे धरती पर उतर आए हों। हमारे इतने समीप। केवल एक खड्ड भर की दूरी थी। अन्धेरे में खड्ड भी तो दिखाई नहीं देती। सारी दूरी मिट जाती थी। वे सब और समीप आ गए थे हमारे। जैसे हम उन्हें हाथों से छू सकते थे। दीप्यमान सहस्त्रों सितारे रंग-बिरंगे मोतियों की तरह झिलमिला रहे थे।

35. क्या आज आकाशलोक में कोई विशेष समारोह है जो ये सब धरती से आकाश तक पर्वत की ढलानें सहस्त्रों जगमगाते हीरे-मोतियों, मणियों और मूंगों से जड़ी हैं। अथवा रात्रि देवी के लम्बे काले केशों में यह कोई रत्नजड़ित मालाएँ हैं जिनके हीरे मोती जगमगा कर अन्धकार को और भी गहरा कर देते हैं।

पाठ – 21 : शहीद सुखदेव

36. तब लाला जी अक्सर कहते, ''यह लड़का दूसरे रास्ते गया। अब अपना नहीं रहा।''

37. ''मैं अंग्रेज़ को किसी भी कीमत पर सलामी नहीं दूँगा।''

38. इस बैठक में कुछ महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर सर्वसम्मति से फैसले लिये गए, जिनमें सबसे पहला फैसला सुखदेव, भगत सिंह आदि के सुझाव पर यह लिया गया कि सभी क्रांतिकारी संगठनों की एक केन्द्रीय समिति निर्मित की गई तथा दल को नया नाम दिया गया- 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी'। इसका उद्देश्य केवल आज़ादी की लड़ाई तक ही सीमित न मानकर आज़ादी के बाद समाज से शोषण की प्रक्रिया को समाप्त करना भी स्वीकार किया गया।

39. पंजाब की 'नौजवान भारत सभा' को संगठन की केन्द्रीय समिति ने निर्देश दिया कि पंजाब का दौरा कर रहे साइमन कमीशन के सदस्यों के विरोध में प्रदर्शन करें। फलस्वरूप 20 अक्टूबर, 1928 को लाहौर स्टेशन पर बहुत भारी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्रित हुए। इनका नेतृत्व बुज़ुर्ग नेता पंजाब केसरी लाला लाजपतराय के हाथ में था।

40. ''देख माँ रानी लक्ष्मीबाई की तस्वीर! इसने अंग्रेज़ों से लोहा लिया था न? इसकी बहादुरी तो देखो? एक हाथ में तलवार और एक हाथ में घोड़े की लगाम संभाले, पीठ पर बच्चा बाँधकर यह कितनी बहादुरी से लड़ी होगी? मैं भी ऐसा ही बनूँगा।''

पाठ – 22 : विज्ञापन युग

41. परिणाम यह है कि अब मेरे लिए कोई गज़ल-गज़ल नहीं रही, कोई गीत-गीत नहीं रहा, सब किसी-न-किसी चीज़ का विज्ञापन बन गए हैं। दिन भर ये गीत और विज्ञापन मेरा पीछा करते रहते हैं। पहले बहुत मीठे गले से 'रहना नहिं देश विराना है' की लय और उसके तुरन्त बाद-क्या आपके शरीर में खुजली होती है? खुजली का नाश करने के लिए एक ही राम बाण औषधि हैं.....कर लें भगत कबीर क्या करते हैं।

42. कोई चीज़ ऐसी नहीं जो किसी न किसी चीज़ का विज्ञापन न हो। अजन्ता के चित्र और एलोरा की मूर्तियाँ कभी अछूती कला का उदाहरण रही होंगी, परन्तु आज उस कला को एक नयी सार्थकता प्राप्त हो गई है।

43. दफ़्तर की नई टाइपिस्ट रोज़ी का समूचा व्यक्तित्व मुझे लाल रंग की लिपिस्टिक का विज्ञापन प्रतीत होता है और किसी के कहिएगा नहीं, पर हालत यहाँ तक पहुँच गई है कि अब मैं खुद आइने के सामने खड़ा होता हूँ तो लगता है कि अपना चेहरा नहीं सिल्वर सॉल्ट का विज्ञापन देख रहा हूँ।

44. कश्मीर की सारी पार्वत्य सुषमा, वहाँ की नवयुवतियों का भाव सौन्दर्य और वहाँ के कारीगरों की दिन-रात की मेहनत, ये सब इस बात को विज्ञापित करने के लिए हैं कि सफेद रंग का वह शहद जो बन्द डिब्बों में मिलता है, सबसे अच्छा शहद है।

45. विधना ने इतनी बारीकबीनी से यह जो धरती बनाई है, और मनुष्य ने विज्ञान के आश्रय से उसमें जो चार चाँद लगाए हैं, वे इसलिए कि विज्ञापन कला के लिए उपयुक्त भूमि प्रस्तुत की जा सके। उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तक कोई कोना ऐसा न बचा होगा जिसका किसी-न-किसी चीज़ के विज्ञापन के लिए उपयोग न किया जा रहा हो। हर चीज़ हर जगह अपने अलावा किसी भी चीज़ और किसी भी जगह का विज्ञापन हो सकती है।

46. विज्ञापन-कला जिस तेज़ी से उन्नति कर रही है, उससे मुझे भविष्य के लिए और भी अंदेशा है। लगता है, ऐसा युग आने वाला है जब शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और साहित्य, इनका केवल विज्ञापन-कला के लिए ही उपयोग रह जायेगा। वैसे तो आज भी इस कला के लिए इनका खासा उपयोग होता है। मगर आनेवाले युग में यह कला, दो कदम और आगे बढ़ जायेगी। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के दीक्षांत महोत्सव पर जो डिग्रियाँ दी जायेंगी उनके निचले कोने में छपा रहेगा- ''आपकी शिक्षा के उपयोग का एक ही मार्ग है। आज ही आयात-निर्यात का धंधा प्रारम्भ कीजिए। मुफ़्त सूची के लिए लिखिए।''

47. मुझे यह कहते हुए हार्दिक प्रसन्नता है कि मेरे प्रयत्न की सफलता का सारा श्रेय रबड़ के टायर बनाने वाली कम्पनी को है, क्योंकि उन्हीं के प्रोत्साहन और प्रेरणा से मैंने इस दिशा में

कदम बढ़ाया था'' विष्णु के मंदिर खड़े होंगे, जिनमें संगमरमर की सुंदर प्रतिमा के नीचे पट्टी लगी होगी- ''याद रखिए, इस मूर्ति और इस भवन के निर्माण का श्रेय लाल हाथी के निशान वाले निर्माताओं को है।

कहानी भाग

पाठ – 23 : प्रेरणा

48. मैं कदाचित स्वभाव से ही निराशावादी हूँ। अन्य अध्यापकों को मैं सूर्य प्रकाश के विषय में चिंतित न पाता था। मानो ऐसे लड़कों का स्कूल में आना कोई नई बात, मगर मेरे लिए एक विकट रहस्य था। अगर यही ढंग रहे, तो एक दिन वह जेल में होगा या पागलखाने में।

49. उसकी झिझक तो क्षमा योग्य थी, पर मेरा अवरोध अक्षम्य था। सम्भव था, उस करुणा और ग्लानि की दिशा में मेरी दो-चार निष्कपट बातें तो उसके दिल पर असर कर जाती, मगर इन्हीं खोए हुए अवसरों का नाम तो जीवन है।

50. मैं सिद्धान्त रूप से अनिवार्य शिक्षा का विरोधी हूँ। मेरा विचार है कि प्रत्येक मनुष्य को उन विषयों में ज्यादा स्वाधीनता होनी चाहिए, जिसका उससे निज का सम्बन्ध है। मेरा विचार है कि यूरोप में अनिवार्य शिक्षा की ज़रूरत है, भारत में नहीं। भौतिकता पश्चिमी सभ्यता का मूल तत्त्व है। वहाँ किसी काम की प्रेरणा आर्थिक लाभ के आधार पर होती है। ज़िन्दगी की ज़रूरतें ज्यादा हैं, इसलिए जीवन-संग्राम भी अधिक भीषण है।

51. भारतीय जीवन में सात्विक सरलता है। हम उस वक़्त तक अपने बच्चों से मज़दूरी नहीं कराते जब तक परिस्थिति हमें विवश न कर दे। दरिद्र से दरिद्र हिन्दुस्तानी मज़दूर भी शिक्षा के उपकारों का कायल है। उसके मन में यह अभिलाषा होती है कि मेरा बच्चा चार कक्षा पढ़ जाए। इसलिए नहीं कि उसे कोई अधिकार मिलेगा, बल्कि केवल इसलिए कि विद्या मानव शील का शृंगार है।

52. नए स्थान की नई चिंताओं ने बहुत जल्दी मुझे अपनी ओर आकर्षित कर लिया। पिछले दिनों की याद एक हसरत बनकर रह गई। न किसी का कोई ख़त आया, न मैंने कोई ख़त लिखा। शायद दुनिया का यही दस्तूर है।

53. आप सीढ़ियों पर पाँव रखे बगैर छत की ऊँचाई तक नहीं पहुँच सकते। सम्पत्ति की अट्टालिका तक पहुँचने में दूसरी ज़िन्दगी ही जीनों का काम देती है। आप उन्हें कुचलकर ही लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं। वहाँ सौजन्य और सहानुभूति का स्थान ही नहीं। मुझे ऐसा मालूम होता है कि उस वक़्त मैं हिंसक जंतुओं से घिरा हुआ था और मेरी सारी शक्तियाँ अपनी आत्मरक्षा में लगी रहती थीं। यहाँ मैं अपने चारों और संतोष और सरलता देखता हूँ।

पाठ – 24 : उसकी माँ

54. उन्होंने पाकेट से डायरी निकाली, डायरी से एक तस्वीर। बोले, ''देखिए इसे, ज़रा बताइए तो, आप पहचानते हैं इसको?'' ''हाँ पहचानता तो हूँ।'' ज़रा सहमते हुए मैंने बताया।

55. ''माँ!'' वह मुस्कराया, ''अरे, हमें तो हलवा खिला-खिलाकर तूने गधे-सा तगड़ा कर दिया है, ऐसा कि फाँसी की रस्सी टूट जाए और हम अमर के अमर बने रहें। मगर तू स्वयं सूख कर काँटा हो गई है! क्यों पगली, तेरे लिए घर में खाना नहीं है क्या?''

56. ''तुम्हारी ही बात सही, तुम षड्यंत्र में नहीं, विद्रोह में नहीं, पर यह बक-बक क्यों? इससे फायदा? तुम्हारी इस बक-बक से न तो देश की दुर्दशा दूर होगी और न उसकी पराधीनता। तुम्हारा काम पढ़ना है, पढ़ो। इसके बाद कर्म करना होगा, परिवार और देश की मर्यादा बचानी होगी। तुम पहले अपने घर का उद्धार तो कर लो, तब सरकार के सुधार का विचार करना।''

57. ''एक ने उत्तेजित भाव से कहा, 'अजी, ये परदेसी कौन लगते हैं हमारे, जो बरबस राजभक्त बनाए रखने के लिए हमारी छाती पर तोप का मुँह लगाए अड़े और खड़े हैं। उफ! इस देश के लोगों के हिये की आँखें मूँद गई हैं। तभी तो इतने जुल्मों पर भी आदमी आदमी से डरता है। ये लोग शरीर की रक्षा के लिए अपनी-अपनी आत्मा की चिता सँवारते फिरते हैं। नाश हो इस परतंत्रतावाद का!'

58. ''चाचा जी, नष्ट हो जाना तो यहाँ का नियम है। जो सँवारा गया है, वह बिगड़ेगा ही। हमें दुर्बलता के डर से अपना काम नहीं रोकना चाहिए। कर्म के समय हमारी भुजाएँ दुर्बल नहीं, भगवान की सहस्र भुजाओं की सखियाँ हैं।''

59. ''दूसरे ने कहा, 'लोग ज्ञान न पा सकें, इसलिए इस सरकार ने हमारे पढ़ने-लिखने के साधनों को अज्ञान से भर रखा है। लोग वीर और स्वाधीन न हो सकें, इसलिए अपमानजनक और मनुष्यताहीन नीति-मर्दक कानून गढ़े हैं। गरीबों को चूसकर, सेना के नाम पर पले हुए पशुओं को शराब से, क़बाब से, मोटा-ताज़ा रखती है यह सरकार। धीरे-धीरे जोंक की तरह हमारे देश का धर्म, प्राण और धन चूसती चली जा रही है यह शासन-प्रणाली!''

60. न जाने कहाँ से, पुलिस वालों ने ऐसी-ऐसी चीज़ें हमारे घरों से पैदा कर दी हैं। वे लड़के केवल बातूनी हैं। हाँ, मैं भगवान का चरण छूकर कह सकती हूँ, तुम जेल में जाकर देख आओ, वकील बाबू। भला, फूल-से बच्चे हत्या कर सकते हैं?''

61. ''माँ!'' उसके लाल ने कहा, ''तू भी जल्द वहीं आना जहाँ हम लोग जा रहे हैं। यहाँ से थोड़ी ही देर का रास्ता है, माँ!'' एक साँस में पहुँचेगी। वहीं हम स्वतन्त्रता से मिलेंगे, तेरी गोद में खेलेंगे। तुझे कंधे पर उठाकर इधर से उधर दौड़ते फिरेंगे। समझती है? वहाँ बड़ा आनन्द है।''

पाठ – 25 : सेब और देव

62. बाला को वहाँ खड़े देखकर उसके पैरों के पास बहते झरने का शब्द सुनते हुए उन्हें पहले तो एक हंसिनी का ख्याल आया, फिर सरस्वती का। यद्यपि बाला के हाथ में वीणा नहीं, एक छोटी-सी छड़ी थी। उन्होंने अपने स्वर को यथासम्भव कोमल बनाकर पूछा- ''तुम कहाँ रहती हो?''

63. प्रोफैसर साहब मुस्करा कर आगे चल दिए। बालिका का भोलापन उन्हें अच्छा लगा। सोचने लगा- ''कितने सीधे-सादे सरल स्वभाव के होते हैं यहाँ के लोग! प्रकृति की सुखद गोद में खेलते हुए इन्हें न फिक्र है, न खटका है, न लोभ-लालच है। अपने खाने-पीने, ढोर चराने, गाने नाचने में दिन बिता देते हैं। तभी तो बाहर से आने वाले आदमी को देखकर संकोच होता है। अपने आप में लीन रहने वाले इन भोले प्राणियों को बाहर वालों से क्या सरोकार!''

64. ''पाजी कहीं का चोरी करता है! तेरे जैसों के कारण तो पहाड़ी लोग बदनाम हो गए। क्यों चुराए ये सेब? यहाँ तो पैसे के दो मिलते होंगे, एक पैसे के खरीद लेता। ईमान क्यों बिगाड़ता है?''

65. पुजारी ने थोड़ी देर सोच कर कहा- ''और तो कोई नहीं, इस चोटी के ऊपर जंगल में एक देवी का स्थान है। वहाँ पहले कभी एक किला भी था, जिसके अन्दर देवी के थान में पूजा होती थी, पर अब तो उसके कुछ पत्थर ही पड़े हैं। वहाँ कोई जाता नहीं। अब उसमें भूत बसते हैं।''

66. ''बाबू जी, यहाँ तो लोग मन्दिर देखने आते नहीं। कभी कोई आता है तो मनुरिसि का मन्दिर देखा जाता है, बस और वो हम जानते नहीं।''

67. जब देवी का स्थान और उसके ऊपर खड़े दोनों पेड़ों की फुनगी तक आँखों की ओट हो गई, तब उन्होंने रुक कर बूट पहने और फिर धीरे-धीरे उतरते हुए ऐसा मार्ग खोजने लगे, जिससे गाँव में से होकर न जाना पड़े; शिखर के दूसरे मुख से ही वे उतर सकें।

68. अंधेरा होते-होते वे मन्दिर पर पहुँचे। किवाड़ एक ओर पटक कर उन्होंने मूर्ति को यथास्थान रखा। लौटकर चलने लगे तो आसपास के वृक्ष अंधेरे में और भयानक हो गए। सुनसान ने उन्हें फिर सुझाया कि वे एक निधि को नष्ट कर रहे हैं, लेकिन जाने क्यों उनके मन में शान्ति उमड़ आई। उन्हें लगा कि दुनिया बहुत ठीक है, बहुत अच्छी है।

पाठ – 26 : मज़बूरी

69. ''देख नर्बदा, मेरे रामेसुर के लिए कुछ मत कहना। यह तो मैं जानती हूँ कि तीन-तीन बरस मुझसे दूर रहकर उसके दिन कैसे बीतते हैं, पर क्या करे, नौकरी तो आखिर नौकरी ही है। मेरे पास आज लाखों का धन होता तो बेटे को यों नौकरी करने परदेश नहीं दुरा देती, पर--'' और उनके कुछ क्षण पहले पुलकते चेहरे पर मायूसी छा गई। आँखें अनायास ही डबडबा आईं।

70. झेंपते हुए बहू ने उत्तर दिया, ''यह भी कोई लिखने की बात थी अम्मा!'' फिर जरा रुकते-रुकते कहा, मानो कहने का साहस बटोर रही हो, ''अम्मा, उस बार बेटू को आप ही रखेंगी। जैसे भी हो मैं यहाँ हूँ तब तक उसे अपने से हिला लीजिए। मैं तो इसके मारे ही परेशान थी, दो-दो को तो.....''

71. हे भगवान, तुम्हारी सब साध पूरी हों, तुम बड़भागी होओ। मेरे इस सूने घर में एक बच्चा रहेगा तो मेरा जन्म सफल हो जायेगा।'' फिर वे एकाएक रो पड़ीं, ''तुम क्या जानो बहू! अपने कलेजे के टुकड़े को निकाल कर बम्बई भेज दिया। रामेसुर के बिना यह घर तो मसान जैसा लगता है।

72. देख रामेसुर, यह तीन-तीन बरस तक घर का मुँह न देखने वाली बात अब नहीं चलेगी। साल में एक बार तो आ ही जाया कर मेरे लाल! नौकरी की जगह नौकरी है, और माँ-बाप की जगह माँ-बाप! मेरी तबीयत भी ठीक नहीं रहती, किसी दिन भी आँख मूंदी रह जायेगी तो मैं तेरी सूरत को भी तरस जाऊँगी। सो कम से कम अपनी इस बुढ़िया माँ को.....'' पर आगे वे कुछ नहीं कह सकीं, बस फूट-फूट कर रोने लगीं।

73. ''नहीं रहेगा तो थोड़े दिन रो लेगा, आखिर उसकी पढ़ाई का सिलसिला भी तो जमाना है अम्मा! देखो, पप्पू स्कूल जाने लगा और यह अभी तुम्हारा पल्ला पकड़े-पकड़े ही घूमता है।''

एकांकी भाग

पाठ – 33 : अधिकार का रक्षक

74. ''ठीक-ठीक! अपने खूब कहा, खूब कहा आपने। वास्तव में मैंने अपना समस्त जीवन पीड़ितों, पददलितों और गिरे हुओं को ऊपर उठाने में लगा दिया है। बच्चों को ही लीजिए, हमारे घरों में उनकी दशा कैसी शोचनीय है? उनके लालन-पालन और शिक्षा-दीक्षा की पद्धति कितनी पुरानी, ऊल-जलूल और दकियानूसी है? उनके स्वास्थ्य की ओर कितना कम ध्यान दिया जाता है और अनुचित दबाव में रखकर उन्हें कितना डरपोक और भीरु बनाया जाता है? उन्हें.....''

75. सच है बाबूजी, गरीब लाख ईमानदार हो तो भी चोर है, डाकू है। और अमीर यदि आँखों में धूल झोंक कर हज़ारों पर हाथ साफ कर जाय, चन्दे के नाम पर सहस्त्रों.....

76. क्या कहा? आज ही लोगे। अभी लोगे! जा, नहीं देते। एक कौड़ी भी नहीं देते। निकल जा यहाँ से, जा, जाकर पुलिस में रिपोर्ट कर दे। पाजी, हरामखोर, सूअर! आज तक सब्ज़ी में, दाल में, सौदा सुलुफ में, यहाँ तक कि बाज़ार से आने वाली हर चीज़ में पैसे खाता रहा, हमने कभी कुछ नहीं कहा और अब यों अकड़ता है। जा, निकल जा। जाकर अदालत में मामला चला दे। चोरी के अपराध में छः महीने के लिए जेल न भिजवा दूँ, तो नाम नहीं।

77. ''हाँ, आपकी यह माँग सोलह आने ठीक है। मैं असेम्बली में इस माँग का समर्थन करूँगा। सप्ताह में 42 घंटे काम की माँग कोई अनुचित नहीं। आखिर मनुष्य और पशु में कुछ तो अन्तर होना चाहिए। तेरह-तेरह घंटे की ड्यूटी। भला काम की कुछ हद भी है!''

78. कैसी मूर्खों की सी बातें करते हो जी। छः महीने में पाँच रुपये वृद्धि तो सरकार के घर में भी नहीं मिलती। वैसे आप काम छोड़ना चाहें तो शौक से छोड़ दें। एक नहीं दस आदमी मिल जायेंगे।

79. जिन लोगों का मन बूढ़ा हो चुका है वे नवयुवकों का प्रतिनिधित्व क्या खाक करेंगे? युवकों को तो उस नेता की आवश्यकता है जो शरीर से चाहे बूढ़ा हो चुका हो, पर जिसके विचार बूढ़े न हों, जो रिफॉर्म से खौफ़ न खाये, सुधारों से कन्नी न कतराये।

80. आपके पास हमारी बात सुनने के लिए कभी वक़्त होता भी है! मारने और पीटने के लिए जाने कहाँ से समय निकल आता है?

81. लो देख लो। वही सन्नाटा। वही अर्जियों का ढेर, वही बदइन्तज़ामी, जैसे इस घर में इन्सान नहीं, भूत रहते हैं। दीवाली का दिन है, लेकिन यहाँ मनहूसियत ही बिखरी हुई है। वे भी तो नहीं है घर में। गई होगी कहीं, पड़ोस में बतियाने और यह विवेक है, फिर अर्ज़ियाँ फाड़कर चारों ओर बिखेर गया है। यह भी तो नहीं हुआ रद्दी की टोकरी में ही डाल दें।

82. ये तो दीप्ति और विवेक हैं। सदा की तरह दोनों लड़ते हुए आ रहे हैं और हाँ, विवेक को समझा देना कि वह अपनी अर्ज़ियाँ सम्भालकर रखा करे। वह उनके सहारे जी सकता है, लेकिन मैं उन्हें नहीं सम्भाल सकती। यह घर है कि अर्ज़ीखाना। अच्छा, मैं चली। पूजा करनी हो, तो जल्दी आ जाना।

83. चरित्र से, व्यापार का नैतिकता से, विज्ञान का मानवीयता से और पूजा का त्याग से क्या सम्बन्ध है?

84. आप हमारे पिता हैं, इसमें कोई संदेह नहीं! लेकिन इसलिए ही आप हमें नहीं रोक रहे हैं। आप हमें इसलिए रोक रहे हैं कि आप हमें पैसे देते हैं। पिता तो आप शरद, इन्दु, मनीषा सभी के हैं। उन्हें रोक सके आप? मैं आप पर आश्रित हूँ, लेकिन गुलाम नहीं।

85. चरित्र, चरित्र, चरित्र (तीव्र होकर) आपने चरित्रवान होकर हमें क्या दिया, पापा आपके रास्ते पर चल कर बस मैं अर्ज़ियाँ लिखना ही सीख सका हूँ जिसने आपका रास्ता छोड़ा, उसने ही सफलता प्राप्त की। विमल भैया कनाडा में ऐश करते हैं। शरत भैया अपना जीवन जी रहे हैं। यहाँ तक कि इन्दु जीजी भी अपना सुखी जीवन बिता रही है। और जिन दीपक भैया को आप चरित्रहीन कहते हैं, वे मंत्री बनने वाले हैं, तब आपके चरित्र को लेकर मैं उसे ओढ़ूं या बिछाऊँ।

86. और वह मुसलमान भी कैसा है? नमाज़ तक नहीं पढ़ता। देश के नेता कहते नहीं थकते कि आने वाली संतति को भेद की ये दीवारें तोड़ डालनी चाहिए। लेकिन जब हम उन दीवारों को तोड़ते हैं तो यही नेता पिता बन कर हमें रोकते हैं। नेता और पिता। एक ही आदमी के दो मुखौटे हैं।

87. कर्त्तव्य के जो अर्थ आप हमें समझाना चाहते हैं, उसका अर्थ तो बैसाखी ही है, लेकिन मैं नहीं बनूँगा किसी की बैसाखी। टूट जाऊँगा, पर उपदेश नहीं सुनूँगा। सब कुछ तोड़कर रख दूँगा। जला दूँगा.....।

निबन्ध भाग

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए–

पाठ – 15 : भारत की सांस्कृतिक एकता

1. भारत में जाति, भाषा और धर्मगत विभिन्नता होते हुए भी सांस्कृतिक एकता किस प्रकार बनी हुई है? निबन्ध के आधार पर उत्तर दें।
2. 'भारत की सांस्कृतिक एकता' निबन्ध का सार लिखें।
3. भारत की सांस्कृतिक एकता में अनेकता कैसे निहित है? पाठ के आधार पर वर्णन कीजिए।
4. प्राचीन काल से ही भारतीयों को राष्ट्रीय एकता का पाठ पढ़ाया है, व्याख्या कीजिए।
5. भारत की राष्ट्रीय एकता निबन्ध से हमें क्या शिक्षा मिलती है। प्रमाणित करें?

पाठ – 16 : युवाओं से

6. स्वामी विवेकानन्द ने देश के नवयुवकों को कौन-कौन से गुण विकसित करने के लिए प्रेरित किया है?
7. भारतवर्ष के राष्ट्रीय आदर्श कौन-कौन से हैं? स्वामी जी ने उन आदर्शों की क्या व्याख्या की है?
8. स्वदेश भक्ति का स्वामी जी ने क्या अर्थ स्पष्ट किया है?
9. 'युवाओं से' निबन्ध का शीर्षक कहाँ तक सार्थक है? स्पष्ट करें।
10. 'शक्ति के सदुपयोग में ही परम सुख है', 'युवाओं से' निबन्ध के आधार पर व्याख्या कीजिए।

पाठ – 17 : स्त्री के अर्थ – स्वातन्त्र्य का प्रश्न

11. सामाजिक व्यवस्था में स्त्री और पुरुष के अधिकारों में विषमता क्यों नहीं मिट सकती? पाठ के आधार पर उत्तर दें।
12. 'आर्थिक दृष्टि से स्त्री की स्थिति में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हो सका?' लेखिका के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं? अपने विचार स्पष्ट करें।
13. 'नारी जाति की स्थिति में निरन्तर होने वाले सुधारों का ऐतिहासिक क्रम में उल्लेख करते हुए' वर्तमान स्थिति में लेखिका द्वारा दिए सुझावों से आप कहाँ तक सहमत हैं? स्पष्ट करें।
14. 'स्त्री के अर्थ-स्वातन्त्र्य का प्रश्न' निबन्ध का सार अपने शब्दों में लिखें।
15. लेखिका 'स्त्री के अर्थ-स्वातन्त्र्य का प्रश्न' निबन्ध के उद्देश्य को स्पष्ट करने में कहाँ तक सफल रही हैं?
16. माता का दर्ज़ा प्राप्त होने पर भी भारतीय नारी यथार्थ जीवन में तुच्छ और निर्धन कैसे रही हैं?

17. अर्थ सदा ही शक्ति का अनुगामी रहा है वह सुख साधनों का अधिकारी स्वयं को मानता है, इस सन्दर्भ में लेखिका का मत व्यक्त करें।

पाठ – 18 : भीड़ में खोया आदमी

18. 'भीड़ में खोया आदमी' निबन्ध में लेखक ने आम आदमी की समस्याओं को उठाया है। स्पष्ट करें।

19. इस निबन्ध में लेखक ने सभी समस्याओं का मूल जनसंख्या की वृद्धि बताया है। क्या आप इससे सहमत हैं? अपने विचारों की पुष्टि के लिए उदाहरण दें।

20. 'भीड़ में खोया आदमी' निबन्ध के नामकरण की सार्थकता को स्पष्ट करें।

21. 'भीड़ में खोया आदमी' निबन्ध में वर्णित समस्याओं से हमें क्या सीखना चाहिए, उदाहरण सहित उत्तर लिखिए।

22. भीड़ के कारण हमारे दैनिक जीवन में क्या-क्या प्रभाव पड़े हैं, निबन्ध के आधार पर वर्णन करें।

पाठ – 19 : रसायन और हमारा पर्यावरण

23. रसायन हमारी आवश्यकता हैं। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से उदाहरण देते हुए स्पष्ट करें।

24. ''रसायन का ज़रूरत से अधिक और ग़लत उपयोग हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकता है।'' पाठ से उदाहरण देकर इस तथ्य को सिद्ध करें।

25. ''रसायन और हमारा पर्यावरण'' निबन्ध का सार लिखें।

26. रसायन विकास एवं विनाश को कैसे प्रभावित कर रहे हैं, निबन्ध के आधार पर व्याख्या कीजिए।

पाठ – 20 : एक मिलियन डालर दृश्य

27. 'एक मिलियन डालर दृश्य' में पर्वतीय सौन्दर्य का अनूठा वर्णन है, लेख के आधार पर उत्तर दें।

28. 'एक मिलियन डालर दृश्य' निबन्ध का सार लिखें।

29. चण्डीगढ़ से शिमला तक की यात्रा का वर्णन 'एक मिलियन डालर दृश्य' निबन्ध के आधार पर करें।

30. शिमला से किन्नौर तक की यात्रा का वर्णन 'एक मिलियन डालर दृश्य' निबन्ध के आधार पर कीजिए।

31. आकाश लोक में कोई समारोह हो रहा है, इस सन्दर्भ में लेखक के भाव स्पष्ट कीजिए।

पाठ – 21 : शहीद सुखदेव सिंह

32. 'क्रांतिकारी इतिहास में सुखदेव का महत्त्व किसी भी प्रकार कम करके नहीं आँका जा सकता।' लेखक के इस कथन के आधार पर सुखदेव के गुण लिखें।

33. सुखदेव की राष्ट्रवादी सोच पर किन-किन व्यक्तियों ने अपना गहरा प्रभाव दिखाया। पाठ के आधार पर उत्तर दें।

34. 'शहीद सुखदेव' निबन्ध का सार लिखें।

35. सुखदेव सिंह बचपन से ही दृढ़ स्वभाव के थे, विवेचन कीजिए?

36. 'शहीद सुखदेव सिंह' निबन्ध के आधार पर पारिवारिक संस्कारों और आर्य समाज द्वारा सुखदेव पर पड़े प्रभावों का वर्णन करें।

पाठ – 22 : विज्ञापन युग

37. 'विज्ञापन युग' निबन्ध में लेखक ने विज्ञापन कला पर करारा व्यंग्य किया है, निबन्ध के आधार पर उत्तर दें।

38. 'विज्ञापन युग' निबन्ध का सार लिखें।

39. ''आज विज्ञापन कला इतनी विकसित हो गई है कि कोई भी चीज़ ऐसी नहीं जिसका विज्ञापन न हो'', निबन्ध के सन्दर्भ में इन पंक्तियों की व्याख्या करें?

40. विज्ञापन कला जिस तेज़ी से उन्नति कर रही है, लेखक उससे भविष्य में कैसे-कैसे अंदेशे अनुभव करता है, वर्णन कीजिए।

पाठ – 23 : प्रेरणा

41. 'प्रेरणा' कहानी मानव-मन की सूक्ष्म वृत्तियों का खुलासा करती है - कैसे? तर्कसंगत उत्तर दीजिए?

42. 'प्रेरणा' कहानी में समकालीन व्यवस्था में फैली भ्रष्टता का अमानवीय चेहरा दिखाया गया है-कैसे? युक्तियुक्त उत्तर दीजिए।

43. 'प्रेरणा' कहानी के आधार पर सूर्यप्रकाश और उसके अध्यापक (कथा-वाचक) का चरित्र-चित्रण कीजिए।

44. 'प्रेरणा' कहानी के शीर्षक के औचित्य पर विचार कीजिए।

45. सूर्यप्रकाश ने अपने अध्यापक को अपनी सफलता का रहस्य किस प्रकार वर्णित किया? वर्णन करें।

46. अध्यापक (कथावाचक) को प्रिंसीपल के पद का कैसा अनुभव रहा?

पाठ – 24 : उसकी माँ

47. 'उसकी माँ' कहानी का सार लिखें।

48. सरलता, ममता, त्याग और तपस्या की सजीव मूर्ति के आधार पर लाल की माँ का चरित्र चित्रण कीजिए।

49. लाल को एक साथी ने खाना खाते समय लाल की माँ के व्यक्तित्व का विवरण किस प्रकार किया, वर्णन करें।

50. 'उसकी माँ' कहानी राष्ट्रीय भावना से पूर्णतः ओतप्रोत है। स्पष्ट करें।

पाठ – 25 : सेब और देव

51. 'सेब और देव' कहानी का सार लिखिए।

52. 'सेब और देव' कहानी में प्राकृतिक सुंदरता तथा वहाँ के लोगों के रहन-सहन तथा सादगी का चित्रण बड़े स्वाभाविक ढंग से किया गया है। स्पष्ट करें।

53. 'सेब और देव' कहानी के आधार पर वर्णन करें कि प्रोफैसर को मनु-मन्दिर और देवी मन्दिर देखने का कैसा अनुभव रहा?

54. कुल्लू प्रेम का ही नहीं, मानव प्रेम का संसार है, इस सन्दर्भ में कुल्लू की सुन्दरता का वर्णन करें।

पाठ – 26 : मज़बूरी

55. 'मज़बूरी' कहानी में बदलते ज़माने के दबावों से परिचित नई पीढ़ी व उससे बेखबर-पुरानी पीढ़ी के द्वन्द्व को उजागर किया गया है, क्या आप इस कथन से सहमत हैं? क्यों?

56. 'मज़बूरी' कहानी के आधार पर महानगरीय जीवन व ग्रामीण जीवन का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करें।

57. 'मज़बूरी' कहानी के शीर्षक के औचित्य पर विचार करें।

58. 'मज़बूरी' कहानी के आधार पर बूढ़ी अम्मा का चरित्र-चित्रण करें।

59. 'मज़बूरी' कहानी' में अम्मा ने बेटू को अपने पास रखकर उसका पालन-पोषण कैसे किया? वर्णन करें।

60. अम्मा और उसकी बहू की क्या मज़बूरी है? लेखक उसे इस कहानी में दिखाने में कहाँ तक सफल हुआ है? वर्णन करें।

एकांकी भाग

पाठ – 13 : अधिकार के रक्षक

61. 'अधिकार का रक्षक' एकांकी का सार लिखें।

62. 'अधिकार का रक्षक' एकांकी जन प्रतिनिधियों की कथनी और करनी में व्याप्त अन्तर स्पष्ट करता है। स्पष्ट करें।

63. 'अधिकार का रक्षक' - एकांकी में अधिकार का रक्षक कौन है? क्या वह वास्तव में अधिकारों का रक्षक है?

64. 'अधिकार का रक्षक' एक सफल रंगमचीय एकांकी हैं। सिद्ध करें।

65. 'अधिकार का रक्षक' के आधार पर मिस्टर सेठ का चरित्र चित्रण करें।

66. 'अधिकार का रक्षक' के आधार पर भगवती का चरित्र चित्रण करें।

67. 'अधिकार का रक्षक' के आधार पर रामलखन का चरित्र चित्रण करें।

68. 'अधिकार का रक्षक' एकांकी में श्रीमती सेठ और सेठ के बीच बच्चों के प्रति हुई नोंक-झोंक का वर्णन करें?

69. 'अधिकार का रक्षक' एकांकी में सेठ जी बच्चों और हरिजनों की सुरक्षा में क्या-क्या कहते हैं? और स्वयं उनसे कैसा व्यवहार करते हैं?

पाठ – 34 : टूटते परिवेश

70. 'टूटते परिवेश' एकांकी में एक मध्यवर्गीय परिवार को टूटते हुए दिखाकर प्राचीन और नवीन पीढ़ी के सम्बन्ध को व्यक्त किया है। स्पष्ट करें।

71. 'टूटते परिवेश' एकांकी का सार लिखें।

72. 'टूटते परिवेश' के आधार पर विश्वजीत का चरित्र-चित्रण करें।

73. 'आज की नारी स्वतन्त्रता की सीमा लांघ रही है।' एकांकी के आधार पर उत्तर दें।

74. अपने अधिकारों की आड़ में नई पीढ़ी धर्म, सभ्यता, संस्कृति, नैतिकता, सच्चरित्रता का मज़ाक उड़ाती है। क्यों?

75. 'टूटते परिवेश' के आधार पर विवेक का चरित्र चित्रण करें।

76. 'टूटते परिवेश' के आधार पर दीप्ति का चरित्र चित्रण करें।

77. 'टूटते परिवेश' के आधार पर करुणा का चरित्र चित्रण करें।

निबन्ध भाग

प्रश्न – 6 : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दें –

पाठ – 15 : भारत की सांस्कृतिक एकता

1. विरोधी लोग भारत को उप-महाद्वीप क्यों कहते हैं?

2. 'समाज में भेद और अभेद दोनों हैं' लेखक के इस कथन का क्या अभिप्राय है?

3. पंचशील से क्या अभिप्राय है?

4. धर्म और संस्कृति को लेखक ने हृदय के निकट स्वीकार किया है। निबन्ध के आधार पर उत्तर दें।

5. भारत की सांस्कृतिक एकता में सिक्ख गुरुओं का क्या योगदान है?

6. मुसलमान और ईसाई धर्म की भारतीय धर्मों से क्या समानता है?

7. हिन्दू तीर्थाटन में राष्ट्रीय भावना कैसे निहित है?

8. भाषागत समानता से आप क्या समझते हो?

पाठ – 16 : युवाओं से

9. स्वामी विवेकानन्द किस प्रकार का संगठन करना अपना ध्येय मानते थे?

10. 'उठो, जागो और तब तक रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाये', स्वामी जी के इस उद्‌बोधन का भाव समझायें।

11. नास्तिक व्यक्ति की स्वामी जी ने क्या व्याख्या की है?

12. स्वामी जी ने नवयुवकों को शारीरिक दृष्टि से मज़बूत बनने की सलाह क्यों दी है?

13. धर्म के सम्बन्ध में स्वामी जी के क्या विचार थे?

14. किस प्रकार की शिक्षा जीवन और चरित्र का निर्माण कर सकती है? स्पष्ट करें।

15. स्वार्थ रहित सेवा संसार में परिवर्तन कैसे कर सकती है?

16. 'युवाओं से' निबन्ध में भाग्य के निर्माता के सम्बन्ध में स्वामी जी क्या विचार हैं, स्पष्ट करें।

पाठ – 17 : स्त्री के अर्थ – स्वातन्त्र्य का प्रश्न

17. लेखिका ने समाज की व्यवस्था में साम्य न आ सकने का क्या कारण बताया है? स्पष्ट करें।

18. वैदिक समाज में स्त्री की उन्नत स्थिति का क्या कारण था?

19. 'स्त्री को पिता की सम्पत्ति से वंचित करने में क्या उद्देश्य रहा होगा?' पाठ के आधार पर उत्तर दें।

20. 'प्राचीन समाज में स्त्री के स्वतन्त्र अस्तित्व की कभी चिन्ता ही नहीं की गई।' इसका क्या कारण था?

21. आर्थिक पराधीनता व्यक्ति के व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव डालती है?

22. सापेक्षता ही सामाजिक सम्बन्ध का मूल है – भारतीय समाज में स्त्री – पुरुष का सम्बन्ध कहाँ तक सापेक्ष है? पाठ के आधार पर उत्तर दें।

23. लेखिका ने सामाजिक व्यवस्था में धन को महत्त्व क्यों दिया है?

पाठ – 18 : भीड़ में खोया आदमी

24. रेल में यात्रा करते समय लेखक को किन – किन समस्याओं का सामना करना पड़ा?

25. दीनानाथ को नौकरी न मिलने का क्या कारण था?

26. श्यामलाकांत ने शहर में मकान न मिलने का मुख्य कारण क्या बताया?

27. श्यामलाकांत का परिवार अस्वस्थ क्यों रहता था?

28. लेखक ने अपने इस निबन्ध में बढ़ती हुई भीड़ का समाधान क्या बताया है?

29. 'भीड़ में खोया आदमी' निबन्ध में जनसंख्या वृद्धि को रोकने की चेतावनी देने को क्यों कहा गया है?

पाठ – 19 : रसायन और हमारा पर्यावरण

30. रसायनों के तात्कालिक खतरे कौन से हैं?

31. रसायनों के दीर्घकालिक प्रभाव क्या हैं? उदाहरण देकर उत्तर दें।

32. रसायनों के प्रयोग में नियंत्रण व निर्णय में सरकार की क्या भूमिका हो सकती है? स्पष्ट करें।

33. पर्यावरण को रसायनों से होने वाली हानि से कैसे बचाया जा सकता है? स्पष्ट करें।

34. रसायनों के प्रभाव से फेफड़ों का कैंसर दिनों-दिन कैसे बढ़ता जा रहा है?

पाठ – 20 : एक मिलियन डालर दृश्य

35. लेखक ने एक मिलियन डालर दृश्य किसे कहा है?

36. कालका से शिमला जाने का रेल यात्रा के अनुभव के बारे में 'एक मिलियन डालर दृश्य' निबन्ध के आधार पर लिखें।

37. तारा देवी के मोड़ से निकलने पर शिमला नगर की बिजली की बत्तियों के सौन्दर्य का वर्णन लेखक ने किस प्रकार किया है?

38. शिमला से वापस आते हुए चंडीगढ़ की बत्तियों के दृश्य का वर्णन करें।

39. निबन्धकार सोलन में रात्रि के समय जगमगाती बत्तियों के दृश्य को देखकर मन्त्र-मुग्ध क्यों हो उठा?

40. शिमला से लौटते समय कालका के जगमगाते रूप को देखकर लेखक को कौन-कौन से दृश्यों की याद आती है?

पाठ – 21 : शहीद सुखदेव सिंह

41. सुखदेव का बचपन कहाँ बीता? उन्होंने कहाँ-कहाँ शिक्षा प्राप्त की?

42. दीपावली पर झाँसी की रानी की तस्वीर खरीदने पर उन्होंने अपनी माँ से क्या कहा? इससे उनके चरित्र की किस विशेषता का पता चलता है?

43. 'शहीद सुखदेव' निबन्ध के आधार पर उनके द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों का उल्लेख करें।

44. स्कूल में आये अंग्रेज़ अफसर को उन्होंने सलामी क्यों नहीं दी?

45. लाहौर के नेशनल कॉलेज में पढ़ते हुए सुखदेव का सम्पर्क किन-किन क्रांतिकारियों से हुआ? इससे उनके दृष्टिकोण में क्या परिवर्तन आया?

46. 'नौजवान भारत सभा' की स्थापना का क्या उद्देश्य था?

47. क्रान्तिकारियों की बैठक में कौन-कौन से महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए?

48. लाला लाजपत राय की मृत्यु का बदला लेने में सुखदेव की भूमिका क्या थी?

49. दिल्ली असेम्बली में बम फेंकने की योजना क्यों बनाई गई?

50. सुखदेव की गिरफ्तारी कैसे हुई? उन्हें फाँसी क्यों दी गई?

पाठ – 22 : विज्ञापन युग

51. विज्ञापन ने व्यक्तिगत जीवन में किस प्रकार प्रवेश कर लिया है? पाठ के आधार पर उत्तर दें।

52. लेखक के अनुसार ऐतिहासिक महत्त्व की कलाकृतियों को नयी सार्थकता कैसे प्राप्त हुई है?

53. हर चीज़, हर जगह अपने अलावा किसी भी चीज़ और किसी भी जगह का विज्ञापन हो सकती है। लेखक के इस कथन में निहित व्यंग्य को स्पष्ट करें।

54. शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और साहित्य जैसे क्षेत्रों में विज्ञापन कला ने अपनी धाक किस प्रकार जमा ली है?

55. लेखक ने विज्ञापन कला पर कौन-कौन से तीखे व्यंग्य किये हैं?

कहानी भाग

प्रश्न – 7 : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दें–

पाठ – 23 : प्रेरणा

1. सूर्यप्रकाश ने मोहन की देखभाल के लिए क्या-क्या प्रयास किए?

2. कथा-वाचक (अध्यापक) को गाँव में रहने पर कैसा अनुभव हुआ?

3. इस कहानी में शिक्षा से होने वाले कौन-कौन से लाभों का उल्लेख किया गया है?

4. 'प्रेरणा' कहानी में कथा-वाचक ने इस्तीफा क्यों दिया?

5. कहानी के आधार पर सूर्यप्रकाश द्वारा की गई शरारतों की सूची बनाइए।

6. अध्यापक सूर्यप्रकाश को सही राह पर लाने में असफल क्यों रहा?

7. छात्र को सफल होने के लिए वास्तविक प्रेरणा कहाँ से मिलती है?

पाठ – 24 : उसकी माँ

8. पुलिस सुपरिटेंडेंट के पूछने पर लेखक ने लाल के परिवार के बारे में उन्हें क्या बताया?

9. पुलिस सुपरिटेंडेंट ने लेखक को लाल से सावधान और दूर रहने का सुझाव क्यों किया?

10. लाल और उसके साथियों को पैरवी करने के लिए कोई भी वकील क्यों नहीं मिला?

11. लाल की माँ सभी युवकों को लाल की तरह ही क्यों मानती थी?

12. लड़कों ने माँ से अपनी फाँसी की सजा की बात क्यों छिपाई?

13. 'उसकी माँ' कहानी में लाल और उसके साथियों से आज के नवयुवकों को क्या प्रेरणा मिलती है?

14. 'उसकी माँ' कहानी के शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

15. लाल की माँ जानकी ने लड़कों की मण्डली को दिए सहयोग का वर्णन करें।

पाठ – 25 : सेब और देव

16. प्रोफैसर ने लड़के को कितनी बार पीटा और क्यों?

17. देवमूर्ति चुराने के बाद प्रोफैसर साहब के अन्तर्द्वन्द्व का वर्णन कर बताइए कि उन्हें शांति कैसे मिली?

18. 'सेब और देव' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालें।

19. 'सेब और देव' कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

20. प्रोफैसर को लड़की का भोलापन क्यों अच्छा लगा?

21. पहाड़ी सभ्यता के प्रति प्रोफैसर का आदर भाव पहले से और अधिक बढ़ गया? अपने शब्दों में वर्णन करें।

पाठ – 26 : मज़बूरी

22. बूढ़ी अम्मा के बड़े पोते व छोटे पोते के व्यक्तित्व में क्या अंतर था?

23. इस कहानी में रामेश्वर के किस धर्मसंकट की चर्चा की गई है?

24. पोते को घर में रखने के लिए बूढ़ी अम्मा ने क्या-क्या कार्य लगन से सीखे?

25. कहानी के आरम्भ में बूढ़ी अम्मा बेटे-बहू के स्वागत के लिए क्या-क्या तैयारियाँ करती है?

26. बूढ़ी अम्मा ने गांव भर में किस बात का खूब प्रचार कर दिया था? क्यों?

27. औषधालय के नौकर शिब्बू का योगदान कैसे रहा कहानी के आधार पर उत्तर दें।

28. बेटू का अपनी माँ के पास जाकर कैसे मन लग गया?

लघु कथाएँ

पाठ – 27 : अपना – अपना दुःख

29. 'अपना-अपना दुःख' लघुकथा में पति-पत्नी का दुःख क्या है?

30. लेखक अपनी बेटी की सभी निशानियों को मिटाने का प्रयास क्यों करता है?

31. 'अपना-अपना दुःख' लघुकथा रिश्तों की संवेदनशीलता से जुड़ी है-आप इससे कहाँ तक सहमत हैं?

पाठ – 28 : अटूट बंधन

32. 'अटूट बंधन' के आधार पर नीरज के अन्दर भय और अविश्वास कैसे दूर हुआ?

33. 'अटूट बंधन' मानवीय सम्बन्धों से जुड़ी लघु कथा है? - स्पष्ट करें।

पाठ – 29 : हरियाली

34. 'हरियाली' लघुकथा का विषय राष्ट्रीय महत्त्व का है- आपका इसके बारे में क्या विचार है? स्पष्ट करें।

35. 'नरेन्द्र' की चिन्ता का क्या विषय है? लेखक के घर में विदेशी ब्लेडों के प्रयोग को लेकर वह क्या कहता है?

36. लेखक के अनुसार अमीर आदमी के पड़ोसी होने का क्या फायदा है? आपका अपना इस विषय पर क्या विचार है? स्पष्ट करें।

37. ''देखा तो इन पौधों का जड़ तुम्हारे मकान की नींव को खाए जा रही हैं।'' नरेन्द्र के इन शब्दों का गहन अर्थ क्या है? स्पष्ट करें।

पाठ – 30 : जन्मदिन

38. मन्नू का जन्मदिन क्यों नहीं मनाया जाता था?

39. मन्नू की बातें सुनकर लेखक की पत्नी की आँखों में आँसू क्यों आ गए?

40. 'जन्मदिन' कथा भारतीय समाज में व्याप्त एक कुरीति की ओर संकेत करती है- क्या भारतीय समाज में लड़की के जन्म के सम्बन्ध में कुछ और भी कुरीतियाँ हैं- स्पष्ट करें।

पाठ – 31 : रिश्ते

41. ड्राइवर बस धीमी गति से क्यों चला रहा था?

42. सवारियों की झल्लाहट का क्या कारण था? स्पष्ट करें।

43. 'रिश्ते' लघुकथा मानवीय संवेदना की कहानी है - स्पष्ट करें।

पाठ – 32 : नई नौकरी

44. यशोदा अपने बेटे सुबोध का घर क्यों छोड़ आई थी?

45. सुबोध यशोदा को लेने क्यों आया था?

46. 'नई नौकरी' लघुकथा आज के टूटते परिवारों और भौतिकवादी परिवेश की कहानी है- स्पष्ट करें।

एकांकी भाग

पाठ – 33 : अधिकार के रक्षक

47. 'अधिकार के रक्षक' एकांकी का नाम कहाँ तक सार्थक है? स्पष्ट करें।

48. 'अधिकार के रक्षक' एक सफल सामाजिक व्यंग्य है। सिद्ध करें।

49. 'अधिकार के रक्षक' एकांकी में व्यंग्य के माध्यम से मानवीय एवं नैतिक मूल्यों की स्थापना का प्रयास किया गया है। स्पष्ट करें।

50. सेठ और भगवती के बीच हुई वार्तालाप का वर्णन करें।

51. सेठ जी और कॉलेज छात्रों के साथ कैसा दोगला व्यवहार करते हैं? उदाहरण सहित उत्तर दें?

पाठ – 34 : टूटते परिवेश

52. विवेक और दीप्ति अपने पिता विश्वजीत से किस प्रकार व्यवहार करते हैं?

53. विवेक विदेश क्यों जाना चाहता है?

54. 'देश के भीतर एक और देश बनाये बैठे हैं हम। भीतर के देश का नाम है स्वार्थ, जो प्रान्त, प्रदेश, धर्म और जाति-इन रूपों में प्रकट होता है।' दीप्ति के इस कथन से किस समस्या की ओर संकेत किया गया है?

55. 'स्वभाव की मज़बूरी, बच्चों को प्यार करने की मज़बूरी, इनका बाप होने की मज़बूरी, उनको खो देने पर यह आशा रखने की मज़बूरी कि एक दिन लौट आयेंगे।' इन पंक्तियों में विश्वजीत का अन्तर्द्वन्द्व स्पष्ट उभर कर आया है। स्पष्ट करें।

56. 'टूटते परिवेश' एकांकी के माध्यम से लेखक ने नयी पीढ़ी को क्या संदेश दिया है?

57. 'टूटते परिवेश' एकांकी का शीर्षक कहाँ तक सार्थक है? स्पष्ट करें।

58. विवेक के चरित्र के विषय में कैसे-कैसे विचार हैं? स्पष्ट करें।

59. विश्वजीत अपनी क्या-क्या मज़बूरियाँ बताता है? अपने शब्दों में उत्तर दीजिए।

प्रश्न – 9 : निम्नलिखित निबन्धात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए –

आदिकाल से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न

1. आदिकाल की राजनीतिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।

2. आदिकाल की सामाजिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।

3. आदिकाल की धार्मिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।

4. आदिकाल की साहित्यिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।

5. आदिकाल की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

6. आदिकालीन साहित्य में प्रयुक्त छन्दों पर टिप्पणी लिखें।

7. आदिकालीन साहित्य में भाषा के विविध रूपों पर टिप्पणी लिखें।

प्रश्न – 10 : निम्नलिखित निबन्धात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए –

भक्तिकाल से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न

1. भक्तिकाल की राजनीतिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
2. भक्तिकाल की सामाजिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
3. भक्तिकाल की धार्मिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
4. भक्तिकाल की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
5. संत काव्य की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
6. 'सूफी' शब्द का अर्थ बताते हुए सूफी काव्य की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
7. राम काव्य की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
8. कृष्ण काव्य की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
9. भक्तिकाल को हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है? अपने मत की पुष्टि के लिए तर्क दीजिए।
10. कवि कबीर का साहित्यिक परिचय दीजिए।
11. कवि तुलसीदास का साहित्यिक परिचय दीजिए।
12. कवि सूरदास का साहित्यिक परिचय दीजिए।
13. कवयित्री मीराबाई का साहित्यिक परिचय दीजिए।

आदिकाल के लघु प्रश्नोत्तर

निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ लघु प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. आदिकाल की समय-सीमा बताएँ।
2. आदिकाल को 'आदिकाल' नाम किसने दिया?
3. आदिकाल को 'चारण काल' नाम किसने दिया?
4. आदिकाल को 'संधि काल' और 'चारण काल' नाम किसने दिया?
5. आदिकाल को 'आरम्भिक काल' नाम किसने दिया?
6. आदिकाल को 'वीरगाथा काल' नाम किसने दिया?
7. आदिकाल को 'सिद्ध सामंत काल' नाम किसने दिया?
8. आदिकाल को 'बीजवपन काल' नाम किसने दिया?
9. आदिकाल को 'वीर काल' नाम किसने दिया?
10. मिश्रबन्धु विनोदग्रंथ किसने लिखा?

11. पश्चिमी हिंदी का विकास किस अपभ्रंश से माना जाता है?
12. पूर्वी हिंदी का उद्‌भव किस अपभ्रंश से माना जाता है?
13. 'अवधी बोली' का विकास किस उपभाषा से माना जाता है?
14. खड़ी बोली का विकास किस उपभाषा से माना जाता है?
15. हिंदी की कितनी उपभाषाएँ हैं?
16. हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों का काल विभाजन करके नामकरण करने वाले प्रथम इतिहासकार कौन हैं?
17. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार हिंदी का प्रथम महाकाव्य कौन-सा है?
18. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार हिंदी के प्रथम महाकवि कौन हैं?
19. हिंदी में बौद्ध धर्म की महायान शाखा के प्रचार से जुड़ा साहित्य कौन-सा है?
20. रासो ग्रन्थों में किसी एक-एक प्रसिद्ध रासो ग्रन्थ का नाम बताएँ।
21. पृथ्वीराज रासो में कितने प्रकार के छन्दों का प्रयोग हुआ है?
22. शिव से जुड़े हुए 'शैव सम्प्रदाय' का विकास किस रूप में हुआ?
23. गौरखनाथ ने किस सम्प्रदाय की स्थापना की?
24. नाथ सम्प्रदाय से जुड़े किसी एक नाथ का नाम बताएँ।
25. सिद्धों की संख्या कितनी मानी जाती है?
26. 'जैन साहित्य' के किसी एक प्रसिद्ध कवि का नाम बताएँ।
27. 'खुमान रासो' के रचनाकार का नाम बताएँ।
28. 'बीसलदेव रासो' के रचनाकार का नाम बताएँ।
29. 'हम्मीर रासो' के रचनाकार का नाम बताएँ।
30. 'परमाल रासो' के रचनाकार का नाम बताएँ।
31. 'विजयपाल रासो' के रचनाकार का नाम बताएँ।
32. 'पृथ्वीराज रासो' के रचयिता का नाम बताएँ।
33. 'पृथ्वीराज रासो' को प्रामाणिक मानने वाले किसी एक विद्वान का नाम बताएँ।
34. 'पृथ्वीराज रासो' को अप्रामाणिक मानने वाले किसी एक विद्वान का नाम बताएँ।
35. मैथिल कोकिल के नाम से प्रसिद्ध कवि कौन से हैं?
36. आदिकाल में खड़ी बोली को काव्य की भाषा बनाने वाले प्रथम कवि कौन से हैं?
37. 'कीर्तिलता' किस कवि की रचना है?
38. 'कीर्ति पताका' किस कवि की रचना है?
39. आदिकाल का आरम्भ किस शक्तिसम्पन्न हिन्दू शासक की मौत के बाद हुआ?

40. रासो के छन्द जब बदलते हैं तो श्रोता के मन में प्रसंगानुकूल नवीन कम्पन पैदा करते हैं– यह उक्ति किसने कही?
41. आदिकालीन लौकिक साहित्य की किसी एक प्रसिद्ध रचना का नाम बताएँ।
42. बौद्ध धर्म की किसी एक शाखा का नाम बताएँ।
43. आदिकालीन किसी संस्कृत कवि का नाम बताएँ।
44. जयचंद कब कन्नौज की गद्दी पर बैठा?
45. राजा भोज की आदिकालीन संस्कृत साहित्य की एक रचना का नाम बताएँ।
46. आदिकालीन मुक्त काव्य के अंतर्गत आने वाली किसी एक रचना का नाम बताएँ।
47. मैथिली भाषा का प्रयोग करने वाले कवि का नाम बताएँ।
48. अमीर खुसरो की पहेलियों और मुकरियों में किस भाषा का प्रयोग हुआ है?
49. आदिकालीन किसी शृंगारिक रचना का नाम बताएँ।
50. आदिकालीन किसी लोक काव्य का नाम बताएँ।

भक्तिकाल के लघु प्रश्नोत्तर

1. भक्तिकाल की समय–सीमा बताएँ।
2. ईस्वी सन् में कितने वर्ष जोड़ने पर विक्रमी संवत बनता है?
3. भक्तिकाल किन दो धाराओं में विभक्त हुआ है?
4. किसी एक संत कवि का नाम बताएँ।
5. 'जपुजी साहिब' किसकी रचना है?
6. 'आसा दी वार' किसकी रचना है?
7. गुरु नानकदेव जी का जन्म कब हुआ?
8. जपुजी साहिब में कितने छन्द व कितने श्लोक हैं?
9. गुरु नानक की भाषा कौन–सी है?
10. गुरु नानक की किस रचना में खड़ी बोली हिंदी का रूप भी मिलता है?
11. भक्तिकाल के किसी मुग़ल शासक का नाम बताए।
12. संत काव्य नाम किसने दिया?
13. ज्ञानमार्गी शाखा के प्रतिनिधि कवि का नाम बताएँ।
14. प्रेममार्गी शाखा के प्रतिनिधि कवि का नाम बताएँ।
15. किसी सगुण कवि का नाम बताएँ।
16. सगुण भक्तिधारा किन दो धाराओं में प्रसिद्ध हुई?

17. राम भक्तिधारा कवियों में से किसी एक का नाम बताएँ।
18. कृष्ण भक्तिधारा कवियों में से किसी एक का नाम बताएँ।
19. किसी एक सूफी कवि का नाम बताएँ।
20. 'रहिरास सोहिला' किसकी रचना है?
21. 'रामचरितमानस' किसकी रचना है?
22. 'रामचरितमानस' में कितने कांड हैं?
23. 'रामचरितमानस' के किसी पहले कांड का नाम बताएँ।
24. 'रामचरितमानस' के किसी दूसरे कांड का नाम बताएँ।
25. 'रामचरितमानस' के किसी तीसरे कांड का नाम बताएँ।
26. 'रामचरितमानस' के किसी चौथे कांड का नाम बताएँ।
27. 'रामचरितमानस' के किसी पाँचवें कांड का नाम बताएँ।
28. 'रामचरितमानस' के किसी छठे कांड का नाम बताएँ।
29. 'रामचरितमानस' के किसी सातवें कांड का नाम बताएँ।
30. 'रामचरितमानस' की भाषा कौन-सी है?
31. मीराबाई की किसी एक रचना का नाम बताएँ।
32. मीराबाई की रचनाओं की भाषा कौन-सी है?
33. 'सूरसागर' किसकी रचना है?
34. अष्टछाप कवियों में से किसी एक कवि का नाम बताएँ।
35. सूरदास की रचनाओं की भाषा कौन-सी है?
36. 'भंवरगीत' किसकी रचना है?
37. तुलसीदास के आराध्य देव का नाम बताएँ।
38. सूरदास के आराध्य देव का नाम बताएँ।
39. मीराबाई के आराध्य देव का नाम बताएँ।
40. रसखान के आराध्य देव का नाम बताएँ।
41. 'साहित्य लहरी' किसकी रचना है?
42. रहीम का पूरा नाम क्या है?
43. रहीम की किसी एक रचना का नाम बताएँ।
44. हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग किसे कहा जाता है?
45. रसखान का पूरा नाम क्या है?
46. रसखान की रचनाओं की भाषा कौन-सी है?

47. सूरदास के गुरु का नाम बताएँ।

48. कबीर के गुरु का नाम बताएँ।

49. नन्ददास के गुरु का नाम बताएँ।

50. तुलसीदास के गुरु का नाम बताएँ।

51. मैया मोरी, मै नहिं माखन खायो।
भोर भयो गैयन के पाछे मधुबन मोहि पठायो।। - ये पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

52. घर घर तुलसी ठाकुर पूजा, दरसन गोविंद जी को! - ये पंक्तियाँ किसके द्वारा रचित हैं?

53. गुरु गोविंद दोउ खड़े काके लागूँ पाँय।
बलिहारी गुरु आपनो जिन गोविंद दियो बताय।। - ये पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

54. 'सूर' नन्द बलरामहिं घिरक्यो सुनि मन हरख कन्हैया।। - ये पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

55. पाछै लागा जाइ था, लोक बेद के साथि।
आगै थैं सतगुरु मिल्या, दीपक दीया हाथि।। - ये पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

56. दरद की मारी बन-बन डोलूँ, वैद मिल्या नहिं कोय। - ये पंक्तियाँ किसके द्वारा रचित हैं?

57. ऐसी बाणी बोलिये, मन का आपा खोइ।
अपना तन सीतल करै, औरन को सुख होइ।। - ये पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

58. हे री मैं तो प्रेम-दिवाणी, मेरो दरद न जाणे कोय! - ये पंक्तियाँ किसके द्वारा रचित हैं?

59. सूरदास तब बिहँसि जसोदा लै उर कण्ठ लगायो।। - ये पंक्तियाँ किसके द्वारा रचित हैं?

60. कुंजन-कुंजन फिरत राधिका, सबद सुनत मुरली को!- ये पंक्तियाँ किसके द्वारा रचित हैं?

पत्र

1. अपने छोटे भाई को पत्र लिखें जिसमें उसे सदाचार का महत्त्व बताया गया हो।

2. बड़ी बहन की ओर से छोटे भाई को खर्चीले फ़ैशन की आदत की होड़ को छोड़कर जीवन में परिश्रम करने की सलाह देते हुए पत्र लिखें।

3. आपने अपने पिता जी से झूठ बोलकर 500 रुपये ले लिये और उन पैसों को व्यर्थ खर्च कर दिया। अपनी इस भूल के लिए क्षमा याचना करते हुए पिता को पत्र लिखिए।

4. पिता जी को मनीआर्डर भेजने के लिए पत्र लिखिए।

5. अपनी माता जी को पत्र लिखकर अपने नये मित्रों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

6. आपकी असंतोषजनक प्रगति के बारे में स्कूल के प्रिंसीपल ने आपके पिताजी को पत्र लिखकर सूचना दी है। इस संदर्भ में अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए पिताजी को पत्र लिखिए।

7. अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए, जिसमें उसे ग्यारहवीं कक्षा में विषयों के सही चुनाव के बारे में कहा गया हो।

8. अपनी छोटी बहन को पत्र लिखिए जिसमें उसे नियमित रूप से अखबार पढ़ने, कैरियर पत्रिका, रोज़गार सम्बन्धी अखबार तथा प्रतियोगिताओं सम्बन्धी पत्रिका पढ़ने पर बल दिया गया हो। अपने छोटे भाई को पत्र लिखें जिसमें उसे सदाचार का महत्त्व बताया गया हो।

9. अपने मित्र को अपनी पढ़ाई तथा छात्रावास के जीवन के सम्बन्ध में पत्र लिखिए।

10. अपने मित्र को उसके जन्मदिन के उपलक्ष्य में बधाई पत्र लिखिए।

11. अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए कि आपके विद्यालय में वार्षिकोत्सव किस प्रकार मनाया गया?

12. अपने मित्र को एक पत्र लिखिए, जिसमें किसी पर्वतीय स्थल की यात्रा का वर्णन हो।

13. आपके विद्यालय में एक नये शिक्षक आये हैं। उनकी कुछ विशेषताओं का उल्लेख करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखें।

14. अपने मित्र को पत्र लिखिए जिसमें उसके द्वारा भेजी गई किताब के लिए धन्यवाद प्रकट किया गया हो।

15. अपने प्रिय मित्र को गर्मियों की छुट्टियाँ एक साथ व्यतीत करने के लिए पत्र लिखें।

16. अपनी माता जी की बीमारी की सूचना अपने मामा जी को पत्र द्वारा दीजिये।

17. आपकी पटियाला गारमेण्ट्स, पटियाला चौक, पटियाला में एक दुकान है। आपने मोहन गारमेण्ट्स, लुधियाना से 100 ऊनी स्वैटर मंगवाये थे, किन्तु उसने 100 कम्बल भेज दिये। इस सम्बन्ध में अपनी तरफ से ग़लत पहुँचे माल की शिकायत करते हुए उन्हें पत्र लिखिये।

18. आपकी आज़ाद साइकिल, आदर्श नगर, होशियारपुर में एक साइकिलों की दुकान है। आपने नौजवान साइकिल, लुधियाना से 50 साइकिलें मंगवायी थीं, किन्तु उन्होंने देरी से माल भेजा। अत: देरी से पहुँचे माल की शिकायत करते हुए उन्हें पत्र लिखिये।

19. आपकी हरचंद बुक डिपो नाम की चंडीगढ़ में एक स्टेशनरी की दुकान है। आप 'संदेश पुस्तक भंडार', जालन्धर से अंग्रेज़ी से हिंदी की 50 तथा हिंदी से अंग्रेज़ी की 20 डिक्शनरियाँ (शब्दकोश) मँगवाना चाहते हैं। अत: अपनी ओर से 'संदेश पुस्तक भंडार', जालन्धर को पत्र लिखें।

20. आप 'ज्ञान विज्ञान पत्रिका' की वार्षिक सदस्यता चाहते हैं, अत: 'ज्ञान-विज्ञान-पत्रिका', नई दिल्ली को पत्र लिखें। आपका पता है- मुकेश वर्मा, संतोष नगर, सोनीपत।

21. अपने क्षेत्र में बिजली के संकट से उत्पन्न समस्याओं का वर्णन करते हुए, दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़ अखबार के सम्पादक के नाम पत्र लिखिये।

22. निदेशक, शिक्षा निदेशालय, भिवानी को दसवीं बोर्ड की परीक्षा के दौरान परीक्षा भवन में हो रही नकल की शिकायत करते हुए पत्र लिखें।

23. दैनिक भास्कर चंडीगढ़ अखबार के सम्पादक को केवल नेटवर्क एवं वीडियो खेलों के बुरे परिणामों के बारे में पत्र लिखिए।

24. ज़िलाधीश, ज़िला मोहाली को परीक्षा के दिनों में लाउडस्पीकरों के अनुचित प्रयोग पर पाबंदी लगाए जाने के बारे में एक आवेदन पत्र लिखिए।

25. क्षेत्रीय प्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक पठानकोट को चैक बुक गुम हो जाने हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

निम्नलिखित पंजाबी वाक्यों का हिंदी में अनुवाद करें –

1. ਪੰਜਾਬੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਭੂਗੋਲਿਕ ਖਿੱਤੇ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਹੈ।
2. ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਭੂਗੋਲਿਕ ਹੱਦਬੰਦੀ ਲਗਾਤਾਰ ਬਦਲਦੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
3. ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਪੱਖੋਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਇਲਾਕੇ ਅਜੋਕੇ ਪੰਜਾਬ ਤੋਂ ਹੀ ਬਾਹਰ ਹਨ।
4. ਪੰਜਾਬ ਅਸਲ ਵਿੱਚ ਵਿਭਿੰਨ ਨਸਲਾਂ, ਜਾਤਾਂ, ਧਰਮਾਂ ਦੀ ਸੁਮੇਲ ਭੂਮੀ ਹੈ।
5. ਉਪਜਾਊ ਭੂਮੀ ਕਾਰਨ ਭੁੱਖੇ ਮਰਨਾ ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਨਹੀਂ ਆਇਆ।
6. ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਨੇ ਪੰਜਾਬੀ ਨੂੰ ਬੜੇ ਖੋਫਨਾਕ ਸਬਕ ਸਿਖਾਏ ਹਨ।
7. ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਦੇ ਨਾਇਕ ਹਨ-ਜੋਗੀ, ਯੋਧਾ ਤੇ ਆਸ਼ਕ।
8. ਪੰਜਾਬੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰਕ ਵਿੱਚ ਪਿਛਲੀ ਇੱਕ ਸਦੀ ਤੋਂ ਬਹੁਤ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਪਰਿਵਰਤਨ ਵਾਪਰੇ ਹਨ।
9. ਰਹਿਣ-ਸਹਿਣ ਸਾਂਤ ਪਾਣੀ ਵਾਂਗ ਠਹਿਰਿਆਂ ਹੋਇਆ ਸੰਕਲਪ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਇੱਕ ਗਤੀਸ਼ੀਲ ਨਿਰੰਤਰ ਬਦਲਦਾ ਸੰਕਲਪ ਹੈ।
10. ਰਹਿਣ ਸਹਿਣ ਦੋ ਧਾਰੀ ਸ਼ਾਸਤਰ ਵਾਂਗ ਸਮੇਂ ਦੀ ਸ਼ਤਰੰਜ 'ਤੇ ਚਾਲਾਂ ਚੱਲਦਾ ਹੈ।
11. ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਲੋਕ ਸਮੂਹ ਦੁਆਰਾ ਸਿਰਜੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਜੀਵਨ ਜਾਂਚ ਦਾ ਨਾਂ ਹੈ।
12. ਤੀਜੇ ਉਹ ਅਣਖ਼ੀ ਲੋਕ ਸਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਹਨਾਂ ਹਮਲਿਆਂ ਸਾਹਮਣੇ ਹਮੇਸ਼ਾ ਸੀਨਾ ਤਾਣ ਕੇ ਜੀਣਾ ਸਿੱਖਿਆ।
13. ਰਹਿਣ ਸਹਿਣ ਨਿਰੰਤਰ ਗਤੀਸ਼ੀਲ ਹੈ, ਇਹ ਨਿਰੰਤਰ ਬਦਲ ਰਿਹਾ ਹੈ।
14. ਬਾਜ਼ੀਗਰ ਬਾਜ਼ੀਆਂ ਪਾ ਕੇ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਮਨੋਰੰਜਨ ਕਰਦੇ ਹਨ।
15. ਕਿੱਤੇ ਆਮ ਤੌਰ 'ਤੇ ਪੀੜੀ ਦਰ ਪੀੜੀ ਚਲਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।
16. ਇਹ ਗੱਲ ਠੀਕ ਹੈ ਕਿ ਦੁਨਿਆਂ ਦੀ ਹਰ ਵਸਤੂ ਧਰਤੀ ਦੀ ਹੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਹੈ।
17. ਲੱਕੜੀ ਦੇ ਕੰਮ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਕਿੱਤੇ ਜੁੜੇ ਹੋਏ ਹਨ।
18. ਕਲਾ, ਆਦਿ ਕਾਲ ਤੋਂ ਹੀ ਮਨੁੱਖ ਦੀ ਮਾਨਸਿਕ ਤ੍ਰਿਪਤੀ ਦਾ ਇੱਕ ਅਹਿਮ ਸਾਧਨ ਰਹੀ ਹੈ।
19. ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਲੋਕ-ਚਿੱਤਰ ਕਲਾ ਕਿਸੇ ਖ਼ਾਸ ਵਰਗ, ਧਰਮ ਜਾਂ ਸੰਪਰਦਾਇ ਦੀ ਕਲਾ ਨਹੀਂ।
20. ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਲੋਕ-ਚਿੱਤਰ ਕਲਾ ਮਾਨਵੀ ਜੀਵਨ ਦੀਆਂ ਮੂਲ ਪ੍ਰਵਿਰਤੀਆਂ ਨਾਲ ਭਰੀ ਹੋਈ ਹੈ।
21. ਮੂਰਤੀ ਵਿੱਚ ਦੇਵੀ ਦਾ ਰੰਗ ਸੁਨਹਿਰੀ ਅਤੇ ਵਸਤਰਾਂ ਦਾ ਰੰਗ ਲਾਲ ਕੀਤਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
22. ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ 'ਨਾਂ ਰੱਖਣ' ਵਾਸਤੇ ਕੋਈ ਖ਼ਾਸ ਨਾਮ ਸੰਸਕਾਰ ਨਹੀਂ ਮਨਾਇਆ ਜਾਂਦਾ।
23. ਮੁੰਡੇ ਕੁੜੀ ਦੇ ਜਵਾਨ ਹੋਣ 'ਤੇ ਵਿਆਹ ਦੀਆਂ ਰਸਮਾਂ ਦੀ ਲੜੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

24. ਵਿਆਹ ਵਿੱਚ ਫੇਰਿਆਂ ਦੀ ਰਸਮ ਬਹੁਤ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਵਿਆਹ ਸੰਪੂਰਨ ਨਹੀਂ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ।
25. ਜੀਵਨ ਨਾਟਕ ਦੇ ਆਰੰਭ ਤੋਂ ਅੰਤ ਤੱਕ ਵਿਭਿੰਨ ਰਸਮ ਰਿਵਾਜ਼ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।
26. ਕਿਸੇ ਜਾਤੀ ਦੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤਕ ਨੁਹਾਰ ਮੇਲਿਆਂ ਤੇ ਤਿਉਹਾਰਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਪੂਰੇ ਰੰਗ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਤਿਬਿੰਬਿਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
27. ਖੇਡਾਂ ਦਾ ਮਨੁੱਖੀ ਜੀਵਨ ਨਾਲ ਡੂੰਘਾ ਸੰਬੰਧ ਹੈ।
28. ਜਿੱਥੇ ਵੀ ਚਾਰ ਪੰਜਾਬੀ ਇੱਕਠੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਉਹ ਪਹਿਲਾਂ ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਸਥਾਪਤ ਕਰ ਲੈਂਦੇ ਹਨ।
29. ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਬਹੁਤ ਮੇਲੇ ਮੌਸਮਾਂ, ਰੁੱਤਾਂ ਅਤੇ ਤਿਉਹਾਰਾਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹਨ।
30. ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕੁਝ ਮੇਲੇ, ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਕਾਲ ਤੋਂ ਚਲੀ ਆ ਰਹੀ ਸਰਪ-ਪੂਜਾ ਦੀ ਦੇਣ ਹਨ।
31. ਮਾਤਾ-ਪਿਤਾ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਬੱਚਿਆਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
32. ਮਿਹਨਤ ਕਰੋ, ਕਿਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤੁਸੀਂ ਫੇਲ ਹੋ ਜਾਵੋ।
33. ਮੋਹਨ ਪੜ੍ਹਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਰਾਧਾ ਖੇਡਦੀ ਹੈ।
34. ਮੇਰਾ ਭਰਾ ਦਿੱਲੀ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।
35. ਸੱਚੇ ਬਹਾਦਰ ਕਦੇ ਵੀ ਯੁੱਧ ਵਿੱਚ ਪਿੱਠ ਨਹੀਂ ਦਿਖਾਂਦੇ।
36. ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ 'ਖਾਲਸਾ ਪੰਥ' ਦੀ ਸਿਰਜਣਾ ਕੀਤੀ ਸੀ।
37. ਸ਼ਾਇਦ ਤੁਸੀਂ ਭਗਵਾਨ ਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਜਾਣਦੇ।
38. ਗੁਰੂ ਰਵੀਦਾਸ ਜੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੀਵਨ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਦਾ ਬੁਰਾ ਨਹੀਂ ਸੋਚਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।
39. ਜੀਵਨ ਪ੍ਰਤੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਵੀ ਤਪੱਸਿਆ ਹੈ।
40. ਬੁੱਢੀ ਦਾ ਗੁੱਸਾ ਜਲਦੀ ਹੀ ਪਿਆਰ ਵਿਚ ਬਦਲ ਗਿਆ।
41. ਘਟੀਆ ਕਿਸਮ ਦੇ ਲੋਕ ਰੁਕਾਵਟਾਂ ਤੋਂ ਡਰ ਕੇ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ।
42. ਸਾਡੇ ਸਮਾਜ ਵਿੱਚ ਭੇਦ ਅਤੇ ਅਭੇਦ ਦੋਵੇਂ ਹਨ।
43. 'ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ' ਵਿੱਚ ਕਈ ਗੁਰੂਆਂ ਦੀ ਬਾਣੀ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਹੈ।
44. ਉਹੀ ਵਿਅਕਤੀ ਸਭ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾ ਸਵਾਰਥ ਤੋਂ ਰਹਿਤ ਹੋਵੇ।
45. ਪ੍ਰਭੂ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਰੱਖੋ।
46. ਕੈਂਸਰ ਇੱਕ ਭਿਆਨਕ ਰੋਗ ਹੈ।
47. ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੋ ਰਾਜਾਂ ਦੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਹੈ।
48. ਸੁਖਦੇਵ ਬਚਪਨ ਤੋਂ ਹੀ ਦ੍ਰਿੜ ਸੁਭਾਅ ਦੇ ਸਨ।
49. ਵਿਗਿਆਪਨ ਕਲਾ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਉੱਨਤੀ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ।
50. ਬਿਨਾਂ ਕੁੱਝ ਕੀਤੇ ਸਰਕਾਰ ਕਿਸੇ ਦੇ ਪਿੱਛੇ ਨਹੀਂ ਪੈਂਦੀ ।
51. ਬੁੱਢੀ ਮਾਂ ਉੱਚੀ ਅਵਾਜ਼ ਵਿੱਚ ਲੋਰੀ ਗਾ ਰਹੀ ਸੀ।
52. ਇਹ ਉਹੀ ਬੱਚਾ ਹੈ, ਜਿਸਨੂੰ ਕੁੱਤੇ ਨੇ ਕੱਟਿਆ ਸੀ।
53. ਸਜ਼ਾ ਮੁਆਫ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਪੱਤਰ ਲਿਖੋ।
54. ਤੁਸੀਂ ਗੱਡੀ ਖੜਨ ਵਾਲੀ ਥਾਂ ਤੇ ਚਲੇ ਜਾਓ।

55. ਮਿਹਨਤੀ ਆਦਮੀ ਜ਼ਰੂਰ ਕਾਮਯਾਬ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
56. ਅਧਿਆਪਕ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਸਾਰੇ ਸ਼ਾਂਤ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।
57. ਮੰਤਰੀ ਬਣਨ ਤੇ ਵੀ ਉਸਦਾ ਵਰਤਾਓ ਮਿੱਠਾ ਹੈ।
58. ਸੋਨੇ ਦੀ ਚਿੜੀ ਕਹਾਉਣ ਵਾਲਾ ਇਹ ਉਹੀ ਭਾਰਤ ਹੈ।
59. ਪਿਆਰੇ ਮਿੱਤਰ! ਤੁਸੀਂ ਆਪਣੀ ਚਿੰਤਾ ਕਰੋ, ਮੇਰਾ ਫਿਕਰ ਛੱਡੋ।
60. ਕੁੱਝ ਪਾਉਣ ਲਈ ਗਵਾਉਣਾ ਵੀ ਪੈਂਦਾ ਹੈ।
61. ਤੁਸੀਂ ਸਾਰੀ ਜਿੰਮੇਵਾਰੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੋਢਿਆਂ ਉੱਤੇ ਕਿਉਂ ਪਾਉਂਦੇ ਹੋ?
62. ਜਦ ਤੱਕ ਮੋਹਨ ਘਰ ਪਹੁੰਚਿਆ, ਤਦ ਤੱਕ ਉਸਦੇ ਪਿਤਾ ਚਲ ਵਸੇ ਸਨ।
63. ਸੁਸ਼ਮਾ ਇਸ ਲਈ ਸਕੂਲ ਨਹੀਂ ਗਈ, ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਬੀਮਾਰ ਹੈ।
64. ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਉਸਨੂੰ ਮਿਲਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ ਤਾਂ ਦਰਵਾਜੇ ਉੱਤੇ ਇੰਤਜ਼ਾਰ ਕਰੋ।
65. ਮੇਰੇ ਪਿਤਾ ਜੀ ਉਹ ਹਨ ਜੋ ਪਲੰਘ ਉੱਤੇ ਪਏ ਹਨ।
66. ਨੀਰਜਾ ਨੇ ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਈ ਅਤੇ ਨਮਿਤਾ ਰੋ ਪਈ।
67. ਮੇਰਾ ਭਰਾ ਪਰੀਖਿਆ ਵਿੱਚੋਂ ਪਹਿਲੇ ਦਰਜੇ ਤੇ ਆ ਗਿਆ।
68. ਲੜਕੀ ਬੜੇ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹਦੀ ਹੈ।
69. ਆਮਦਨ ਤੋਂ ਵੱਧ ਖਰਚ ਕਰਨਾ ਚੰਗੀ ਗੱਲ ਨਹੀਂ।
70. ਮਾਤਾ-ਪਿਤਾ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਰਨੀ ਸਾਡਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਧਰਮ ਹੈ।
71. ਹਰ ਰੋਜ਼ ਸਵੇਰੇ ਦੰਦਾਂ ਨੂੰ ਸਾਫ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
72. ਸਾਨੂੰ ਕਿਸੇ ਦਾ ਦਿਲ ਨਹੀਂ ਦੁਖਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।
73. ਅੱਜ ਕੱਲ੍ਹ ਦੇ ਨੌਜਵਾਨ ਕੰਮ ਘੱਟ ਤੇ ਆਰਾਮ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਸੰਦ ਕਰਦੇ ਹਨ।
74. ਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਪਿਆਰ ਕਰਨਾ ਤੁਹਾਡਾ ਮੁੱਖ ਕਰਤੱਵ ਹੈ।
75. ਮਿਹਨਤ ਤੋਂ ਜੀ ਚੁਰਾਉਣਾ ਵਿੱਦਿਆਰਥੀ ਦਾ ਕੰਮ ਨਹੀਂ।
76. ਬਠਿੰਡੇ ਦਾ ਕਿਲ੍ਹਾ ਵੇਖਣ-ਯੋਗ ਹੈ।
77. ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਨੂੰ ਰਾਸ਼ਟਰ ਪਿਤਾ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।
78. ਨਫ਼ਰਤ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰੇਮ ਨਾਲ ਜਿੱਤ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰੋ।
79. ਬਿਨਾਂ ਟਿਕਟ ਸਫ਼ਰ ਕਰਨਾ ਅਪਰਾਧ ਹੈ।
80. ਪਿੰਡਾਂ ਵਿੱਚ ਲੋਕ ਸਖ਼ਤ ਮਿਹਨਤ ਕਰਦੇ ਹਨ।
81. ਕਸ਼ਮੀਰ ਦੇ ਦ੍ਰਿਸ਼ ਬੜੇ ਮਨਮੋਹਕ ਹਨ।
82. ਪੰਜਾਬੀ ਬੜੇ ਮਿਹਨਤੀ ਲੋਕ ਹਨ।
83. ਭਾਰਤ ਸਾਡੀ ਮਾਤ ਭੂਮੀ ਹੈ।
84. ਬਿਨਾਂ ਸੇਵਾ ਮੇਵਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ।
85. ਸੂਰਜ ਪੂਰਵ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਚੜ੍ਹਦਾ ਹੈ।
86. ਵਿਹਲੇ ਬੈਠ ਕੇ ਕੀਮਤੀ ਸਮਾਂ ਨਹੀਂ ਗੁਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

87. ਸਫਲਤਾ ਤੇ ਅਸਫਲਤਾ ਇਕ ਹੀ ਸਿੱਕੇ ਦੇ ਦੋ ਪਾਸੇ ਹਨ।
88. ਬਜ਼ੁਰਗਾਂ ਦੀ ਸਾਡੀ ਜਿੰਦਗੀ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਬਹੁਤ ਵੱਡੀ ਭੂਮਿਕਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
89. ਅੱਜ ਕੱਲ੍ਹ ਦੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਬਹੁਤ ਤੇਜ਼ ਰਫ਼ਤਾਰ ਨਾਲ ਅੱਗੇ ਵੱਧ ਰਹੀ ਹੈ।
90. ਸਮੇਂ ਦੀ ਰਫ਼ਤਾਰ ਸਾਨੂੰ ਸਭ ਨੂੰ ਕੰਪਿਊਟਰ ਤਕ ਖਿੱਚ ਲਿਆਈ ਹੈ।
91. ਸਾਡੇ ਭਾਰਤ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਝੰਡਾ ਤਿਰੰਗਾ ਹੈ।
92. ਹਾਕੀ ਸੰਸਾਰ ਭਰ ਵਿੱਚ ਖੇਡੀ ਜਾਣ ਵਾਲੀ ਪੁਰਾਣੀਆਂ ਖੇਡਾਂ ਵਿਚੋਂ ਇੱਕ ਹੈ।
93. ਗਰਮੀਆਂ ਦੀਆਂ ਛੁੱਟੀਆਂ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਕਸ਼ਮੀਰ ਗਏ।
94. ਰੁੱਖ ਸਾਡੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦਾ ਆਧਾਰ ਹਨ।
95. ਭੋਜਨ ਹਮੇਸ਼ਾ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਖਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
96. ਸਿੱਖ ਇਤਿਹਾਸ ਕੁਰਬਾਨੀਆਂ ਨਾਲ ਭਰਪੂਰ ਹੈ।
97. ਮਾਂ ਆਪ ਹਰ ਦੁੱਖ ਸਹਾਰ ਕੇ ਆਪਣੇ ਲਾਡਲੇ ਨੂੰ ਹਰ ਸੁੱਖ ਦਿੰਦੀ ਹੈ।
98. ਪੰਜਾਬੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਨਾਲ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਤਿਉਹਾਰ ਜੁੜੇ ਹੋਏ ਹਨ।
99. ਤੁਲਸੀ ਇਕ ਬਹੁਤ ਲਾਭਕਾਰੀ ਪੌਦਾ ਹੈ।
100. ਭਾਰਤ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਵਿੱਚ ਅਣਗਿਣਤ ਦੇਸ਼ ਭਗਤਾਂ ਨੇ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਇਆ ਹੈ।
101. ਵੀਹਵੀਂ ਸਦੀ ਵਿਗਿਆਨ ਦੀ ਸਦੀ ਅਖ਼ਵਾਉਂਦੀ ਹੈ।
102. ਸਮੇਂ ਦੀ ਨਬਜ਼ ਨੂੰ ਪਛਾਣੋ।
103. ਸਮਾਂ ਨਾ ਗੁਆਉ ਅਤੇ ਨੀਯਤ ਨੂੰ ਸਾਫ਼ ਰੱਖੋ।
104. ਆਪਣੇ ਹੌਂਸਲੇ ਸਦਾ ਬੁਲੰਦ ਰੱਖੋ।
105. ਖਗੋਲੀ ਵਸਤੂਆਂ ਨੂੰ ਲਘੂ-ਗ੍ਰਹਿ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।
106. ਬ੍ਰਹਿਮੰਡ ਵਿਚ ਅਰਬਾਂ-ਖਰਬਾਂ ਤਾਰੇ ਹਨ।
107. ਬੰਬਈ ਬੰਦਰਗਾਹ 'ਤੇ ਜਹਾਜ਼ ਅਗਵਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।
108. ਹਾਥੀ ਦੰਦ ਤੋਂ ਖੂਬਸੂਰਤ ਗਹਿਣੇ ਤਿਆਰ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।
109. ਵਗਦੀ ਗੰਗਾ ਵਿੱਚ ਹੱਥ ਧੋ ਲਵੋ।
110. ਕਿ ਸਾਡੀ ਦੁਸ਼ਮਨੀ ਮਿੱਤਰਤਾ ਵਿੱਚ ਤਬਦੀਲ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ?
111. ਜਨਤਕ ਸੰਪਤੀ ਦੀ ਰੱਖਿਆ ਕਰੋ।
112. ਮੈਂ ਤਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪਰਛਾਂਵਿਆਂ ਵਿਚ ਘਿਰਿਆ ਰਿਹਾ।
113. ਉਸ ਨੂੰ ਮੇਰੇ ਤੇ ਤਰਸ ਨਾ ਆਇਆ।
114. ਚਾਰੇ ਪਾਸੇ ਫੈਲੀਆਂ ਬੱਤੀਆਂ ਜਗਾ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣ।
115. ਰਜਨੀ ਦਾ ਸਾਈਕਲ ਗੁੰਮ ਹੋਇਆ ਪਰ ਸਾਰੇ ਪੁਰਜੇ ਲਾਹ ਲਏ ਸੀ।
116. ਮਿੱਤਰ ਨੂੰ ਤਾਂ ਅਪਣੀ ਸੁੱਧ ਬੁੱਧ ਨਾ ਰਹੀ।
117. ਮੈਂ ਘਬਰਾਇਆ ਹੋਇਆ ਚਾਂਦਨੀ ਚੌਕ ਥਾਣੇ ਰਿਪੋਰਟ ਲਿਖਵਾਉਣ ਗਿਆ।
118. ਗਗਨ ਨੇ ਇਮਤਿਹਾਨ ਬੜੇ ਚਾਅ ਨਾਲ ਦਿੱਤਾ।

119. ਮੇਰੇ ਅਨੁਭਵ ਦਾ ਆਧਾਰ ਲੋਕ-ਸੰਸਕ੍ਰਿਤੀ ਤੇ ਪੁਸਤਕਾਂ ਹਨ।

120. ਕੰਮ ਧੰਦੇ ਬਗੈਰ ਤਾਂ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਹੀ ਨਹੀਂ।

प्रश्न – 15 : निम्नलिखित अनुच्छेद का संक्षेपीकरण करके लिखिए –

(1) गुरु गोबिन्द सिंह के जीवन की सबसे महान् घटना है – 'खालसा पंथ सजाना' उन्हें हिन्दू जाति में, धर्म और देश की रक्षा करने के लिए समाज में नवरक्त का संचार करने की आवश्यकता अनुभव हुई। प्रतिभाशाली गुरु को एक अद्‌भुत साधन सूझा। सन् 1699 की वैशाखी के दिन आनन्दपुर साहब में गुरु जी ने अपने सब शिष्यों की एक सभा बुलाई। उसमें घोषणा की कि धर्म की रक्षा के लिए कुछ व्यक्तियों के बलिदान की आवश्यकता है। क्या इस सभा में ऐसा कोई आदमी है, जो अपने प्राणों की आहुति दे सके? गुरु जी के हाथों में नंगी तलवार देखकर और आवेश में भरी हुई उनकी आँखें देखकर किसी को आगे जाने का साहस न हुआ। सारी सभा में सन्नाटा छा गया। गुरु जी ने दूसरी बार फिर ललकारा। उनकी इस ललकार को सुनकर लाहौर का खत्री दयाराम सामने आ गया। गुरु जी उसे अपने साथ पास के तम्बू में ले गए। कहा जाता है कि वहाँ उन्होंने दयाराम को बिठा दिया, और एक बकरे का खून कर दिया। खून से भरी तलवार लेकर वे फिर बाहर आए और बलिदान के लिए और भेंट माँगी। तब दिल्ली का जाट धर्मदास सामने आया। उसे भी वे तम्बू में ले गए और खून से सनी हुई तलवार लेकर फिर बाहर आकर तीसरा बलिदान माँगा। इस बार द्वारिका का धोबी मोहकम चन्द, फिर बीदर (दक्षिण) का नाई साहिबचंद और उसके बाद जगन्नाथपुरी का रहने वाला झीवर हिम्मतराय बलिदान देने के लिए आगे आए। उन्हें भी बारी-बारी गुरु जी तम्बू में ले गए। थोड़ी देर बाद गुरु जी इन पाँचों को अपने साथ लेकर तम्बू से बाहर निकले और सारी सभा के सामने उन्हें उपस्थित करके उन्हें 'पंज प्यारे' की संज्ञा दी। सारी सभा आश्चर्य में पड़ गई। पहले गुरु जी ने उन पाँचों को दीक्षित किया और फिर आप उनसे दीक्षित हुए। इस प्रकार उन्होंने 'खालसा-पंथ' की नींव रखी और उसके बाद थोड़े ही दिनों में बहुत से लोगों को उन्होंने इस पंथ में दीक्षित किया। इसी समय में स्वयं गुरु गोबिन्द राय से गुरु गोबिन्द सिंह बन गए। इस प्रकार गुरु नानक की परम्परा में जो धर्म अब तक आध्यात्मिक-प्रधान था, उसे गुरु जी ने वीरता का पाठ भी पढ़ा दिया।

(2) आज दहेज-प्रथा समाज की एक ज्वलंत समस्या बनी हुई है। इसने असंख्य कन्याओं के माँ-बाप की रात की नींद और दिन का चैन छीन लिया है। कई समाज सुधारकों ने इस कुप्रथा को समाप्त करने के प्रयास किये। 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला-वर्ष' आया और गया, परन्तु महिलाओं पर लालची ससुराल वालों द्वारा की जा रही नृशंसता में कमी नहीं आई। आज भी दहेज की शिकार सैंकड़ों वधुओं के लहू के छींटों से समाचार-पत्रों के पन्ने हर रोज़ सने हुए दिखाई पड़ते हैं। लड़कियों को भी अब जागरूक होना चाहिए। उन्हें पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए। उन्हें ऐसे घरों में विवाह का विरोध कर देना चाहिए, जिसके परिवार के लोग दहेज के लालची हों। समाज के माथे से यह कलंक का टीका जन-जागृति से ही धोया जा सकता है। रेडियो, चलचित्र, दूरदर्शन और गोष्ठियों के माध्यम से लोगों को

दहेज की बुराइयों से अवगत कराने की ज़रूरत है। शिक्षा द्वारा इस निंदनीय बुराई के विरुद्ध युवा-वर्ग में उचित वातावरण तैयार किया जाना चाहिए।

नारी जग-जननी है, पूज्या है। समाज में उसे आदरपूर्ण स्थान दिलवाने के लिए दहेज रूपी दैत्य का अन्त करना होगा, जो कि आज इसके सुख-चैन को निगल रहा है।

(3) शार्टकट को जीवन-दर्शन के रूप में अपनाने का श्रीगणेश कब हुआ, इसका इतिहास बहुत पुराना है। एक प्राचीन कथा के आधार पर अनुमान लगाया जा सकता है कि शार्टकट की इस नवीन प्रणाली को जन्म देने का श्रेय सर्वप्रथम पार्वती जी को प्राप्त है। कहते हैं कि प्राचीन काल में एक समय शिवजी के दोनों पुत्रों में युवराज-पद के लिए घोर संघर्ष छिड़ गया। शिवजी को बड़े बेटे कार्तिकेय से अगाध प्यार था और पार्वती गणेश के पक्ष में थी। इस स्थिति के कारण शिवजी को बहुत चिन्ता हुई। शिवजी ने इस गुत्थी को सुलझाने के लिए एक युक्ति सोची और यह ऐलान कर दिया कि दोनों राजकुमारों में जो व्यक्ति सर्वप्रथम तीनों लोकों की परिक्रमा कर लेगा, वही युवराज-पद को ग्रहण करेगा। शिवजी मानते थे कि कार्तिकेय का वाहन मोर है और गणेश का चूहा, इसलिए बाज़ी कार्तिकेय के हाथ रहेगी। परन्तु पार्वती शिवजी की चाल ताड़ चुकी थी। परिणामस्वरूप जब कार्तिकेय अपने द्रुतगामी वाहन पर सवार होकर विश्व-परिक्रमा के लिए निकला तो माँ पार्वती ने शार्टकट की शरण ली और गणेश को चूहे पर चढ़ाकर शिवजी की परिक्रमा करवा दी। त्रिलोकीनाथ की परिक्रमा के आगे भला त्रिलोक की परिक्रमा की क्या बिसात! हाथी के पाँव में सबका पाँव। फिर क्या था? इस चार गज के शार्टकट ने गणेश की विजय के नगारे पीट दिए।

(4) संसार के सभी देश सामूहिक तथा सामाजिक चेतना को जागरूक रखना चाहते हैं। इसीलिए मार्क्स ने आर्थिक एकता, महात्मा गाँधी तथा आचार्य विनोबा भावे ने अहिंसा और सर्वोदय के सिद्धान्त अपनाकर समाज को रोटी और रोज़गार की समस्या को हल करने का मार्ग दिखाया। अत: आर्थिक दृष्टि से प्रगतिशील देश अब अविकसित या अर्द्ध विकसित देशों को सहायता देकर उनको भी विकास के अवसर देने लगे हैं। फिर भी आवश्यकता इस बात की है कि समृद्ध देश केवल बड़ी मशीनों का निर्माण ही न करें, बल्कि छोटे देशों के बने हुए माल को खरीद कर उनके आर्थिक स्तर को ऊँचा करने में भी सहयोग दें। मानवता के विकास के लिए डॉ० राधाकृष्णन कहा करते थे कि मनुष्य को जीवन में व्यक्तिगत सुखों की अपेक्षा सामाजिक हितों के प्रति अधिक सावधान एवं सतर्क रहना चाहिए। यदि सभी देश इन बातों पर आचरण करें तो 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना अपने आप प्रतिफलित हो जायेगी।

(5) ज़िन्दगी की ज़िम्मेदारी कोई निरी मौत नहीं है और मौत कौन ऐसी बड़ी मौत है? अनुभव के अभाव से यह सारा हौवा है। जीवन और मरण दोनों आनन्द की वस्तु होनी चाहिए। कारण, अपने परम प्रिय पिता ने - ईश्वर ने वे हमें दिए हैं। ईश्वर ने जीवन दु:खमय नहीं रचा। पर, हमें जीवन जीना आना चाहिए। कौन पिता है, जो अपने बच्चों के लिए परेशानी की ज़िंदगी चाहेगा? तिस पर ईश्वर के प्रेम और करुणा का कोई पार है? वह अपने लाड़ले बच्चों के लिए सुखमय जीवन का निर्माण करेगा कि परेशानियों और झंझटों से भरा जीवन

रचेगा? कल्पना की क्या आवश्यकता है, प्रत्यक्ष ही देखिए न, हमारे लिए जो चीज़ जितनी ज़रूरी है, उसके उतनी ही सुलभता से मिलने का इंतजाम ईश्वर की ओर से है। पानी से हवा ज़्यादा ज़रूरी है, तो ईश्वर ने हवा को अधिक सुलभ किया है। जहाँ नाक है, वहाँ हवा मौजूद है। पानी से अन्न की ज़रूरत कम होने की वजह से पानी प्राप्त करने की अपेक्षा अन्न प्राप्त करने में अधिक परिश्रम करना पड़ता है। आत्मा सबसे अधिक महत्त्व की वस्तु होने के कारण, वह हर एक को हमेशा के लिए दे डाली गई है। ईश्वर की ऐसी प्रेम पूर्ण योजना है। इसका ख्याल न करके हम निकम्मे, जड़ जवाहरात जमा करने में जितने जड़ बन जाएँ, उतनी तकलीफ हमें होगी। पर, यह हमारी जड़ता का दोष है, ईश्वर का नहीं।

(6) यदि किसी को अपने देश से सचमुच प्रेम है तो उसे अपने देश के मनुष्य, पशु, पक्षी, लता, गुल्म, पेड़, पत्ते, वन, पर्वत, नदी, निर्झर आदि सबसे प्रेम होगा, वह सबको चाहभरी दृष्टि से देखेगा, वह सबकी सुध करके विदेश में आँसू बहाएगा। जो यह भी नहीं जानते कि कोयल किस चिड़िया का नाम है, जो यह भी नहीं सुनते कि चातक कहाँ चिल्लाता है, जो यह भी आँख भर नहीं देखते कि आम प्रणय-सौरभ पूर्ण मंजरियों से कैसे लदे हुए हैं, जो यह भी नहीं झाँकते कि किसानों के झोंपड़ों के भीतर क्या हो रहा है, वे यदि दस बने-ठने मित्रों के बीच प्रत्येक भारतवासी की औसत आमदनी का पता बताकर देश-प्रेम का दावा करें तो उनसे पूछना चाहिए कि भाइयो! बिना रूप परिचय का यह प्रेम कैसा? जिनके दुःख-सुख के तुम कभी साथी नहीं हुए उन्हें तुम सुखी देखना चाहते हो, यह कैसे समझें? उनसे कोसों दूर बैठे-बैठे, पड़े-पड़े या खड़े-खड़े तुम विलायती बोली में 'अर्थशास्त्र' की दुहाई दिया करो, पर प्रेम का नाम उसके साथ न घसीटो। प्रेम हिसाब-किताब नहीं है। हिसाब-किताब करने वाले भाड़े पर भी मिल सकते हैं, पर प्रेम करने वाले नहीं।

(7) वीरता का विकास नाना प्रकार से होता है। कभी तो उसका विकास लड़ने-मरने में, खून बहाने में, तलवार-तोप के सामने जान गँवाने में होता है, कभी प्रेम के मैदान में उसका झण्डा खड़ा होता है। कभी जीवन के गूढ़ तत्त्व और सत्य की तलाश में बुद्ध जैसे राजा विरक्त होकर वीर हो जाते हैं। कभी किसी आदर्श पर और कभी किसी पर वीरता अपना फरहरा लहराती है। परन्तु वीरता एक प्रकार की दैवी प्रेरणा है। जब कभी इसका विकास हुआ, तभी एक नया कमाल नज़र आया। एक नयी रौनक, एक नया रंग, एक नयी बहार, एक नयी प्रभुता संसार में छा गई। वीरता हमेशा निराली और नयी होती है। नयापन भी वीरता का एक खास रंग है। हिन्दुओं के पुराणों की वे आलंकारिक कल्पनाएँ, जिनमें पुराणकारों ने ईश्वरावतारों को अजीब-अजीब और भिन्न-भिन्न वेष दिए हैं, सच्ची मालूम होती है, क्योंकि वीरता का एक विकास दूसरे विकास से कभी किसी तरह नहीं मिल सकता। वीरता की कभी नकल नहीं हो सकती; जैसे मन की प्रसन्नता कभी कोई उधार नहीं ले सकता। वीरता देशकाल के अनुसार संसार में जब कभी प्रकट हुई तभी एक नया स्वरूप लेकर आई, जिसके दर्शन करते ही सब लोग हक्के-बक्के हो गए, कुछ बन न पड़ा और वीरता के आगे उन्होंने सिर झुका दिया।

(8) सदियों तक नारी को गुलाम बनाकर रखा गया, परन्तु आज जब वह जाग उठी है तो उसके निखरे व्यक्तित्व की चकाचौंध से सबकी आँखें चुंधिया रही हैं। उसके मन में प्रतिहिंसा का भाव नहीं है। पिता, पति, पुत्र-पुरुष ने अनेक रूपों में से उसे दबाया-सताया पर आज भी वह इन सबके प्रति विद्वेष भाव नहीं रखती। सबसे स्नेह करती है,सबमें स्नेह बाँटती है वह प्यार व परिश्रम की प्रतिमूर्ति है। वह है तो धरती कायम है। उसके बिना सृष्टि सम्भव नहीं। वह सृजन का दूसरा नाम है। ऐसी स्नेहमयी, ऐसी ओजमयी, ऐसी तपोमयी, ऐसी महिमामयी नारी का जो अनादर करता है, उसे अयोग्य समझता है, उसे बोझ मानकर उससे छुटकारा चाहता है, उसे गर्भ में ही मार डालता है- उससे अधिक अभागा दुनिया में कोई नहीं, उससे बड़ा मूर्ख दुनियां में कोई नहीं और उससे बड़ा पापी दुनियां में कोई नहीं! धिक्कार है उस पर!!

(9) अनुशासन ही एक ऐसा गुण है जिसकी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पग-पग पर आवश्यकता रहती है। घर-परिवार में अनुशासन का बहुत महत्त्व है। बड़ों का आदर करना, छोटों को प्यार करना आदि परिवार के अनुशासन के अभिन्न अंग हैं। सड़क पर चलते समय यदि हम अनुशासन का पालन करेंगे अर्थात् सड़क पर चलने के नियमों का ध्यान रखेंगे तो दुर्घटना से स्वयं ही बच जायेंगे। खेल के मैदान में भी अनुशासन की आवश्यकता होती है। खिलाड़ियों का परम कर्त्तव्य होता है कि वे अनुशासित होकर खेलें। खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए न कि किसी को हानि पहुँचाने की चेष्टा करनी चाहिए। युद्ध के मैदान में भी जो सेना कंधे से कंधा मिलाकर, एकजुट होकर शत्रु से युद्ध करती है वहीं शत्रु पर विजय पाती है। अन्यथा जो सेना अव्यवस्थित होगी वह सेना देश की रक्षा नहीं कर पायेगी। आर्थिक क्षेत्र में देखें तो अनुशासित होकर धन को व्यय करने वाला ही समृद्ध बनता है। सामाजिक अनुशासन व्यक्ति में अच्छी बातों का विकास करता है जिससे वह अच्छा इन्सान बनता है।

(10) मैं पेड़ हूँ। बाग-बगीचों में, सड़कों के किनारे, जंगलों में, पहाड़ों पर, घरों में - सब जगह तुम मुझे देख सकते हो। मेरे भूरे तने तथा हरी-भरी लहराती घनी टहनियों से तुम मुझे दूर से पहचान लेते हो। मेरा आकार-प्रकार एक-सा नहीं है। मैं छोटा-बड़ा, मोटा-पतला कई तरह का हूँ। पीपल और बरगद का फैलाव देख तुम हैरान होते हो तो खजूर या नारियल की ऊँचाई भी तुम्हें हैरान कर देती है। मेरी हर प्रजाति हर जगह नहीं उग सकती। विशेष प्रकार की जलवायु में मेरी विशेष प्रजाति उग सकती है। इसलिए पहाड़ों पर पाए जाने वाले देवदारू के लम्बे-ऊँचे पेड़ रेगिस्तान में नहीं मिलते। अगली बार जब तुम माता-पिता के साथ किसी स्थान पर घूमने जाओ तो वहाँ के पेड़ों के बारे में जानकारी एकत्र करना न भूलना। मैं फूलदार भी होता हूँ, फलदार भी और कभी-कभी तो कांटेदार भी। आगे से मुझे हाथ लगाने से पहले ज़रा होशियार रहना।

(11) महान कार्य को करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण चीज़ आत्मविश्वास ही है। दुनिया में तीन तरह के लोग होते हैं। प्रथम कोटि में वे आते हैं जिनके मन में किसी काम को लेकर सर्वदा डर और संशय के बादल बने रहते हैं जो मन की एकाग्रता को बनने नहीं देते। ऐसे

लोग किसी भी कार्य को शुरू करने से हिचकिचाते रहते हैं। वे सोचते रहते हैं कि यदि अमुक कार्य किया गया तो न जाने कितनी हानि होगी, न जाने क्या बुरा घटित हो जायेगा। ऐसा सोच-सोच कर वे किसी भी कार्य को शुरू ही नहीं करते। इन्हें अधम कोटि में गिना जाता है। दूसरी कोटि में वे लोग आते हैं जो किसी काम को जैसे-तैसे शुरू तो करते हैं किन्तु थोड़ी-सी हानि देखकर घबरा जाते हैं, अगला कदम बढ़ाने से डरते रहते हैं कि कहीं और भी अधिक हानि न हो जाए! ऐसे लोग शुरू किए हुए कार्य को फिर बीच में अधूरा ही छोड़ देते हैं, इन्हें मध्यम कोटि में गिना जाता है। किन्तु कुछ ऐसे लोग होते हैं जिनमें अपार आत्मविश्वास होता है। ऐसे लोग जिस भी कार्य को आरम्भ करते हैं उसे हर कीमत पर पूरा करके ही दम लेते हैं। चाहे कितनी रुकावटें आ जाएँ, कितनी हानि ही क्यों न हो जाए, वे कार्य को बीच में नहीं छोड़ते। ऐसे लोगों की गणना उत्तम कोटि के लोगों में की जाती है।

(12) मनुष्य को इस संघर्षमय संसार में जीवन व्यतीत करते हुए अनेक अनुभवों का ज्ञान होता है। वह जीवन की कुछ कटु-स्मृतियों को भुलाने के लिए छटपटाता है। उसने जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए अनेक आविष्कार किए। उसने कठिन समय को सुगम और आनंदमय बनाने के लिए कई त्योहारों की नींव रखी। ये हमारे नीरस जीवन में आनंद और उमंग भर देते हैं। त्योहारों का समाज से सम्बन्ध किसी न किसी प्राचीन घटना, सांस्कृतिक परम्परा, अवतारी महापुरुष, राष्ट्रीयता, फसलों, ऋतुओं आदि से जुड़ा हुआ है। ये हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। एकता की कड़ी में बँधे रहने के लिए हमें उत्साहित भी करते हैं। पंजाब के कुछ मुख्य त्योहार बैसाखी, रक्षाबंधन, दीपावली, विजयदशमी, लोहड़ी और होली आदि हैं।

(13) विद्यार्थी जीवन में तो अनुशासन का बहुत महत्त्व है। अनुशासन के बिना विद्यार्थी जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। आज के विद्यार्थी कल के नेता हैं। उन्हें ही देश की बागडोर संभालनी है। विद्यार्थियों में आंतरिक अनुशासन इस तरह विकसित करना है कि वे अनुशासन को जीवन का महत्त्वपूर्ण अंग मानें। समय का सदुपयोग करना, कक्षा में शांतिपूर्वक बैठना, अध्यापकों की आज्ञा मानना, ध्यानपूर्वक पढ़ना आदि बातें विद्यार्थी के अनुशासन पालन के अन्तर्गत आती हैं। विद्यार्थी का मूल कर्त्तव्य है - विद्या को प्राप्त करना। विद्यार्थी जीवन उसके लिए एक तप की तरह है। उसे एक तपस्वी की तरह अपने तप को पूरा करना है। इस दौरान उसे व्यर्थ की बातों में न पड़कर अपने लक्ष्य तक पहुँचना है और यह तभी सम्भव है यदि वह अनुशासित होगा।

कक्षा बारहवीं

विषय – हिंदी

(1) कक्षा बारहवीं के प्रश्न नम्बर 1(i) समास/विग्रह से सम्बन्धित है। इस प्रश्न से सम्बन्धित उदाहरण/शब्द बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई व्याकरण की पुस्तक ''हिंदी भाषा बोध और व्याकरण'' में समुचित व पर्याप्त रूप से दिये गये हैं। अतएव व्याकरण की पुस्तक में दिए गए शब्दों/उदाहरणों में से कोई भी प्रश्न पाठ्यक्रमानुसार व प्रश्न-पत्र की रूपरेखानुसार पूछा जा सकता है। इसलिए इस प्रश्न से सम्बन्धित प्रश्न बैंक नहीं बनाया गया।

(2) कक्षा बारहवीं, प्रश्न 1(iii) अंग्रेज़ी के पारिभाषिक शब्दों से सम्बन्धित है जिनके हिंदी पर्याय लिखकर वाक्य बनाने के लिए कहा जायेगा। इस प्रश्न के लिए उपर्युक्त व्याकरण में पाठ्यक्रम में जो पारिभाषिक शब्द दिये गये हैं, उन्हीं में से प्रश्न पूछे जायेंगे। अतएव इसका भी प्रश्न बैंक नहीं बनाया गया।

(3) कक्षा बारहवीं, प्रश्न 2(क) तथा (ख) 'प्राचीन काव्य' तथा 'आधुनिक काव्य' के पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है। इसके लिए पाठ्यक्रम में दी गईं किसी भी कविता के दिए गए पद्यांशों में से प्रश्न पूछा जा सकता है। अतएव इसका भी प्रश्न बैंक नहीं बनाया गया है।

(4) कक्षा बारहवीं, प्रश्न-12 'निबन्ध रचना' से सम्बन्धित है। इसके लिए उपर्युक्त व्याकरण की पुस्तक में 17 निबन्धों को हल किया गया है अर्थात् 17 विषयों पर 'निबन्ध लेखन' किया गया है। इसके अतिरिक्त अभ्यास में 10 निबन्धों की सूची दी गयी है जिनका विद्यार्थी स्वयं लिखकर अभ्यास कर सकते हैं। इसे भी प्रश्न बैंक में शामिल नहीं किया गया।

(5) प्रश्न-15, छन्द एवं अलंकार से सम्बन्धित है। पाठ्यक्रम में 5 छन्द एवं 5 अलंकार हैं और प्रश्न-पत्र की रूपरेखा में स्पष्ट लिखा गया है कि किन्हीं दो छन्दों में से किसी एक छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखने के लिए कहा जायेगा अथवा किन्हीं दो अलंकारों में से किसी एक अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखने के लिए कहा जायेगा। अतएव इस प्रश्न का भी प्रश्न बैंक नहीं बनाया गया।

(1) प्रश्न 1(ii) : पद परिचय

(2) प्रश्न 3(क) : प्राचीन कविता से सम्बन्धित लघूत्तर प्रश्न

(ख) : आधुनिक कविता से सम्बन्धित लघूत्तर प्रश्न

(3) प्रश्न 4 : गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित प्रश्न

(4) प्रश्न 5 : निबन्धात्मक प्रश्न

(5) प्रश्न 6 : 'निबन्ध' से लघूत्तर प्रश्न

(6) प्रश्न 7 : 'कहानी' से लघूत्तर प्रश्न

(7) प्रश्न 8 : 'एकांकी' से लघूत्तर प्रश्न

(8) प्रश्न 9 : हिंदी साहित्य से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न (रीतिकाल)

(9) प्रश्न 10 : आधुनिक काल से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न

(10) प्रश्न 11 : रीतिकाल व आधुनिक काल से सम्बन्धित लघूत्तर प्रश्न

(11) प्रश्न 13 : पंजाबी से हिंदी में अनुवाद

(12) प्रश्न 14 : विज्ञापन और सूचना

प्रश्न – 1(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से रेखांकित पदों का परिचय दें –

1. सुधा पत्र लिखती है।
2. हम अपने देश पर मर मिटेंगे।
3. वाह! उपवन में सुन्दर पुष्प खिले हैं।
4. मैं रोज़ सुबह धीरे – धीरे चलता हूँ।
5. अंजु कलम से लिखती है।
6. हम पिछले साल तुम्हें इलाहाबाद में मिले थे।
7. वे मेला देखने गये।
8. अमिताभ बहुत बढ़िया नाचता है।
9. लोकेश बारहवीं कक्षा में प्रथम आया।
10. दूध के बिना बच्चा रोने लगा।
11. चार्वी पेंसिल से चित्र बनाती है।
12. दौड़कर जाओ और बाज़ार से समोसे ले आओ।
13. वह परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया।
14. वह प्रात:काल रोज़ भ्रमण के लिए जाता है।
15. संसार में हमेशा सच्चाई की जीत होती है।
16. मेरी बहन दसवीं कक्षा में पढती है।
17. वह विश्वास के योग्य नहीं है।
18. काली गाय अधिक दूध देती है।
19. मेहनत के बिना कभी सफलता नहीं मिलती।
20. वाह! यह कितनी मनोरंजक व बढ़िया किताब है।
21. अध्यापक बच्चों को पाठ पढ़ाता है।
22. वाह! बगीचे में सुन्दर फूल खिले हैं।

23. परिश्रम के बिना धन प्राप्त नहीं होता।
24. माँ ने बच्चे को पानी पिलाया।
25. बालक दूध पीता है।
26. वह भागकर गया और बाज़ार से जलेबियाँ ले आया।
27. वह कल बीमार था इसलिए स्कूल नहीं गया।
28. कल हमने लाल किला देखा।
29. मैं बारहवीं कक्षा में पढ़ता हूँ।
30. गुरु जी ने बालक को फल दिया।
31. रमेश बहुत चतुर बालक है।
32. अभिषेक सुन्दर लड़का है।
33. सफलता परिश्रमी के कदम चूमती है।
34. यह घड़ी मेरे मामा जी ने भेजी है।
35. वीर सिपाही अंत तक शत्रु से लड़ता रहा।
36. वह पुष्प के समान कोमल है।
37. मुकेश पढ़ता तो था किन्तु पास नहीं हुआ।
38. राम एवं लक्ष्मण वन को गये।
39. रजनीश चाय पीता है व राजीव कॉफी पीता है।
40. रमेश मुझसे दो वर्ष बाद मिला।
41. मुनीश ज़ोर से चिल्लाया।
42. वह वहाँ अचानक आ धमका।
43. आप दिल्ली जायेंगे या शिमला जायेंगे।
44. तुषार यहाँ आया था।
45. धोबी कपड़े धोता है।
46. बच्चों के द्वारा फल खाये जायेंगे।
47. लड़के द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है।
48. विजय ने अजय को मूर्ख बनाया।
49. किसान हल चलाता है।
50. राजा ने अपराधी को सजा दी।

प्रश्न – 3 (क) निम्नलिखित प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दें–

पाठ – 1 : सूरदास

1. 'विनय पद' के आधार पर सूरदास की भक्ति भावना को अपने शब्दों में स्पष्ट करें।
2. 'खेलन अब मेरी जात बलैया' में श्री कृष्ण खेलने क्यों नहीं जाना चाहते हैं? संकलित पद के आधार पर उत्तर दें।
3. 'जिय तेरे कछु भेद उपजि है जान परायो जायो' पंक्ति में श्री कृष्ण माँ यशोदा से क्या कहना चाहते हैं– 'परायो जायो' की व्याख्या करते हुए श्री कृष्ण जन्म की घटना का वर्णन करो।
4. सूरदास ने बाल क्रीड़ा का मनोवैज्ञानिक रूप से कैसे वर्णन किया है?
5. प्रभु की कृपा होने पर पंगु, अंधे, बहरे व गूँगे की दशा में क्या परिवर्तन आते हैं? 'विनय पद' के आधार पर उत्तर दीजिए।
6. कृष्ण की शिकायत पर नन्द बाबा ने क्या किया?
7. कृष्ण यशोदा से अपने ग्वाल सखाओं की क्या शिकायत करते हैं? कृष्ण की बातें सुनकर यशोदा की प्रतिक्रिया को अपने शब्दों में लिखिये।

पाठ – 2 : मीराबाई

8. मीराबाई ने ब्रजभूमि की पवित्रता व सुन्दरता का कैसे बखान किया है?
9. मीरा के विरह में अलौकिक प्रेम के दर्शन होते हैं – स्पष्ट करें।
10. मीरा ने 'वस्तु अमोलक दी मेरे सतगुरु' में किस अमूल्य वस्तु का वर्णन किया है?
11. पाठ्य-पुस्तक में संकलित पदों के आधार पर मीराबाई की भक्ति भावना एवं विरह का चित्रण करें।
12. मीराबाई को वृन्दावन क्यों अच्छा लगता है?
13. मीराबाई के दर्द का क्या कारण है। 'समर्पण' के आधार पर उत्तर दीजिए।
14. मीराबाई ने अपनी सेज सूली पर क्यों कही है? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।
15. मीरा वन-वन में क्यों भटकती रहती है?
16. मनुष्य भवसागर से पार कैसे उतर सकता है?

पाठ – 3 : बिहारी

17. बिहारी के भक्ति परक दोहों में श्रीकृष्ण के किस स्वरूप का चित्रण किया गया है? वर्णन करें।
18. बिहारी के भक्ति परक दोहों की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखें।
19. बिहारी के सौन्दर्य चित्रण में श्रीकृष्ण की तुलना किससे की गई है?

20. बिहारी ने गुणों के महत्त्व को बड़प्पन के लिए आवश्यक बताते हुए क्या उदाहरण दिया है? स्पष्ट करें।

21. बिहारी के अनुसार लालची व्यक्ति का कैसा स्वभाव होता है?

22. बिहारी ने व्यक्ति के बड़प्पन का आधार क्या बताया है?

23. बिहारी में गागर में सागर भर देने की विलक्षण प्रतिभा पाई जाती है - स्पष्ट करें।

24. बिहारी ने धन जोड़ने की उचित नीति क्या बतायी है?

पाठ – 4 : गुरु गोबिन्द सिंह

25. 'गुरु गोबिन्द सिंह' ने वर याचना के अन्तर्गत क्या वर माँगा है?

26. 'अकाल उस्तुति' में गुरु जी ने ईश्वर के स्वरूप का वर्णन कैसे किया है?

27. गुरु जी ने 'साँसारिक नश्वरता' के अन्दर किन-किन राजा, महाराजा, अभिमानी तथा बलि पुरुषों के उदाहरण दिए हैं, वर्णन करें।

28. 'भक्ति भावना' में गुरु जी ने मानव को प्रभु पर विश्वास रखने व अडिग रहने के लिए क्या सन्देश दिया है?

29. 'साँसारिक नश्वरता' में गुरु जी के कथ्य का प्रतिपादन कीजिए।

30. भक्ति-भावना के आधार पर ब्रह्म की उदारता एवं दयालुता का वर्णन कीजिए।

प्रश्न – 3 (ख) निम्नलिखित प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दें –

पाठ – 5 : मैथिलीशरण गुप्त (सखि वे मुझसे कहकर जाते)

1. 'सखि वे मुझसे कहकर जाते' कविता में यशोधरा को किस बात का दुःख है?

2. 'सखि वे मुझसे कहकर जाते' कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखो।

3. स्वयं सुसज्जित करके क्षण में, प्रियतम को प्राणों के पण में, हमें भेज देती हैं रण में क्षात्र धर्म के नाते - पंक्तियों में यशोधरा द्वारा कवि क्या सिद्ध करना चाहते हैं?

4. यशोधरा को उसके पति बिना बताए चले गए फिर भी वे उसे क्यों अच्छे लगते हैं?

पाठ – 6 : जयशंकर प्रसाद (सच्ची मित्रता)

5. मित्रता और शिष्टाचार में प्रसाद जी ने क्या अन्तर बतलाया है?

6. 'सच्ची मित्रता' क्या है? प्रस्तुत कविता के आधार पर स्पष्ट करें।

7. सच्चे मित्र में कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

8. सच्चा मित्र व्यक्ति के जीवन में क्या भूमिका निभाता है?

(याचना)

9. 'याचना' कविता में कवि ने प्रभु से क्या वरदान माँगा है?

10. प्राकृतिक आपदाओं के समय हमारी मनोदशा कैसी होनी चाहिए?

11. 'याचना' कविता में जयशंकर प्रसाद ने ईश्वर को किन-किन विशेषणों से अलंकृत किया है?

12. 'याचना' कविता में कवि का आशावादी दृष्टिकोण है - स्पष्ट करें।

पाठ – 7 : सुमित्रानंदन पंत (दो लड़के)

13. 'दो लड़के' कविता के आधार पर कवि के मानवतावादी दृष्टिकोण का परिचय दीजिए।

14. 'दो लड़के' कविता के प्रतिपाद्य को अपने शब्दों में लिखो।

15. 'दो लड़के' कविता का सार अपने शब्दों में लिखो।

16. 'दो लड़के' कविता के अनुसार लड़कों के लिए कौन-सी वस्तुएँ उनकी निधि हैं?

17. कवि ने शरीर और आत्मा में से किसकी आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी है और क्यों?

(सुख – दुःख)

18. 'सुख-दुःख' में कवि ने सुख और दुःख को क्या-क्या उपमाएँ दी हैं - स्पष्ट करें।

19. 'सुख-दुःख' कविता से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

20. 'सुख-दुःख' के सम्बन्ध में कवि की क्या कामना है?

पाठ – 8 : हरिवंशराय बच्चन (पौधों की पीढ़ियाँ)

21. 'पौधों की पीढ़ियाँ' में छोटे-छोटे सुशील और विनम्र पौधों का क्या कहना है?

22. 'बरगद का पेड़' किसका प्रतीक है? 'पौधों की पीढ़ियाँ' कविता के आधार पर स्पष्ट करें।

23. 'पौधों की पीढ़ियाँ' युग सत्य को उद्‌भासित करती हैं - स्पष्ट करें।

24. 'मधु पात्र टूटने' तथा 'मन्दिर के ढहने' के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

25. तने हुए उद्दण्ड पौधों द्वारा कवि किसकी बात करना चाहता है? स्पष्ट करें। कुछ पौधों ने अपने आपको बदकिस्मत क्यों कहा?

(अन्धेरे का दीपक)

26. 'अन्धेरे का दीपक' कविता का सार लिखो।

27. 'अन्धेरे का दीपक' कविता का केन्द्रीय भाव लिखें।

28. 'अन्धेरे का दीपक' कविता में कवि का आशावादी दृष्टिकोण साफ झलकता है - स्पष्ट कीजिए।

पाठ – 9 : सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' (साँप)

29. 'साँप' कविता का उद्देश्य स्पष्ट करें।

30. 'साँप' कविता का केन्द्रीय भाव लिखें।

31. 'साँप' कविता तथाकथित सभ्य व नगर समाज पर एक करारी चोट है। आप इससे कहाँ तक सहमत हैं?

(जो पुल बनायेंगे)

32. 'जो पुल बनायेंगे' कविता में कवि ने प्राचीन प्रतीकों के माध्यम से आज के युग सत्य को प्रकट किया है - स्पष्ट करें।

33. 'जो पुल बनायेंगे' कविता का भाव अपने शब्दों में लिखो।

पाठ – 10 : शिवमंगल सिंह 'सुमन' (चलना हमारा काम है)

34. 'चलना हमारा काम है' कविता आशा और उत्साह की कविता है - स्पष्ट करें।

35. 'चलना हमारा काम है' कविता का सार लिखो।

36. 'चलना हमारा काम है' कविता से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

37. जब तक न मंज़िल पा सकूँ, तब तक न मुझे विराम है - पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

38. कवि ने विकट परिस्थितियों में भी संतुलित रहने की क्या प्रेरणा दी है?

मानव बनो, मानव ज़रा

39. 'मानव बनो, मानव ज़रा' कविता का शीर्षक क्या सन्देश देता है? स्पष्ट करें।

40. 'मानव बनो, मानव ज़रा' कविता का सार लिखें।

41. आत्मनिर्भर होने में ही मनुष्य का सम्मान है - कविता के आधार पर स्पष्ट करें।

42. कवि निराशा को छोड़कर हुँकार की बात क्यों कहता है? 'धरा को उर्वरा' किस प्रकार किया जा सकता है? 'मानव बनो, मानव ज़रा' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

पाठ – 11 : गिरिजा कुमार माथुर (आदमी का अनुपात)

43. 'आदमी का अनुपात' कविता में कवि ने मानव की संकीर्ण सोच और उसकी अहं की भावना का चित्रण किया है। अपने शब्दों में लिखो।

44. विशाल संसार में मनुष्य का अस्तित्व क्या है? प्रस्तुत कविता के आधार पर लिखो।

45. 'आदमी का अनुपात' कविता का सार अपने शब्दों में लिखें।

पन्द्रह अगस्त

46. 'पन्द्रह अगस्त' माथुर जी की राष्ट्रवादी कविता है - स्पष्ट करें।

47. 'पन्द्रह अगस्त' कविता का सार लिखते हुए इसका प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

पाठ – 12 – धर्मवीर भारती (निर्माण योजना)

48. 'बाँध योजना' निर्माण योजना का प्रथम चरण है। कवि किस प्रकार का बाँध बाँधकर कौन-सी शक्ति पैदा करना चाहता है?

49. 'बाँध' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

50. 'यातायात' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

51. 'यातायात' कविता में स्वच्छन्द विचारधारा को फलने-फूलने का मौका देने की बात की गई है, इसे स्पष्ट करें।

52. 'कृषि' कविता में कवि ने विषमता, रूढ़िवादिता की फसलें काटने की बात की है। कवि किस प्रकार की खेती करना चाहता है और कैसे? स्पष्ट करें।

53. 'कृषि' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

54. 'स्वास्थ्य' कविता में भारती जी ने निर्माण योजना के अन्तिम चरण के रूप में अहम् के शिकार रोगियों के लिए अस्पतालों की व्यवस्था करने की बात की है। कवि का विचार स्पष्ट करें।

55. 'स्वास्थ्य' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

पाठ – 13 : डॉ० चन्द्र त्रिखा (जुगनू की दस्तक)

56. 'जुगनू की दस्तक' कविता के आधार पर बतायें कि नफरत की नदी कैसे पार की जा सकती है?

57. 'जुगनू की दस्तक' कविता में कवि क्या कहना चाहता है? स्पष्ट करें।

58. 'जुगनू की दस्तक' एक आशावादी प्रतीकात्मक कविता है, स्पष्ट करें।

59. 'जुगनू की दस्तक' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

(जीने को कुछ मानी दे)

60. 'जीने को कुछ मानी दे' कविता में 'धानी चूनर', 'तूफानी लम्हें' तथा 'सात समन्दर' किन अर्थों को व्यक्त करते हैं? स्पष्ट करें।

61. 'जीने को कुछ मानी दे' कविता में कवि क्या माँग रहा है? अपने शब्दों में लिखो।

62. 'जीने को कुछ मानी दे' कविता के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालें।

63. 'जीने को कुछ मानी दे' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

पाठ – 14 : गीता डोगरा (कच्चे रंग)

64. 'कच्चे रंग' कविता का सार अपने शब्दों में लिखो।

65. 'कच्चे रंग' कविता का शीर्षक कहाँ तक सार्थक है?

66. 'कच्चे रंग' कविता का भाव स्पष्ट करें।

67. 'कच्चे रंग' कविता में कौन-कौन से मानवीय रिश्तों का विवरण है?

प्रश्न – 4 निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करें –

(क) निबन्ध : पाठ – 15 : सच्ची वीरता

1. सच है, सच्चे वीरों की नींद आसानी से नहीं खुलती। वे सत्वगुण के क्षीर समुद्र में ऐसे डूबे रहते हैं कि उनको दुनिया की खबर ही नहीं रहती।

2. कायर पुरुष कहते हैं- 'आगे बढ़े चलो'। वीर कहते हैं- 'पीछे हटे चलो'। कायर कहते हैं- 'उठाओ तलवार'। वीर कहते हैं- 'सिर आगे करो'।

3. मगर वाह रे प्रेम! मस्त हाथी और शेर ने देवी के चरणों की धूल को अपने मस्तक पे मला और अपना रास्ता लिया। इसके वास्ते वीर पुरुष आगे नहीं, पीछे जाते हैं, भीतर ध्यान करते हैं, मारते नहीं मरते हैं।

4. पेड़ तो ज़मीन से इसे ग्रहण करने में लगा रहता है, उसे ख्याल ही नहीं होता कि मुझमें कितने फल या फूल लगेंगे और कब लगेंगे?

5. हर बार दिखावे और नाम की खातिर छाती ठोंककर आगे बढ़ना और फिर पीछे हटना पहले दर्जे की बुज़दिली है। वीर तो यह समझता है कि मनुष्य का जीवन ज़रा सी चीज़ है। वह सिर्फ एक बार के लिए काफी है। मानो इस बन्दूक में एक ही गोली है।

6. वीर पुरुष का दिल सबका दिल हो जाता है। उसका मन सबका मन हो जाता है। उसके ख़्याल सबके ख़्याल हो जाते हैं। उसके संकल्प सबके संकल्प हो जाते हैं। उसका बल सबका बल हो जाता है। वह सबका और सब उसके हो जाते हैं।

7. आजकल लोग कहते हैं कि काम करो, काम करो। पर हमें तो ये बातें निरर्थक मालूम होती हैं। पहले काम करने का बल पैदा करो, अपने अंदर ही अंदर वृक्ष की तरह बढ़ो।

8. अन्दर के केन्द्र की ओर अपनी चाल को उलटो और इस दिखावटी और बनावटी जीवन की चंचलता में अपने-आपको न खो दो। वीर नहीं तो वीरों के अनुगामी हो और वीरता के काम नहीं तो धीरे-धीरे अपने अंदर वीरता के परमाणुओं को जमा करो।

9. जब हम कभी वीरों का हाल सुनते हैं तब हमारे अंदर भी वीरता की लहरें उठती हैं और वीरता का रंग चढ़ जाता है। परन्तु वह चिरस्थायी नहीं होता। उसका कारण सिर्फ यही है कि हमारे भीतर वीरता का मसाला तो होता नहीं, हम सिर्फ ख़्याली महल उसके दिखलाने के लिए बनाना चाहते हैं।

10. द्वेष और भेद-दृष्टि छोड़ो, रोना छूट जायेगा। प्रेम और आनन्द से काम लो, शांति की वर्षा होने लगेगी और दुखड़े दूर हो जायेंगे। जीवन के तत्व का अनुभव करके चुप हो जाओ, वीर और गम्भीर हो जाओगे।

11. वीरों की, फकीरों की, पीरों की यह कूक है, 'हटो पीछे और अन्दर जाओ, अपने-आपको देखो, दुनिया और की और हो जायेगी। अपनी आत्मिक उन्नति करो।'

पाठ – 16 : क्या निराश हुआ जाए?

12. आरोप-प्रत्यारोप का कुछ ऐसा वातावरण बन गया है कि लगता है, देश में कोई ईमानदार आदमी ही नहीं रह गया है। हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। जो जितने ही ऊँचे पद पर है, उनमें उतने ही अधिक दोष दिखाए जाते हैं।

13. सामाजिक कायदे-कानून कभी युग-युग से परीक्षित आदर्शों से टकराते हैं, इससे ऊपरी सतह आलोड़ित भी होती है, पहले भी हुआ है, आगे भी होगा। उसे देखकर हताश हो जाना ठीक नहीं है।

14. अब भी सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और आध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए हैं। वे दब अवश्य गए हैं, लेकिन नष्ट नहीं हुए। आज भी वह मनुष्य से प्रेम करता है। महिलाओं का सम्मान करता है, झूठ और चोरी को ग़लत समझता है दूसरे को पीड़ा पहुँचाने को पाप समझता है।

15. समाचार-पत्रों में जो भ्रष्टाचार के प्रति इतना आक्रोश है, वह यही साबित करता है हम ऐसी चीज़ों को ग़लत समझते हैं और समाज से उन तत्त्वों की प्रतिष्ठा कम करना चाहते हैं जो ग़लत तरीके से धन या मान संग्रह करते हैं।

16. बुराई में रस लेना बुरी बात है, अच्छाई को उतना ही रस लेकर उजागर न करना और भी बुरी बात है। सैकड़ों घटनाएँ ऐसी घटती हैं, जिन्हें उजागर करने से लोक-चित्त में अच्छाई के प्रति अच्छी भावना जागती है।

17. धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है।

18. ''जीवन के महान मूल्यों के बारे में आस्था ही हिलने लगी है।''

19. केवल उन्हीं बातों का हिसाब रखो, जिनमें धोखा खाया है तो जीवन कष्टकर हो जायेगा, परन्तु ऐसी घटनाएँ भी बहुत कम नहीं हैं जब लोगों ने अकारण सहायता की है, निराश मन को ढाढस दिया है और हिम्मत बँधाई है।

पाठ – 17 – अगर ये बोल पाते : जलियाँवाला बाग़

20. सचमुच उस दिन मैं स्तब्ध रह गया था। बोलना तो दूर, मैं उस दृश्य को देख भी नहीं सकता था। मैं जैसे बेहोश हो गया था। लेकिन मैं भाग भी तो नहीं सकता था। विवश होकर मुझे वह देखना पड़ा और वह सुनना पड़ा जिसकी मिसाल शायद मेरे संसार में नहीं है।'

21. ऊपर उड़ता एक हवाई जहाज़ - पाश्व सत्ता का प्रतीक, नीचे मैं - चारों ओर से मंजिलों, इमारतों से घिरा हुआ। बाहर निकलने के एकमात्र मार्ग पर फौजी पहरा और ऊपर चबूतरे से गोली बरसाती फौज। काश, मैं गोलियों और जनता के बीच अड़ जाता! पर मैं तो जड़ बनकर रह गया था।

22. उसी समय जनरल ने हुक्म दिया- 'गोली नीचे चलाओ। बंदूकें नीचे कर लो।' वे गोलियाँ घनी भीड़ को छेदने लगीं। एक साथ कितने ही व्यक्तियों को उन्होंने भून दिया। मैंने देखा कि एक वृक्ष के पीछे लगभग बारह व्यक्ति जा छिपे थे। सैनिकों ने एक-एक करके उन सबको मार डाला।'

23. ओह! वह दृश्य देखकर मैं काँप गया। लाशों पर पैर रखकर लोग दीवार को फांद रहे थे। मेरे आँगन में एक कुआँ था। घबराकर लोग उसमें कूद पड़े। फिर जो कूदने वालों का ताँता लगा तो वे उसमें गिरते, कुचले जाते और मर जाते।

24. मरते हुए व्यक्तियों की सिसकियाँ और आहें बता रही थीं कि जैसे चारों ओर मौत का साम्राज्य है। मेरा सारा शरीर गोलियों से छलनी हो चुका था, लेकिन मैं आसानी से मरने वाला नहीं था। काश, यदि मर जाता तो यह दृश्य तो नहीं देख पाता!'

पाठ – 18 : समय नहीं मिला

25. मेरा तो यह भी अनुभव है कि जो लोग सचमुच बड़े हैं और बहुत व्यस्त रहते हैं उनका पत्र व्यवहार भी बहुत व्यवस्थित रहता है।

26. समय न मिलने का बहाना अक्सर अपनी कमज़ोरी और अनियमितता को ढाँपने के लिए दिया जाता है और तारीफ की बजाय यह एक शर्म की बात समझनी चाहिए, समय का अपमान करके न कोई बड़ा बन सका है और न बन सकेगा।

27. हम रुपया पैसा तो कमाते ही हैं और जितनी ज्यादा मेहनत करें उतना ही – अगर किस्मत खराब न हो – ज़्यादा धन कमा सकते हैं। लेकिन हज़ार परिश्रम करने पर भी क्या हम चौबीस घंटों को एक भी मिनट से बढ़ा सकते हैं?

28. धन की दुनिया में अमीर – गरीब, बादशाह – कंगाल का फर्क है। पर खुशक़िस्मती से समय के साम्राज्य में ऊँच – नीच का भेदभाव नहीं है। वक़्त के निज़ाम में सब बराबर हैं, उसमें आदर्श लोकतंत्र है।

29. अगर सिर्फ सुबह ही जल्दी उठना शुरू कर दें तो आप काफी समय बचा लेंगे और दिन भर स्फूर्ति भी महसूस करेंगे। बस खुशमिज़ाज रहकर और दूसरों को भी निभाकर आप अपने वक्त का जितना अच्छा उपयोग कर सकें, उतनी ही आपकी तारीफ़ है।

पाठ – 19 : शार्टकट सब ओर

30. एक गम्भीर दौड़ छिड़ गई है। हर कोई एक दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ में है। यह दौड़ कछुए और खरगोश की नहीं, बल्कि सिर्फ खरगोशों की दौड़ है।

31. आज मानव काम – काज के बोझ से इतना दब गया है कि शार्टकट के बिना उसकी गाड़ी आगे नहीं सरकती। उसका समूचा कार्य – व्यापार शार्टकट की कृपा से चलता है। उसका आना – जाना, उठना – बैठना, सोना – जागना, लिखना – पढ़ना, खाना – पीना, पहनना – ओढ़ना सब शार्टकट पर निर्भर है।

32. ज़माने का इन्कलाब देखिए। साहित्य के क्षेत्र में भी शार्टकट की नीति जोर पकड़ रही है। आज बड़े – बड़े ग्रन्थ कौन पढ़ता है, हाँ, पुस्तकालयों की अलमारियाँ ज़रूर इनसे सज जाती हैं। मार्केट में तो शार्टकट एवं लघु संस्करण ही चलते हैं। कुंजियों और नोटों की धूम मचती है।

33. मुक्तक रचना ने प्रबन्ध की कमर तोड़ दी है। एकांकी नाटक के प्राण हर रहा है। छोटी कहानी बड़ी का गला दबोच रही है। सच्चाई यह है कि साहित्य की प्रत्येक विधा को शिकंजे में कसकर शार्ट किये जा रहा है।

34. बुजुर्गों की कहावत है कि अपनी अक्ल और पराया धन किसी को शार्ट नहीं लगते। अक्लमंद होना तो दूर रहा जिनकी अक्ल का खाना ही खारिज होता है, वे भी अपने-आपको ब्रह्मा का अवतार समझते हैं।

35. ये महानुभाव अपना समग्र कार्य-व्यापार आँखों के इशारों में चलाते हैं। इनके पास बात करने की फुर्सत कहाँ! किसी उर्दू शायर ने सम्भवत: इनकी इस अदा पर कुर्बान होकर ही यह शेयर पढ़ा है-

ज़माने को फुर्सत नहीं गुफ्तगू की।
अरुसे सुखन ये इशारों के दिन हैं।।

पाठ – 20 : गुरु गोबिन्द सिंह

36. गुरु जी को चिन्तित देखकर बालक गोबिन्द राय ने कारण पूछा। कारण सुनकर बालक गोबिन्द एकदम बोल उठा, ''पिता जी, आपसे बढ़कर महान व्यक्ति कौन हो सकता है?''

37. इसी समय वे स्वयं गुरु गोबिन्द राय से गुरु गोबिन्द सिंह बन गए। इस प्रकार गुरु नानक की परम्परा में जो धर्म अब तक आध्यात्मिक प्रधान था, उसे गुरु ने वीरता का पाठ भी पढ़ा दिया।

38. जाति, व्यवसाय तथा प्रदेश के बन्धनों को तोड़कर जिन पाँच प्यारों के ऐक्य से उनके नए पंथ का निर्माण हुआ, वह अद्‌भुत सामाजिक समता के धरातल पर खड़ा हुआ। वे स्वयं इन पाँच प्यारों के आगे झुके और सम्पूर्ण समाज में उन्हें गौरवान्वित किया। खालसा का निर्माण करके गुरु गोबिन्द सिंह ने भक्ति और शक्ति को मिला दिया।

39. धन्य है उनका यह व्यापक एवं सहज आत्मीय दृष्टिकोण-अपने पुत्रों का बलिदान तथा शिष्यों को पुत्रों से भी बढ़कर समझना। विश्व के इतिहास में शायद ही ऐसा कोई उदाहरण मिले।

40. गुरु जी ने इन 40 शूरवीरों को चालीस मुक्ते की उपाधि दी और उस स्थान का नाम, जहाँ ये वीर शहीद हुए थे, मुक्तसर रखा।

41. 'इन पुत्रन के सीस पर वार दिए सुत चार। चार मुए तो क्या हुआ जीवित कई हज़ार।

(ख) कहानी भाग

पाठ – 21 : मधुआ

42. 'मौज बहार की एक घड़ी, एक लम्बे दु:खपूर्ण जीवन से अच्छी है। उसकी खुमारी में रूखे दिन काट लिए जा सकते हैं।'

43. 'सुनता है रे छोकरे। रोना मत, रोयेगा तो खूब पीटूँगा। मुझे रोने से बड़ा बैर है। पाजी कहीं का, मुझे भी रुलाने का.....'

44. 'नटखट कहीं का, हँसता है। सोंधी वास नाक में पहुँची न। ले खूब ठूँसकर खा ले और फिर रोया कि पीटा!'

45. 'सोचा था, आज सात दिन पर भर पेट पीकर सोऊँगा, लेकिन वह छोटा-सा, पाजी न जाने कहाँ से आ धमका।'

46. 'अच्छा तो आज से मेरे साथ-साथ घूमना पड़ेगा। यह कल तेरे लिए लाया हूँ। चल आज से तुझे सान देना सिखाऊँगा। कहाँ रहूँगा, इसका कुछ नहीं। पेड़ के नीचे रात बिता सकेगा न?'

47. बैठे-बैठाये यह हत्या कहाँ से लगी? अब तो शराब न पीने की मुझे भी सौगंध लेनी पड़ी।

पाठ – 22 : तत्सत

48. 'जब छोटा था, तब इन्हें देखा था। इन्हें आदमी कहते हैं। इनमें पत्ते नहीं होते, तना ही तना है। देखा वे चलते कैसे हैं? अपने तने की दो शाखों पर चलते चले जाते हैं।'

49. 'सच पूछो तो भाई, इतनी उमर हुई, उस भयावने वन को तो मैंने भी नहीं देखारू। सभी जानवर मैंने देखे हैं। शेर, चीता, भालू, हाथी, भेड़िया। पर वन नाम के जानवर को मैंने अब तक नहीं देखा।'

50. 'मालूम होता है, हवा मेरे भीतर के रिक्त में वन-वन-वन ही कहती हुई घूमती रहती है। पर ठहरती नहीं। हर घड़ी सुनता हूँ, वन है, वन है पर मैं उसे जानता नहीं हूँ। क्या वह किसी को दीखा है?'

51. 'ओ सिंह भाई, तुम बड़े पराक्रमी हो। जानते कहाँ-कहाँ छापा मारते हो। एक बात तो बताओ, भाई?'

52. देखते-देखते पत्तों की वह जोड़ी उद्ग्रीव हुई। मानो उसमें चैतन्य भर आया। उन्होंने अपने आस-पास और नीचे देखा। जाने उन्हें क्या दिखा कि वे काँपने लगे। उनके तन में लालिमा व्याप गई। कुछ क्षण बाद मानो वे एक चमक से चमक आए। जैसे उन्होंने खंड को कुल में देख लिया। देख लिया कि कुल है, खंड कहाँ है?

पाठ – 23 : ठेस

53. 'बड़ी बात ही है बिटिया, बड़े लोगों की बस बात ही बड़ी होती है। नहीं तो दो-दो पटेर की पाटियों का काम सिर्फ खंसारी का सत्तू खिलाकर कोई करवाए भला? यह तुम्हारी माँ ही कर सकती है।'

54. अरे बाप रे बाप! इत्ती तेज़ी! कोई मुफ़्त में तो काम नहीं करता। आठ रुपए में मोहर छाप वाली धोती आती है।..... इस मुँहझौंसे के न मुँह में लगाम है, न आँख में शील। पैसा खर्च करने पर सैकड़ों चिकें मिलेंगी। बाँतर टोली को औरतें सर पर गट्ठर लेकर गली-गली मारी फिरती हैं।

55. 'बबुआ जी। अब नहीं। कान पकड़ता हूँ, अब नहीं। मोहर छाप वाली धोती लेकर क्या करूँगा? कौन पहनेगा? ससुरी खुद मरी, बेटे बेटियों को भी ले गई अपने साथ? बबुआ जी

मेरी घरवाली ज़िन्दा रहती तो मैं ऐसी दुर्दशा भोगता? यह शीतलपाटी को छूकर कहता हूँ, अब यह काम नहीं करूँगा।''

56. खिड़की के पास खड़े होकर सिरचन ने हकलाते हुए कहा- यह मेरी ओर से है। सब चीज़ है दीदी। शीतलपाटी, चिक़ और एक जोड़ी आसनी कुश की। गाड़ी चल पड़ी।

पाठ – 24 : उपेक्षिता

57. 'कपड़े-लत्ते तो बेचारों ने बहुत अच्छे ही बनाये हैं, तैयारी तो लड़के की थी, पर हुई लड़की।'

58. 'लड़कियाँ तो पैदा होने के वक़्त से ही माँ का खून चूसने लगती हैं। जान बच जाये तो समझो बड़ी बात है।'

59. 'इसमें अज़ीब होने की क्या बात है, मैं तो इसे समझा रहा हूँ कि एक लड़की होने से घबराने की कोई आवश्यकता नहीं। उनकी ओर देखो जिनकी सात-सात लड़कियाँ हैं।'

60. 'हुआ क्या.....!', 'घबराते क्यों हो.....?', 'चिन्ता मत करो.....', 'कोई बात नहीं.....।' और कुछ ने लिखा है, 'बाप बनने की मुबारिक!' लड़की होने की बात कितनी खूबी से बचा गये।

61. 'ओ तींवी सुलछ्छनी, जेड़ी जम्मे पहली लछ्छमी।'

62. 'मैं तो कहती हूँ लड़की हो या लड़का, पर हो किस्मत वाला।'

(ग) एकांकी भाग

पाठ – 25 : वापसी

63. कई बार तो मना किया, समझाया, पैरों पड़ी, मिन्नत खुशामद की, पर कोई माने तब न? जो लत एक बार लग जाती है वह छूटती थोड़े ही है। मित्रों ने बर्मा में पिला-पिलाकर इन्हें बीमारी की डगर पर डाल दिया। रुपया इनका खर्च होता था, पीते सब थे।

64. और अब तक पीते हैं। हर समय आँखें लाल रहती हैं। मैंने तो समझा शायद इनकी आँखें ऐसी ही हों। पर एक दिन बोतल खोलते देखा, तब समझ में आया ये शराब पीते हैं।

65. देखूँ, कैश बॉक्स कैसे हथियाते हैं? खिलाएँ हम, रखे हम, प्यार करें हम, सेवा करें हम, दान पुण्य करें हम और माल ले जायें ये, जो उनके कुछ भी नहीं, नौकरों की तरह जिन्हें रखा, आज वे उनके सगे बन गए।

66. बड़े दुःख की बात है। एक प्राणी कष्ट में है, और आप लोग उसकी अवस्था से दुःखी होना तो दूर, आपस में उसके पैसे के लिए लड़ रहे हो।

67. तू समझता है कि तू जवान है और बलवान है तो याद रखियो, मैं भी कम नहीं हूँ। मैंने तेरे जैसे बहुत देखे हैं। रोज़ ऐसे चरकटों को चराना मेरा काम है। सीधी तरह कैश-बॉक्स दे दे,

नहीं तो ठीक नहीं होगा। वंशीधर, क्या देख रहा है? ये साले मुफ़्तखोर माल ले जायें और हम टापते रहें।

68. भाइयों, मनुष्य से बढ़कर रुपये नहीं है तुम लोगों को रायसाहब से प्रेम नहीं है, उनकी आत्मा अभी तक कष्ट में है, प्राण निकल रहे हैं, और तुमने रुपये के लिए हाथा-पाई, आपा-धापी शुरू कर दी। बड़ा खेद है।

69. मैं मरा नहीं, अभी ज़िन्दा हूँ। तुम्हारी परीक्षा ली थी। आज मेरी आँखें खुल गईं। मुझे मालूम हो गया, कौन कितने पानी में है! मैं तुम्हारा भाई भी नहीं। मैं वापिस बर्मा जाऊँगा।

पाठ – 26 : रीढ़ की हड्डी

70. यह बात दूसरी है बाबू रामस्वरूप, मैंने आपसे पहले भी कहा था, लड़की का खूबसूरत होना अति आवश्यक है। कैसे भी हो, चाहे पाउडर वगैरा लगाये चाहे वैसे ही। बात यह है कि हम-आप मान भी जायें, मगर घर की औरतें तो राज़ी नहीं होतीं। आपकी लड़की तो ठीक है?

71. .....और तुम उसकी माँ किस मर्ज़ की दवा हो? जैसे-तैसे करके तो वे लोग पकड़ में आये हैं। अब तुम्हारी बेवकूफी से सारी मेहनत बेकार जाये तो मुझे दोष मत देना।

72. अरे, मैंने तो पहले ही कहा था। इन्टर ही पास करा देते- लड़की अपने हाथ में रहती और इतनी परेशानी न उठानी पड़ती।

73. तुम्हें कतई अपनी ज़बान पर काबू नहीं है। कल ही यह बता दिया था कि उन लोगों के सामने ज़िक्र और ढंग से होगा। मगर तुम तो अभी से सब कुछ उगले जा रही हो। उनके आने तक तो न जाने क्या हाल करोगी?

74. जी हाँ, साफ बात है साहब, हमें ज़्यादा पढ़ी-लिखी लड़की नहीं चाहिए। मेम साहब तो रखनी नहीं, कौन भुगतेगा उसके नखरों को! बस हद-से-हद मैट्रिक पास होनी चाहिए..... क्यों शंकर?

75. .....हाँ, हाँ। वह भी सही है। कहने का अभिप्राय यह है कि कुछ बातें संसार में ऐसी हैं जो केवल मर्दों के लिए हैं और ऊँची शिक्षा भी ऐसी ही चीज़ों में से एक है।

76. अब मुझे कह लेने दीजिए बाबू जी। यह जो महाशय मेरे खरीददार बन कर आये हैं, इनसे ज़रा पूछिए कि क्या लड़कियों के दिल नहीं होता? क्या उनके चोट नहीं लगती?

77. जनाब मोर के पंख होते हैं, मोरनी के नहीं, शेर के बाल होते हैं, शेरनी के नहीं।

78. जब कुर्सी-मेज़ बिकती है, तब दुकानदार कुर्सी-मेज़ से कुछ नहीं पूछता, केवल खरीददार को दिखला देता है। पसन्द आ गई तो अच्छा है, वरना-

79. जी हाँ, और मेरी बेइज्ज़ती नहीं होती जो आप इतनी देर से नाप तोल कर रहे हैं?

80. जी हाँ, जाइए ज़रूर चले जाइए। लेकिन घर जाकर ज़रा यह तो पता लगाइएगा कि आपके लाडले बेटे की रीढ़ की हड्डी भी है या नहीं - यानी बैकबोन, बैकबोन।

प्रश्न – 5 निम्नलिखित प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दें–

(क) निबन्ध

पाठ – 15 : सच्ची वीरता

1. 'सच्ची वीरता' निबन्ध का सार अपने शब्दों में लिखें।
2. जापान के ओशियो की वीरता का उदाहरण प्रस्तुत निबन्ध के आधार पर लिखो।
3. 'सच्ची वीर पुरुष मुसीबत को मखौल समझते हैं' ईसा मसीह, मीराबाई और गुरु नानक देव के जीवन से उदाहरण देते हुए प्रस्तुत निबन्ध के आधार पर स्पष्ट करें।
4. एक बाग़ी गुलाम और एक बादशाह की बातचीत के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? 'सच्ची वीरता' निबन्ध के आधार पर उत्तर दीजिए।
5. मंसूर और दुनिया के बादशाह के माध्यम से लेखक क्या स्पष्ट करना चाहता है?
6. लेखक ने 'सच्ची वीरता' निबन्ध में आत्मिक उन्नति पर बल दिया है। स्पष्ट करें।
7. वीरता का विकास नाना प्रकार से होता है। 'सच्ची वीरता' निबन्ध के आधार पर स्पष्ट करें।

पाठ – 16 : क्या निराश हुआ जाए?

8. 'क्या निराश हुआ जाए?' निबन्ध का सार लिखो।
9. इस निबन्ध में द्विवेदी जी ने कुछ घटनाएँ दी हैं जो सच्चाई और ईमानदारी को उजागर करती हैं। उनमें से किसी एक घटना का वर्णन अपने शब्दों में करें।
10. मानवीय मूल्य से संबंधित यदि कोई ऐसी ही घटना आपके साथ घटित हुई हो, तो उसका वर्णन अपने शब्दों में करें।
11. भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्त्व नहीं दिया। स्पष्ट करें।
12. 'क्या निराश हुआ जाए?' निबन्ध से जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा होता है। स्पष्ट करें।

पाठ – 17 – अगर ये बोल पाते : जलियाँवाला बाग़

13. जलियाँवाला बाग़ में हुआ नरसंहार एक अमानवीय घटना थी। स्पष्ट करें।
14. लेखक ने जलियाँवाले बाग़ में घायल हुए लोगों की तथा मृत लोगों के परिजनों की मनोदशा का मार्मिक चित्रण किया है। स्पष्ट करें।
15. जलियाँवाले बाग़ को जहाँ शहीदों के प्रति सहानुभूति है वहीं अपनी जड़ता पर अफसोस भी है। स्पष्ट करें।

पाठ – 18 : समय नहीं मिला

16. 'समय नहीं मिला' निबन्ध का सार अपने शब्दों में लिखें।

17. 'समय धन से भी कहीं ज्यादा अहम् चीज़ है' – लेखक के इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?

18. 'समय नहीं मिला' निबन्ध में लेखक ने किस प्रकार ग़ैर-पाबन्द लोगों पर व्यंग्य करना है? स्पष्ट करें।

19. 'समय नहीं मिला' निबन्ध में नेताओं की ग़ैर-पाबन्दी का किस तरह वर्णन किया है?

पाठ – 19 : शार्टकट सब ओर

20. 'शार्टकट सब ओर' निबन्ध आज के युग का यथार्थ चित्रण है। इसमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शार्टकट अपनाकर आगे बढ़ने की प्रवृत्ति का वर्णन कैसे किया गया है?

21. 'शार्टकट सब ओर' निबन्ध का सार अपने शब्दों में लिखो।

22. 'शार्टकट सब ओर' निबन्ध का नाम इसके कथ्य को स्पष्ट करता है – वर्णन करें।

23. 'शार्टकट सब ओर' निबन्ध के आधार पर बतायें कि साहित्य जगत भी शार्टकट नीति से प्रभावित है।

पाठ – 20 : गुरु गोबिन्द सिंह

24. गुरु गोबिन्द सिंह के जन्म के समय की परिस्थितियों का वर्णन करते हुए उनके बाल्यकाल का वर्णन करो।

25. 'खालसा पन्थ की साजना' गुरु जी के जीवन की एक महत्त्वपूर्ण घटना है, अपने शब्दों में लिखो।

26. हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग़ बहादुर जी ने अपना बलिदान दे दिया – 'गुरु गोबिन्द सिंह' निबन्ध के आधार पर उत्तर दीजिए।

27. गुरु गोबिन्द सिंह ने पहाड़ी राजाओं पर युद्ध में कैसे विजय प्राप्त की?

(ख) कहानी

पाठ – 21 : मधुआ

28. 'मधुआ' कहानी के आधार पर 'मधुआ' का चरित्र चित्रण करो।

29. 'मधुआ' कहानी के आधार पर 'शराबी' का चरित्र चित्रण करें।

30. 'मधुआ' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें।

31. 'मधुआ' कहानी के माध्यम से प्रसाद जी ने समाज की कई समस्याओं का समाधान किया है– आपके विचार में वे समस्याएँ क्या हैं और लेखक ने उन्हें कैसे हल किया है?

32. 'मधुआ' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखें।

पाठ – 22 : तत्सत

33. 'तत्सत्' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखें।

34. 'तत्सत्' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें।

35. 'तत्सत्' कहानी के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालें।

36. व्यक्ति का अस्तित्व समग्र के एक खंड के रूप में इस प्रकार है जैसे वाटिका में एक पुष्प पादप का - 'तत्सत्' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

पाठ – 23 : ठेस

37. 'ठेस' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखो।

38. 'ठेस' कहानी कलाकार की संवेदनशीलता की कहानी है, स्पष्ट करें।

39. 'ठेस' कहानी में ग्राम्य जीवन की झांकियों का विवरण दीजिए।

पाठ – 24 : उपेक्षिता

40. 'उपेक्षिता' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखो।

41. 'परिवार में लड़की का पैदा होना ठीक क्यों नहीं समझा जाता', 'उपेक्षिता' कहानी के आधार पर इस तथ्य की पुष्टि करें।

42. लेखक ने 'उपेक्षिता' कहानी में लड़के-लड़की में अंतर को समाप्त करने की बात कही है- स्पष्ट कीजिए।

(ग) एकांकी भाग

पाठ – 25 : वापसी

43. 'वापसी' एकांकी का सार लिखो।

44. 'वापसी' एकांकी श्री उदय शंकर भट्ट का मानवीय सम्बन्धों के खोखलेपन पर एक व्यंग्य है, व्याख्या करें।

45. सिद्धेश्वर के चरित्र के द्वारा लेखक मानवीय मूल्यों की स्थापना करना चाहता है, कैसे?

46. 'वापसी' एकांकी के आधार पर दीनानाथ, अम्बिका, कृपानाथ तथा वंशीधर धन के लोभी तथा स्वार्थ की मूर्तियाँ हैं - स्पष्ट करें।

47. 'वापसी' एकांकी का कथ्य स्पष्ट करें।

पाठ – 26 : रीढ़ की हड्डी

48. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के आधार पर उमा का चरित्र चित्रण लिखें।

49. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में किस सामाजिक समस्या को छुआ गया है - आपके अनुसार इस समस्या का क्या हल है?

50. 'शंकर' शारीरिक व चारित्रिक दृष्टि से रीढ़ की हड्डी से विहीन है, आपका इसके बारे में क्या विचार है - शंकर का चरित्र-चित्रण लिखें।

51. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के पुरुष पात्रों की तीन-तीन चारित्रिक विशेषताएँ लिखें।

52. उमा के सशक्त चरित्र के माध्यम से लेखक नारी सशक्तिकरण का संदेश देना चाहता है? स्पष्ट करें।

प्रश्न – 6 निम्नलिखित प्रश्नों के लगभग 50 शब्दों में उत्तर दें–

(क) निबन्ध

पाठ – 15 : सच्ची वीरता

1. सच्चे वीर पुरुष का स्वभाव कैसा होता है?
2. 'वीर पुरुष का दिल सबका दिल हो जाता है।' लेखक पूर्ण सिंह की इस उक्ति का क्या भाव है?
3. 'सच्ची वीरता' निबन्ध में झूठे राजा व सच्चे राजा में लेखक ने क्या अंतर बताया है?
4. वीरता की नकल क्यों नहीं हो सकती? 'सच्ची वीरता' निबन्ध के आधार पर उत्तर दें।
5. लेखक ने सच्ची वीरता निबन्ध में कायर पुरुष और वीर पुरुष में क्या अंतर बताया है?
6. ओशियो को देखकर राजा क्यों डर गया? 'सच्ची वीरता' निबन्ध के आधार पर उत्तर दें।
7. लेखक ने निबन्ध में भौतिक विकास को त्यागकर आत्मिक विकास पर बल क्यों दिया?

पाठ – 16 : क्या निराश हुआ जाए?

8. आजकल चिन्ता का कारण क्या है? 'क्या निराश हुआ जाए?' निबन्ध के आधार पर उत्तर दें।
9. जीवन के महान् मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था क्यों हिलने लगी है?
10. वे कौन से विकार हैं जो मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं।?
11. धर्म और कानून में क्या अन्तर है? 'क्या निराश हुआ जाए?' निबन्ध के आधार पर उत्तर दें।
12. किसी ऐसी घटना का वर्णन करो जिससे लोक चित्त में अच्छाई की भावना जाग्रत हो।
13. ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है। स्पष्ट करें।
14. 'क्या निराश हुआ जाए?' निबन्ध में लेखक ने निकृष्ट आचरण कहा है?
15. भारत में कोटि-कोटि दरिद्रजनों की हीन अवस्था को दूर करने के लिए बनाये जाने वाले कायदे कानून सफल क्यों नहीं हो पाते?

पाठ – 17 – अगर ये बोल पाते : जलियाँवाला बाग़

16. जलियाँवाले बाग़ में सभा का आयोजन किस उद्देश्य से किया गया?
17. ब्रिटिश फौज के बाग़ में प्रवेश का चित्रात्मक वर्णन करो।
18. जलियाँवाले बाग़ में गोलियों की बौछार से बचने के लिए लोगों ने क्या किया?
19. जलियाँवाला बाग़ अंग्रेज़ी हमले से एकदम स्तब्ध क्यों हो गया था?

20. जलियाँवाला बाग़ में हुए महान बलिदान की नींव पर ही आज़ादी का महल खड़ा हुआ था। स्पष्ट करें।

पाठ – 18 : समय नहीं मिला

21. लेखक के अनुसार कौन से लोग बड़े हैं?
22. भारत और विदेश में समय की पाबंदी के संदर्भ में लेखक ने क्या विचार व्यक्त किए हैं?
23. विदेशों में लोग समय को किस प्रकार बर्बाद करते हैं?
24. इस निबन्ध से आपको क्या शिक्षा मिलती है?
25. लेखक ने समय के सदुपयोग के लिए क्या सुझाव दिया है?
26. लेखक के अनुसार समय न मिलने का बहाना अक्सर कौन से लोग बनाते हैं?
27. मीटिंगों में संयोजकों की गैर-पाबन्दी के कारण क्या हानि होती है?
28. ''पर मेहरबानी करके आप भी कहीं मशीन की तरह न बन जाएँ'' - से लेखक का क्या आशय है? स्पष्ट करें।

पाठ – 19 : शार्टकट सब ओर

29. शार्टकट को जीवन दर्शन के रूप में अपनाने का श्रीगणेश कब हुआ?
30. शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ रहे शार्टकट का वर्णन अपने शब्दों में करें।
31. 'शार्टकट सब ओर' में लेखक ने व्यंग्य के द्वारा शार्टकट के कुप्रभावों की ओर कैसे संकेत किया है? लेखक ने पुराने जमाने की शादी व मॉडर्न शादी में व्यंग्यात्मक ढंग से क्या अन्तर बताया है?
32. लेखक ने निबन्ध में शार्टकट द्वारा सफलता पाने की दौड़ में भाग लेने वालों को खरगोश क्यों कहा?

पाठ – 20 : गुरु गोबिन्द सिंह

33. 'जफ़रनामा' के विषय में आप क्या जानते हैं?
34. गुरु जी के मानवीय दृष्टिकोण का परिचय कैसे मिलता है? अपने शब्दों में लिखें।
35. बन्दा बैरागी कौन था? गुरु जी से उसकी भेंट का अपने शब्दों में वर्णन करें।
36. लेखक के अनुसार गुरु गोबिन्द सिंह जी का जन्म किसलिए हुए था?
37. जम्मू के सूबेदार के सेनापति तथा पहाड़ी राजाओं के बीच नादौन युद्ध में गुरु गोबिन्द सिंह जी ने पहाड़ी राजाओं की कैसे सहायता की?
38. गुरु गोबिन्द सिंह ने 'बेदावा' क्यों फाड़ दिया?
39. 'चालीस मुक्ते' से क्या अभिप्राय है? गुरु गोबिन्द सिंह निबन्ध के आधार पर उत्तर दें।
40. धन के लोभी गंगू ने गुरु जी के छोटे पुत्र ज़ोरावर सिंह, फ़तेह सिंह से क्या विश्वासघात किया?

प्रश्न – 7 निम्नलिखित प्रश्नों के लगभग 50 शब्दों में उत्तर दें –

पाठ – 21 : मधुआ

1. 'मधुआ' कहानी में लेखक ने एक बालक द्वारा शराबी के हृदय परिवर्तन का सुन्दर चित्रांकन किया है। स्पष्ट करें।
2. 'मधुआ' कहानी का नामकरण कहाँ तक सार्थक है?
3. 'मधुआ' कहानी द्वारा लेखक ने मद्य पान के कुप्रभावों को सामने रखते हुए दायित्व और स्नेह द्वारा इस समस्या का अनूठा समाधान ढूँढ़ा है – आपके इस विषय में क्या विचार हैं?
4. शराबी शराब की बोतल की जगह मिठाई-पूरी व नमकीन क्यों खरीदकर लाया?
5. मधुआ ठाकुर के पास दोबारा नौकरी करने की अपेक्षा शराबी के पास रहना क्यों पसन्द करता है?

पाठ – 22 : तत्सत

6. पशु और पेड़-पौधे वन के नाम से भयातुर क्यों होने लगे थे?
7. शिकारी प्रमुख द्वारा अपने साथियों की सलाह न मानने का क्या कारण था?
8. शिकारी जब पुनः वन में आए तो पशु और वनस्पतियाँ भड़क उठीं, क्यों?
9. पेड़-पौधे और पशु वन के अस्तित्व को क्यों नहीं मान रहे थे?
10. सिंह ने आदमी को चालाक जीव क्यों कहा?
11. जब बड़दादा ने साँप से वन के बारे में पूछा तो साँप ने क्या जवाब दिया?
12. जंगल के पशु और वनस्पतियों की वन के बारे में जिज्ञासा कैसे शान्त हुई?

पाठ – 23 : ठेस

13. 'ठेस' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार प्रकट करें।
14. 'ठेस' कहानी के आधार पर सिरचन का चरित्र चित्रण करें।
15. सिरचन किस बात से नाराज़ होकर काम छोड़ कर चला जाता है?
16. लेखक द्वारा मनाने पर भी न आने वाला सिरचन स्वयं ही मानू के लिए स्टेशन पर शीतलपाटी, चिक़ और एक जोड़ी आसनी कुश को क्यों पहुँचाता है? स्पष्ट करें?
17. खेतीबाड़ी के समय गाँव के किसान सिरचन की गिनती कामकाजी लोगों में क्यों नहीं करते?
18. सिरचन को अधिकतर लोग चटोरा क्यों समझते हैं?
19. 'ठेस' कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?
20. लेखक जब सिरचन को मनाने उसके घर गया तो सिरचन ने क्या कहा?

पाठ – 24 : उपेक्षिता

21. कमला का चरित्र चित्रण करें।

22. लेखक के मित्रों ने लड़की पैदा होने पर अपने उद्‌गार कैसे पेश किए?

23. कमला के माँ-बाप ने लड़की पैदा होने पर उसे कैसे सान्त्वना दी?

24. 'उपेक्षिता' कहानी में लेखक ने किस समस्या को उठाया है? स्पष्ट कीजिए।

25. लेखक ने अपनी नवजात बेटी के रूप का कैसे वर्णन किया है?

26. 'उपेक्षिता' कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

27. 'उपेक्षिता' कहानी के आधार पर लेखक का चरित्र चित्रण करें।

28. लेखक के पिता ने लेखक को लड़की होने की सूचना तार द्वारा देने से मना क्यों किया?

प्रश्न – 8 निम्नलिखित प्रश्नों के लगभग 50 शब्दों में उत्तर दें–

पाठ – 25 : वापसी

1. 'वापसी' एकांकी का प्रमुख पात्र कौन है? स्पष्ट करते हुए उसका चरित्र चित्रण करें।

2. 'वापसी' एकांकी का नामकरण कहाँ तक सार्थक है? स्पष्ट करें।

3. 'वापसी' एकांकी से क्या शिक्षा मिलती है, अपने शब्दों में लिखो।

4. निम्नलिखित का चरित्र चित्रण करें- (क) सिद्धेश्वर, (ख) राय साहब।

5. राय साहब ने अपने रिश्तेदारों के सामने अपने मरे होने का नाटक क्यों किया?

6. 'वापसी' एकांकी में जब राय साहब को डॉक्टर देखने आता है तो अम्बिका और दीनानाथ डॉक्टर की आवश्यकता अनुभव क्यों नहीं करते?

7. राय साहब वापिस बर्मा क्यों चले जाते हैं?

पाठ – 26 : रीढ़ की हड्डी

8. 'रीढ़ की हड्डी' किसका प्रतीक है? इसका अपने शब्दों में वर्णन करें।

9. 'लेकिन घर जाकर ज़रा यह तो पता लगाइए कि आपके लाड़ले बेटे की रीढ़ की हड्डी भी है या नहीं' - उमा के इन शब्दों का क्या अर्थ है - स्पष्ट करें।

10. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में लेखक क्या कहना चाहता है? अपने शब्दों में लिखें।

11. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के नाम की सार्थकता अपने शब्दों में लिखें।

12. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में विवाह के लिए लड़की देखने के समय लड़की के माँ-बाप की मानसिकता को कैसे दर्शाया है?

13. शंकर को लड़कियों के होस्टल से क्यों मुँह छिपाकर भागना पड़ा था?

14. लड़की के पिता ने लड़के के पिता को अपनी लड़की के बी०ए० पास होने की बात क्यों छिपायी?

15. लड़के का पिता लड़की के लिए उच्च शिक्षा ज़रूरी क्यों नहीं मानता?

16. लड़के वालों को लड़की वालों के घर से अपमानित होकर क्यों जाना पड़ा?

प्रश्न – 9 निम्नलिखित निबन्धात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए –

रीतिकाल से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न

1. रीतिकाल की राजनीतिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
2. रीतिकाल की सामाजिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
3. रीतिकाल की धार्मिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
4. रीतिकाल की कलात्मक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
5. रीतिकाल की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
6. रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य में अंतर स्पष्ट करें।
7. रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य में अंतर स्पष्ट करें।
8. कवि बिहारी का साहित्यिक परिचय दीजिए।
9. कवि भूषण का साहित्यिक परिचय दीजिए।
10. गुरु गोबिन्द सिंह जी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

प्रश्न – 10 निम्नलिखित निबन्धात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए –

आधुनिक काल से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न

1. आधुनिक काल की राजनीतिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
2. आधुनिक काल की सामाजिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
3. आधुनिक काल की धार्मिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
4. आधुनिक काल की आर्थिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
5. आधुनिक काल की साहित्यिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।
6. आधुनिक काल की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
7. भारतेन्दु युग के साहित्य की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
8. द्विवेदी युग के साहित्य की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
9. छायावादी साहित्य की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
10. प्रगतिवादी साहित्य की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
11. प्रयोगवादी साहित्य की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
12. नई कविता की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
13. कवि मैथिलीशरण गुप्त का साहित्यिक परिचय दीजिए।
14. कवि जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिए।
15. कवि सुमित्रानन्दन पंत का साहित्यिक परिचय दीजिए।
16. कवि हरिवंशराय बच्चन का साहित्यिक परिचय दीजिए।

प्रश्न – II निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

रीतिकाल के लघु प्रश्नोत्तर

1. रीतिकाल की समय-सीमा बताएँ।
2. ईस्वी सन् में कितने वर्ष जोड़ने पर विक्रमी संवत बनता है?
3. रीतिकाल में कितने प्रकार का काव्य रचा गया? उनके नाम लिखें।
4. रीतिकाल के किसी एक मुग़ल शासक का नाम बताएँ।
5. किसी एक रीतिबद्ध कवि का नाम लिखें।
6. किसी एक रीतिमुक्त कवि का नाम लिखें।
7. किसी एक रीतिसिद्ध कवि का नाम लिखें।
8. चिंतामणि रीतिसिद्ध कवि हैं अथवा रीतिबद्ध कवि हैं?
9. बिहारी रीतिसिद्ध कवि हैं अथवा रीतिमुक्त कवि हैं?
10. आलम रीतिबद्ध कवि हैं अथवा रीतिमुक्त कवि हैं?
11. रीतिकाल को अलंकृत काल नाम किसने दिया?
12. ताजमहल का निर्माण किसने करवाया?
13. रीतिकालीन किसी एक विश्व-प्रसिद्ध संगीतज्ञ का नाम लिखें।
14. रीतिकाल को शृंगारकाल नाम किसने दिया?
15. रीतिकाल को कलाकाल नाम किसने दिया?
16. रीतिकाल को रीतिकाल नाम किसने दिया?
17. रामकाव्य को आधार बनाकर लिखा गया केशवदास का काव्य कौन-सा है?
18. रसिकप्रिया किस कवि की रचना है?
19. रीतिकाल के किस कवि को कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है?
20. केशव को कठिन काव्य का प्रेत किस आलोचक ने कहा?
21. केशव किस नरेश के दरबार में रहते थे?
22. रीतिकाल का प्रवर्तक आचार्य कवि किसे माना जाता है?
23. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने किस कवि से रीतिकाल का आरम्भ माना?
24. कालक्रमानुसार रीतिकाल दूसरा काल है अथवा तीसरा?
25. रीतिकाल में राष्ट्रीय आदर्श लेकर चलने वाले किसी कवि का नाम बताएँ।
26. रीतिकालीन किसी एक संस्कृत आचार्य का नाम लिखें।
27. मम्मट रीतिकालीन हिंदी आचार्य रहे हैं अथवा संस्कृत आचार्य?
28. रीतिकाल में वीर रस में काव्य लिखने वाले किसी एक कवि का नाम बताएँ।

29. रीतिकाल में मुख्यत: कौन-सा रस प्रधान था?

30. रीतिकाल के किस कवि ने भक्ति, शृंगार और वीर तीनों में लिखा?

31. रीतिकाल के अधिकांश कवियों की भाषा कौन-सी है?

32. रामचन्द्रिका एक प्रबन्ध काव्य है अथवा काव्यशास्त्र?

33. नीतिपरक काव्य लिखने वाले किसी एक कवि का नाम बताएँ।

34. 'कविप्रिया' किस कवि की रचना है?

35. 'भाव विलास' किस कवि की रचना है?

36. 'रस विलास' किस कवि की रचना है?

37. 'भवानी विलास' किस कवि की रचना है?

38. 'बिहारी सतसई' किस कवि की रचना है?

39. 'शिवराज भूषण' किस कवि की रचना है?

40. 'शिवाबावनी' किस कवि की रचना है?

41. 'छत्रसाल दशक' किस कवि की रचना है?

42. घनानन्द की किसी एक रचना का नाम बताएँ।

43. शिवाजी की तलवार और भूषण की लेखनी दोनों राष्ट्र के लिए सजग थीं - यह पंक्ति किसके द्वारा कही गयी?

44. बिहारी को किसने राजकवि बनाया?

45. अकबर के बाद कौन राजा बना?

46. हिन्द की चादर किसे कहा जाता है?

47. रीतिकाल में बैजूबावरा एक संगीतज्ञ के रूप में जाने जाते हैं अथवा कवि के रूप में?

48. देह शिवा वर मोहि इहै शुभ कर्मन ते कबहुँ न टरौ-यह पंक्ति किसके द्वारा कही गयी है?

49. नहिं पराग नहिं मधुर मधु, नहिं विकास इहि काल - यह दोहे की पंक्ति किस कवि की है?

50. रीतिकाल की किसी एक सामाजिक कुरीति का नाम लिखें।

आधुनिक काल के लघु प्रश्नोत्तर

51. स्वतंत्रता का पहला संग्राम कब लड़ा गया?

52. बंगाल का विभाजन कब हुआ?

53. प्रथम महायुद्ध कब हुआ?

54. जलियाँवाला बाग़ हत्याकांड कब हुआ?

55. असहयोग आंदोलन कब और किसके नेतृत्व में हुआ?

56. भारत का चीन से युद्ध कब हुआ?
57. पाकिस्तान से भारत का पहला युद्ध कब हुआ?
58. पाकिस्तान से भारत का दूसरा युद्ध कब हुआ?
59. 'ब्रह्म समाज' के प्रवर्त्तक कौन थे?
60. 'ब्रह्म समाज' की स्थापना कब हुई?
61. 'प्रार्थना समाज' के प्रवर्त्तक कौन थे?
62. 'प्रार्थना समाज' की स्थापना कब हुई?
63. 'आर्य समाज' के प्रवर्त्तक कौन थे?
64. 'आर्य समाज' की स्थापना कब हुई?
65. इण्डियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना कब हुई?
66. भारतेन्दु युग की समय सीमा बताएँ।
67. द्विवेदी युग की समय सीमा बताएँ।
68. छायावादी युग की समय सीमा बताएँ।
69. प्रगतिवादी युग की समय सीमा बताएँ।
70. प्रयोगवाद युग की समय सीमा बताएँ।
71. नयी कविता का आरम्भ कब से माना जाता है?
72. आधुनिक हिंदी गद्य का जनक किसे माना जाता है?
73. भारतेन्दु युग किसके नाम पर रखा गया?
74. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की किसी एक रचना का नाम बताएँ।
75. द्विवेदी युग में किस बोली की प्रतिष्ठा हुई?
76. सुधार काल किसे कहा जाता है?
77. द्विवेदी युग की प्रमुख पत्रिका सरस्वती के सम्पादक कौन थे?
78. छायावाद के प्रवर्त्तक कौन थे?
79. प्रसाद के अतिरिक्त किसी अन्य छायावादी कवि का नाम बताएँ।
80. किसी एक प्रगतिवाद कवि का नाम बताएँ।
81. प्रयोगवाद के प्रवर्त्तक कौन थे?
82. अज्ञेय के अतिरिक्त किसी अन्य प्रयोगवादी कवि का नाम बताएँ।
83. गुप्त जी का पूरा नाम बताएँ।
84. हरिऔध जी का पूरा नाम बताएँ।
85. बच्चन जी का पूरा नाम बताएँ।

86. दिनकर जी का पूरा नाम बताएँ।

87. सुभद्राकुमारी जी का पूरा नाम बताएँ।

88. शिवमंगल सिंह जी का पूरा नाम बताएँ।

89. सुमित्रानन्दन पंत को किस रचना के लिए भारत सरकार का सबसे बड़ा पुरस्कार 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' मिला?

90. महादेवी वर्मा को पद्म भूषण कब मिला?

91. अज्ञेय जी का पूरा नाम बताएँ।

92. भारतेन्दु जी का पूरा नाम बताएँ।

93. कहानीकार मेंहदीरत्ता का पूरा नाम बताएँ।

94. प्रसाद का पूरा नाम बताएँ।

95. पंत का पूरा नाम बताएँ।

96. निराला का पूरा नाम बताएँ।

97. भारती जी का पूरा नाम बताएँ।

98. किस रचना पर महादेवी वर्मा को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला?

99. किसे 'आधुनिक युग की मीरा' कहा जाता है?

100. प्रसाद जी की किसी एक रचना का नाम बताएँ।

101. पंत जी की किसी एक रचना का नाम बताएँ।

102. जीने को कुछ मानी दे - कविता के कवि का नाम बताएँ।

103. 'उपेक्षिता' कहानी के लेखक कौन हैं?

104. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के रचनाकार का नाम बताएँ।

105. डॉ० संसारचन्द्र की किसी एक रचना का नाम लिखें।

106. 'मधुआ' कहानी के लेखक कौन हैं?

107. डॉ० हरिवंशराय बच्चन की किसी रचना का नाम बताएँ।

108. क्या निराश हुआ जाए निबन्ध के लेखक कौन हैं?

109. मैथिलीशरण गुप्त की किसी रचना का नाम बताएँ।

110. 'सखि वे मुझसे कहकर जाते' कविता के कवि का नाम लिखें।

प्रश्न – 13 निम्नलिखित गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद करें–

1. ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਇਸ ਧਰਤੀ ਦਾ ਇਹ ਨਾਂ ਤਾਂ ਮੁਸਲਮਾਨਾਂ ਦੇ ਆਉਣ ਨਾਲ ਪੰਜ + ਆਬ ਤੋਂ ਪ੍ਰਚਲਿਤ ਹੋਇਆ, ਪਰ ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਸ ਖਿੱਤੇ ਬਾਰੇ ਪੰਚਨਦ ਨਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਹਵਾਲੇ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹਨ। ਸਮੇਂ ਦੇ

ਬਦਲਣ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਇਹ ਭੂਗੋਲਿਕ ਖਿੱਤਾ ਸੰਸਾਰ ਦੇ ਪ੍ਰਾਚੀਨਤਮ ਵਿਕਸਿਤ ਮਹਾਨ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦਾ ਕੇਂਦਰ ਬਣ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

2. ਹਰ ਸਮਾਜ ਆਪਣੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਮੁਤਾਬਕ ਚਿੰਨ੍ਹਾਂ, ਪ੍ਰਤੀਕਾਂ, ਬਿੰਬਾਂ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਇੱਕ ਰਚਨਾ ਪ੍ਰਸਾਰ ਸਿਰਜਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਚਿੰਨ੍ਹ, ਪ੍ਰਤੀਕ, ਬਿੰਬ ਅਤੇ ਸੰਕਲਪ ਰਹਿਣ-ਸਹਿਣ ਦੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪਾਸਾਰ ਨੂੰ ਸਮਝਣ ਵਿੱਚ ਸਹਾਇਕ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਜਦੋਂ ਅਸੀਂ ਰਹਿਣ-ਸਹਿਣ ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਅਰਥਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਤਾਂ ਇਸ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਇਲਾਕੇ-ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਦੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰਿਕ ਵਿਰਸੇ ਦੀ ਝਲਕ ਵੇਖਦੇ ਹਾਂ।

3. ਪੰਜਾਬ ਵਿੱਚ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਬਾਣੀ ਦੇ ਤਿੰਨ ਉੱਚੇ ਆਦਰਸ਼, ਨਾਮ ਜਪੋ, ਕਿਰਤ ਕਰੋ, ਅਤੇ ਵੰਡ ਕੇ ਛਕੋ, ਪੰਜਾਬੀ ਰਹਿਣ-ਸਹਿਣ ਵਿੱਚ ਡੂੰਘੀਆਂ ਜੜ੍ਹਾਂ ਫੜ ਗਏ। ਪੰਜਾਬੀ ਕਿਰਤ ਕਰਕੇ ਖੁਸ਼ਹਾਲ ਉੱਚਾ ਜੀਵਨ ਮਿਆਰ ਜਿਊਣ ਲਈ ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਹਿੱਸੇ ਵਿੱਚ ਪੁੱਜਣ ਲੱਗੇ। ਪੰਜਾਬੀਆਂ ਨੇ ਹਰ ਕੰਮ, ਹਰ ਧੰਦੇ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਮਿਹਨਤ ਨਾਲ ਨਾਮਣਾ ਖੱਟਿਆ।

4. ਮੇਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਜਾਤੀ ਖੁੱਲ੍ਹ ਕੇ ਸਾਹ ਲੈਂਦੀ ਲੋਕ-ਪ੍ਰਤਿਭਾ ਨਿਖਰੱਦੀ ਤੇ ਚਰਿੱਤਰ ਦਾ ਨਿਰਮਾਣ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਮਨ-ਪਰਚਾਵੇ ਤੇ ਮੇਲ-ਜੋਲ ਦੇ ਸਮੂਹਿਕ ਵਸੀਲੇ ਹੋਣ ਨਾਲ ਮੇਲੇ ਧਾਰਮਿਕ ਤੇ ਕਲਾਤਮਿਕ ਭਾਵਾਂ ਦੀ ਵੀ ਤ੍ਰਿਪਤੀ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਹਨਾਂ ਵਿੱਚ ਜਾਤੀ ਦਾ ਸਮੁੱਚਾ ਮਨ ਤਾਲ ਬੱਧ ਹੋ ਕੇ ਨੱਚਦਾ ਤੇ ਇੱਕਸੁਰ ਹੋ ਕੇ ਗੂੰਜਦਾ ਹੈ।

5. ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਜਾਂ ਮਨੁੱਖ ਜੀਵਨ ਵਿੱਚ ਵਾਪਰੀ ਕਿਸੇ ਘਟਨਾ ਦਾ ਸੰਬੰਧ ਜਦੋਂ ਕਿਸੇ ਦੂਸਰੀ ਘਟਨਾ ਨਾਲ ਜੁੜ ਗਿਆ ਤਾਂ ਮਨੁੱਖ ਸਮਾਨ ਸਥਿਤੀਆ ਵਿੱਚ ਅਜਿਹੀਆਂ ਹੀ ਘਟਨਾਵਾਂ ਦੇ ਵਾਪਰਨ ਬਾਰੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਕਰਨ ਲੱਗ ਪਿਆ। ਉਸ ਨੇ ਇੱਕ ਘਟਨਾ ਨੂੰ ਦੂਸਰੀ ਦਾ ਕਾਰਨ ਮੰਨ ਲਿਆ। ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਨਾਲ ਅੰਤਰ ਕਿਰਿਆ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਨਾਲ ਇਹ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਬਣਨੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਏ।

6. ਲੋਕ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਵਹਿਮ-ਭਰਮ ਅੱਜ ਵੀ ਸਾਡੇ ਲੋਕ-ਜੀਵਨ ਦਾ ਜੀਵੰਤ ਅੰਗ ਹਨ। ਜਨਮ, ਵਿਆਹ ਅਤੇ ਮਰਨ ਦੇ ਸੰਸਕਾਰ ਅੱਜ ਵੀ ਸ਼ਰਧਾ ਭਾਵਨਾ ਨਾਲ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਦੇ ਇਲਾਜ ਲਈ ਬਹੁਗਿਣਤੀ ਅੱਜ ਵੀ ਉਹਨਾ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਇਲਾਜ ਵਿਧੀਆਂ ਵਿੱਚ ਯਕੀਨ ਰੱਖਦੀ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਆਧਾਰ ਲੋਕ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਹਨ।

7. ਆਮ ਤੌਰ 'ਤੇ ਇਹ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਲੋਕ-ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਵਹਿਮ ਭਰਮ ਮਨੁੱਖ ਦੀ ਨਿਮਨ ਬੋਧਿਕ ਅਵਸਥਾ ਦੀ ਉਪਜ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਅਤੀਤ ਵਿੱਚ ਕਾਫ਼ੀ ਮਹੱਤਤਾ ਹੈ ਜਾਂ ਲੋਕ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਵਹਿਮ-ਭਰਮ ਉਹਨਾ ਸਮਾਜਾਂ ਦੀ ਹੀ ਜੀਵਨ ਜਾਚ ਦਾ ਅੰਗ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਆਦਿਮ ਕਾਲੀਨ ਸਮਾਜਾਂ ਨਾਲ ਕਾਫ਼ੀ ਮਿਲਦੇ ਜੁਲਦੇ ਹਨ।

8. ਲੋਕ-ਖੇਡਾਂ ਵਿੰਚ ਖਿਡਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਇੱਕਤਰ ਕਰਨ ਦਾ ਢੰਗ ਵੀ ਬਹੁਤ ਦਿਲਖਿੱਚਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਕੁਝ ਬੱਚੇ ਕਿਸੇ ਉੱਚੀ ਜਗ੍ਹਾ 'ਤੇ ਖੜ੍ਹੇ ਹੋ ਕੇ ਉੱਚੀ ਸੁਰ ਵਿੱਚ ਲੈ ਮਈ ਬੋਲ ਉਚਾਰਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸੁਣ ਕੇ ਬੱਚੇ ਚੋਰੀ-ਛਿਪੀ, ਬਹਾਨੇ ਨਾਲ ਘਰਾਂ ਤੋਂ ਨਿਕਲ ਕੇ ਖੇਡ ਵਿੱਚ ਆ ਸ਼ਾਮਲ ਹੁੰਦੇ ਹਨ।

9. ਲੋਕ-ਗੀਤ, ਲੋਕ-ਮਨਾਂ ਦੇ ਅਜਿਹੇ ਸੁੱਚੇ ਪ੍ਰਗਟਾਵੇ ਹਨ ਜੋ ਸੁੱਤੇ ਸਿੱਧ ਲੋਕ ਹਿਰਦਿਆਂ ਵਿੰਚੋਂ ਝਰਨਿਆਂ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਝਰ ਕੇ ਲੋਕ-ਚੇਤਿਆਂ ਦਾ ਅੰਗ ਬਣਦੇ ਹੋਏ ਪੀੜ੍ਹੀ-ਦਰ-ਪੀੜ੍ਹੀ ਅਗੇਰੇ ਪਹੁੰਚਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਕਿਸੇ ਕੌਮ ਦਾ ਅਣਵੰਡਿਆ ਕੀਮਤੀ ਸਰਮਾਇਆ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਕਿਸੇ ਬੋਲੀ ਦੇ ਸਾਹਿਤ ਦੀ ਇਹ ਅਜਿਹੀ ਪਲੇਠੀ ਕਿਰਤ ਹੁੰਦੇ ਹਨ।

10. ਨਕਲਾਂ ਵਿੱਚ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵੀ ਅਹਿਮ ਭੂਮਿਕਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਅਦਾਕਾਰਾਂ ਤੇ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਦਾ ਆਪਸ ਵਿੰਚ ਬੜਾ ਗੂੜਾ ਸੰਬੰਧ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਦਰਸ਼ਕ ਜਦ ਜੀਅ ਚਾਹਵੇ ਨਕਲਾਂ ਵਿੱਚ ਦਖ਼ਲ ਅੰਦਾਜ਼ੀ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਜਦੋਂ ਨਕਲੀਏ ਪਿੜ ਲਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਦਰਸ਼ਕ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਇਰਦ-ਗਿਰਦ ਜੁੜਨੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

11. ਕੱਲ ਐਤਵਾਰ ਸੀ। ਇਹ ਛੁੱਟੀ ਦਾ ਦਿਨ ਸੀ। ਮੇਰੇ ਘਰ ਵਿੱਚ ਪਾਰਟੀ ਸੀ। ਇਹ ਮੇਰੇ ਜਨਮ ਦਿਨ ਦੀ ਪਾਰਟੀ ਸੀ। ਉੱਥੇ ਇਕ ਕੇਕ ਸੀ, ਜਿਸ ਉੱਤੇ ਬਾਰਾਂ ਮੋਮਬੱਤੀਆਂ ਸਨ। ਉੱਥੇ ਮਿਠਾਈਆਂ ਤੇ ਬਿੱਸਕੁਟ ਸਨ। ਮੇਰੀ ਮਾਤਾ ਜੀ ਨੇ ਮੋਮਬੱਤੀਆਂ ਬਾਲੀਆਂ। ਮੈਂ 11 ਮੋਮਬੱਤੀਆਂ ਬੁੱਝਾ ਦਿੱਤੀਆਂ। ਮੈਂ ਕੇਕ ਕੱਟਿਆ। ਮੇਰੇ ਮਿੱਤਰ ਗਾ ਰਹੇ ਸਨ, "ਜਨਮਦਿਨ ਦੀ ਲੱਖ-ਲੱਖ ਵਧਾਈ ਹੋਵੇ"। ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਬਹੁਤ ਖੁਸ਼ ਸੀ। ਪਰ ਮੈਨੂੰ ਆਪਣੇ ਪਿਤਾ ਜੀ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਸਭ ਤੋਂ ਚੰਗੇ ਮਿੱਤਰ ਰਾਜੂ ਦੀ ਯਾਦ ਆਈ। ਮੇਰੀ ਮਾਤਾ ਜੀ ਨੇ ਅੰਤ ਵਿਚ ਸਭ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕੀਤਾ।

12. ਅੱਜ 26 ਜਨਵਰੀ ਦਾ ਦਿਨ ਹੈ। ਸਾਡਾ ਸ਼ਹਿਰ ਬੜਾ ਸਾਫ ਸੁਥਰਾ ਦਿਖਾਈ ਦੇ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪੁਰਸ਼ਾਂ, ਇਸਤਰੀਆਂ ਅਤੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੇ ਨਵੇਂ-ਨਵੇਂ ਕਪੜੇ ਪਾਏ ਹੋਏ ਹਨ। ਉਹ ਸਾਰੇ ਪਰੇਡ ਗਰਾਉਂਡ ਵੱਲ ਜਾ ਰਹੇ ਸਨ। ਉੱਥੇ ਸਿੱਖਿਆ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਆ ਰਹੇ ਹਨ। ਉਹ ਸਾਡਾ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਝੰਡਾ ਲਹਿਰਾਉਣਗੇ। ਜਦ ਮੈਂ ਗਰਾਉਂਡ ਵਿਚ ਪੁੱਜਿਆ, ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਮੰਚ ਉੱਤੇ ਸਨ। ਉਹ ਝੰਡੇ ਦੀ ਰੱਸੀ ਖਿੱਚ ਰਹੇ ਸਨ। ਝੰਡਾ ਉਪਰ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਡਾ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਝੰਡਾ ਹੈ। ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਝੰਡੇ ਨੂੰ ਸਲਾਮੀ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ। ਲੋਕ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਗੀਤ ਗਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮੰਤਰੀ ਜੀ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਿਤ ਕੀਤਾ। ਭਾਰਤ ਦੋ ਸੌ ਸਾਲਾਂ ਤੱਕ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਸ਼ਾਸਨ ਦੇ ਅਧੀਨ ਰਿਹਾ। ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਸਾਡੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਲਈ ਲੜੇ। ਸਾਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਾਗ-ਡੋਰ ਹੇਠ ਅਜ਼ਾਦੀ ਮਿਲੀ। ਉਹ ਸਾਡੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਪਿਤਾ ਹਨ। ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੇ ਮਹਾਨ ਨੇਤਾਵਾਂ ਤੇ ਮਾਣ ਹੈ।

13. ਪੰਡਿਤ ਜਵਾਹਰ ਲਾਲ ਨਹਿਰੂ ਸਿਰਫ਼ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਸਾਰੇ ਸੰਸਾਰ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਹਨ। ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਪਿਤਾ ਪੰਡਿਤ ਮੋਤੀ ਲਾਲ ਨਹਿਰੂ ਇਕ ਨਾਮੀ ਵਕੀਲ ਸਨ ਅਤੇ ਰਾਜਸੀ ਜੀਵਨ ਵਤੀਤ ਕਰਦੇ ਸਨ। ਸੰਨ 1921 ਵਿੱਚ ਗਾਂਧੀ ਜੀ ਨੇ ਭਾਰਤ ਦੀ ਅਜ਼ਾਦੀ ਲਈ ਅੰਦੋਲਨ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ। ਪਿਤਾ ਵਾਂਗ ਪੁੱਤਰ ਨੇ ਵੀ ਇਸ ਵਿੱਚ ਭਾਗ ਲਿਆ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਵੀਰਤਾ ਦਾ ਪਰਿਚੈ ਦਿੱਤਾ। ਸਾਰਿਆਂ ਨੇ ਅਨੇਕ ਕਸ਼ਟ ਸਹੇ, ਪਰ ਭਾਰਤ ਮਾਤਾ ਦੀ ਸੇਵਾ ਤੋਂ ਮੁੱਖ ਨਹੀਂ ਮੋੜਿਆ। ਨਹਿਰੂ ਜੀ ਸੱਚਮੁਚ ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਰਤਨ ਹਨ।

14. ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਇੱਕ ਸਧਾਰਨ ਪੁਰਖ ਨਹੀਂ ਸਨ। ਉਹ ਇੱਕ ਅਵਤਾਰ ਪੁਰਖ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਸੁਧਾਰਕ ਸਨ। ਉਹ ਏਕਤਾ, ਸਮਾਨਤਾ, ਪ੍ਰੇਮ, ਸਚਾਈ ਅਤੇ ਸ਼ਾਂਤੀ ਦੇ ਪ੍ਰਤੀਕ ਸਨ। ਉਹ ਉਸ ਸਮੇਂ ਪੈਦਾ ਹੋਏ, ਜਦ ਲੋਕ ਭਰਮਾਂ ਅਤੇ ਝੂਠੇ ਗੀਤੀ ਰਿਵਾਜ਼ਾਂ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਰੱਖਦੇ ਸਨ। ਉਹ ਰੱਬ ਨੂੰ ਭੁੱਲ ਚੁੱਕੇ ਸਨ। ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਅਜਿਹੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸੱਚਾ ਰਾਹ ਵਿਖਾਇਆ। ਉਹਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸੱਚਾ ਧਰਮ ਅਤੇ ਪੂਜਾ ਮਨੁੱਖਤਾ ਨਾਲ ਪ੍ਰੇਮ ਕਰਣਾ ਹੈ। ਇਹ ਸਾਨੂੰ ਆਪਸ ਵਿੱਚ ਮਿਲਾਉਂਦਾ ਹੈ ਨਾ ਕਿ ਵੱਖ ਵੱਖ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇੱਕ ਵਾਰ ਕਿਸੇ ਨੇ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੁੱਛਿਆ ਕਿ ਹਿੰਦੂ ਵੱਡੇ ਹਨ ਜਾਂ ਮੁਸਲਮਾਨ। ਉਹਨਾਂ ਉੱਤਰ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਨੇਕ ਕਰਮ ਤੋਂ ਬਗੈਰ ਦੋਵੇਂ ਹੀ ਚੰਗੇ ਨਹੀਂ ਹਨ।

15. ਪਿਆਰੇ ਮਾਸੀ ਜੀ, ਮੈਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ ਤੁਸੀਂ ਸੁਗਾਤ ਵਜੋਂ ਜੋ ਵੀ ਕੁਝ ਦੇਵੋਗੇ, ਮੇਰੇ ਲਈ ਬਹੁਤ ਉਪਯੋਗੀ ਤੇ ਕੀਮਤੀ ਹੋਵੇਗਾ। ਪਰ ਚੰਗਾ ਹੋਵੇ ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਮੈਨੂੰ ਸੁਗਾਤ ਵਜੋਂ ਕੁਝ ਚੰਗੀਆਂ ਪੁਸਤਕਾਂ ਭੇਜ ਸਕੋ। ਸਾਡੇ ਅਧਿਆਪਕ ਜੀ ਦਸਦੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਚੰਗੀਆਂ ਪੁਸਤਕਾਂ ਨਾ ਕੇਵਲ ਗਿਆਨ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ਸਗੋਂ ਹਮੇਸ਼ਾ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਦਾ ਸੋਮਾ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ।

16. ਪੜ੍ਹਾਈ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣਾ ਗਲਤ ਗੱਲ ਨਹੀਂ, ਪਰ ਕੇਵਲ ਪੜ੍ਹਾਈ ਹੀ ਸਭ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਖੇਡਾਂ ਵੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਅੰਗ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਤਾਂ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਸਰੀਰਿਕ ਸਿੱਖਿਆ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦਾ ਇੱਕ ਵਿਸ਼ਾ ਵੀ ਹੈ। ਅਰੋਗ ਸਰੀਰ ਵਿੱਚ ਹੀ ਅਰੋਗ ਮਨ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਸਿਹਤ ਠੀਕ ਰੱਖਣ ਲਈ ਖੇਡਾਂ ਵੱਲ ਵੀ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ।

17. ਆਪਣੇ ਪਿੰਡ ਦੇ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਸਕੂਲ ਦਾ ਦਰਜਾ ਵਧ ਗਿਆ ਹੈ। ਹੁਣ ਇਹ ਹਾਈ ਸਕੂਲ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ 14-15 ਅਧਿਆਪਕ ਅਤੇ ਅਧਿਆਪਕਾਵਾਂ ਹਨ। ਮੈਂ ਅਤੇ ਛੋਟੀ ਭੈਣ ਸਰਬਜੀਤ ਵੀ ਇੱਥੇ ਹੀ

ਪੜ੍ਹਦੇ ਹਾਂ। ਪਿੰਡ ਦੇ ਕੁਝ ਘਰਾਂ ਵਿੱਚ ਬਿਜਲੀ ਤੁਹਾਡੇ ਇੱਥੇ ਹੁੰਦਿਆਂ ਹੀ ਆ ਗਈ ਸੀ। ਹੁਣ ਹਰ ਘਰ ਬਿਜਲੀ ਹੈ।

18. ਘਰ ਵਾਂਗ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਵੀ ਸਫ਼ਾਈ ਬੜੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਕੂੜਾ ਕਰਕਟ ਵਧੇਰੇ ਕਰਕੇ ਪਾਟੇ ਹੋਏ ਕਾਗਜ਼ਾਂ ਆਦਿ ਦਾ ਹੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਜੇ ਹਰ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਅਜਿਹਾ ਕੂੜਾ-ਕਰਕਟ ਖਿਲਾਰਨ ਤੋਂ ਸੰਕੋਚ ਕਰੇ ਤਾਂ ਗੰਦਗੀ ਬਹੁਤ ਘੱਟ ਫੈਲੇਗੀ। ਕੁਝ ਮਿੱਟੀ-ਘੱਟਾ ਤੇਜ਼ ਹਵਾ ਚੱਲਣ ਨਾਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਲਈ ਹਰ ਰੋਜ਼ ਸਫ਼ਾਈ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ।

19. ਦੱਸਵੀਂ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਨਿਕਲ ਆਇਆ ਹੈ। ਆਪ ਨੇ ਮੇਰਾ ਨਤੀਜਾ ਵੇਖ ਹੀ ਲਿਆ ਹੋਵੇਗਾ। ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਵਿੱਚ ਆਪ ਵੱਲੋਂ ਕਰਵਾਈ ਮਿਹਨਤ ਅਤੇ ਸੂਝ ਭਰੀ ਅਗਵਾਈ ਸਦਕਾ ਮੇਰੀ ਫ਼ਸਟ ਡਵੀਜ਼ਨ ਆ ਗਈ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਯਾਦ ਹੈ ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹਾਉਂਦੇ ਸਮੇਂ ਆਪ ਸਾਨੂੰ ਉੱਚੀ ਵਿੱਦਿਆ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਦਿੰਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਸੀ। ਹੁਣ ਮੈਂ ਇੱਕ ਵਾਰ ਫਿਰ ਆਪਣੀ ਉਚੇਰੀ ਵਿੱਦਿਆ ਸੰਬੰਧੀ ਆਪ ਤੋਂ ਸਲਾਹ ਲੈਣੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ।

20. ਆਮ ਤੌਰ 'ਤੇ ਲੜਕੀ ਵਾਲੇ ਆਪ ਵੀ ਲੜਕੇ ਵਾਲੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਲੜਕੀ ਦਾ ਸਵਾਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਦੋਂ ਤੱਕ ਹੀ ਉਹ ਦਾਜ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਜਦੋਂ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਮੁੰਡੇ ਦੀ ਵਾਰੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਦਾਜ ਲੈਣ ਦਾ ਲਾਲਚ ਤਿਆਗ ਨਹੀਂ ਸਕਦੇ। ਅਜਿਹੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਕਥਨੀ ਅਤੇ ਕਰਨੀ ਵਿੱਚ ਅੰਤਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਅਜਿਹੇ ਲੋਕਾਂ ਤੋਂ ਬਚਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

21. ਦਿਵਾਲੀ ਭਾਵੇਂ ਰਾਤ ਨੂੰ ਮਨਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਪਰ ਇਸ ਦਾ ਚਾਅ ਸਵੇਰ ਤੇ ਹੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਲੋਕ ਬਜ਼ਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਮਠਿਆਈ, ਆਤਿਸ਼ਬਾਜ਼ੀ ਆਦਿ ਖ਼ਰੀਦਦੇ ਹਨ। ਕਈ ਆਪਣੇ ਸਨੇਹੀਆਂ ਨੂੰ ਮਠਿਆਈਆਂ ਦੇ ਡੱਬੇ ਭੇਟ ਕਰਕੇ ਸ਼ੁਭ-ਇੱਛਾਵਾ ਦਿੰਦੇ ਹਨ। ਕਈ ਥਾਂਵਾਂ 'ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮੇਲੇ ਵੀ ਲਗਦੇ ਹਨ। ਬਜ਼ਾਰਾਂ ਦੀ ਰੌਣਕ ਵੇਖਣਯੋਗ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

22. ਗੁਰੂ ਜੀ ਨੇ ਆਪ-ਆਪਣੇ ਜੀਵਣ ਦੇ ਕੁਝ ਸਾਲ ਖਾਲਸਾ-ਪੰਥ ਸਜਾਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਕਾਂਤ ਵਿੱਚ ਪਹਾੜੀ ਟਿੱਲੇ ਪਰ ਗੁਜ਼ਾਰੇ ਸਨ। ਇਸ ਸਮੇਂ ਆਪ ਨੇ ਕਈ ਪੁਸਤਕਾਂ ਰਚੀਆਂ ਅਤੇ ਕਈ ਬਹੁ-ਮੁੱਲੇ ਹਿੰਦੀ ਤੇ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਗ੍ਰੰਥਾਂ ਦੇ ਤਰਜਮੇ ਕੀਤੇ ਤੇ ਹੋਰਾਂ ਤੋਂ ਵੀ ਕਰਵਾਏ। ਅਫ਼ਸੋਸ ਕਿ ਇਹ ਭਾਰੀ ਵਿੱਦਿਆ ਦਾ ਖਜ਼ਾਨਾ ਅਨੰਦਪੁਰ ਦੀ ਲੜਾਈ ਮਗਰੋਂ ਸਰਸਾ ਨਦੀ ਦੀ ਭੇਂਟ ਹੋ ਗਿਆ।

23. ਸੰਤੁਲਿਤ-ਖੁਰਾਕ ਉਹ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਮਨੁੱਖ ਦੇ ਸਰੀਰ ਨੂੰ ਰਿਸ਼ਟ-ਪੁਸ਼ਟ ਰੱਖਣ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦੇ ਸਾਰੇ ਤੱਤ ਹੋਣ। ਹਰ ਵਿਅਕਤੀ ਲਈ, ਖ਼ਾਸ ਕਰਕੇ ਬੱਚਿਆਂ ਲਈ, ਸੰਤੁਲਿਤ ਖੁਰਾਕ ਦੀ ਬਹੁਤ ਲੋੜ ਹੈ। ਆਮ ਖਾਧੀ ਜਾਂਦੀ ਖੁਰਾਕ ਸੰਤੁਲਿਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਕਈ ਕਾਰਨ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇੱਕ ਕਾਰਨ ਇਸ ਪੱਖ ਬਾਰੇ ਅਗਿਆਨਤਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ।

24. ਅਜ਼ਾਦ ਭਾਰਤ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਵਿੱਚ ਮੌਲਾਨਾ ਆਜ਼ਾਦ ਨੂੰ ਸਿੱਖਿਆ ਮੰਤਰੀ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ। ਆਪ ਨੇ ਸਿੱਖਿਆ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਦੇ ਸੁਧਾਰ ਵੱਲ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ। ਵਿਗਿਆਨ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਨੂੰ ਜਾਣਦੇ ਹੋਏ, ਦੇਸ਼ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਲਈ ਕਈ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਵਿਗਿਆਨ-ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਸਥਾਪਿਤ ਕੀਤੀਆਂ। ਮੌਲਾਨਾ ਅਜ਼ਾਦ ਫਰਵਰੀ 1958 ਤੱਕ ਸਿੱਖਿਆ ਮੰਤਰੀ ਦੇ ਪਦ 'ਤੇ ਰਹੇ। 22 ਫਰਵਰੀ 1958 ਨੂੰ ਆਪਦਾ ਦੇਹਾਂਤ ਹੋ ਗਿਆ।

25. ਅਹਿੰਸਾ ਦਾ ਤੱਤ ਬੜਾ ਡੂੰਘਾ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿੱਚ ਉਤਾਰਨਾ ਬੜਾ ਹੀ ਔਖਾ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਠੀਕ ਨਾ ਸਮਝਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ਹੀ ਕੁਝ ਲੋਕ ਇਸ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਮਰਯਾਦਾ ਦਾ ਹਾਸਾ ਉਡਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਪਹਿਲੀ ਗੱਲ ਇਹ ਮੰਨ ਲੈਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਹਿੰਸਾ ਵਿੱਚ ਕਾਇਰਤਾ ਹੈ, ਅਹਿੰਸਾ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ। ਜਿੱਥੇ ਕਾਇਰਤਾ ਆ ਗਈ ਉੱਥੇ ਅਹਿੰਸਾ ਰਹਿ ਨਹੀਂ ਸਕਦੀ।

26. ਗੁਰੂ ਜੀ ਬੜੀ ਸੋਚ ਵਿਚਾਰ ਪਿੱਛੋਂ ਇਸ ਸਿੱਟੇ 'ਤੇ ਪੁੱਜੇ ਕਿ ਤਾਲੀਮ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦਾ ਸ਼ੌਕ ਸਿੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਆਮ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਹ ਆਪ ਹਿੰਦੀ, ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ, ਫ਼ਾਰਸੀ, ਅਰਬੀ ਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ ਉੱਚ ਵਿਦਵਾਨ ਸਨ।

ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਕਵੀ ਦਰਬਾਰਾਂ ਦਾ ਰਿਵਾਜ਼ ਇਸ ਲਈ ਚਲਾਇਆ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਵਿੱਦਿਆ ਨਾਲ ਸ਼ੌਕ ਪੈਦਾ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਇਹਨਾਂ ਦਰਬਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਬੜੀ ਉੱਚ ਕੋਟੀ ਦੇ ਸ਼ਾਇਰ ਇੱਕਠੇ ਹੁੰਦੇ। ਕਵਿਤਾ ਅਤੇ ਲੇਖਣੀ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਹੁੰਦੇ।

27. ਤੇਰੀ ਸਿਹਤ ਪਹਿਲਾਂ ਵੀ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਸੀ ਰਹਿੰਦੀ। ਮੈਂ ਤੈਨੂੰ ਕਈ ਵਾਰ ਲਿਖ ਚੁੱਕੀ ਹਾਂ ਕਿ ਤੂੰ ਆਪਣੀ ਸਿਹਤ ਵੱਲ ਪੂਰਾ ਧਿਆਨ ਦਿਆ ਕਰ। ਤੰਦਰੁਸਤ ਸਰੀਰ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਪੜ੍ਹਾਈ ਵੀ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕਦੀ। ਪਿਛਲੀਆਂ ਛੁੱਟੀਆਂ ਵਿੱਚ ਜਦੋਂ ਮੈਂ ਪਿੰਡ ਆਈ ਸਾਂ ਤਾਂ ਵੇਖਿਆ ਸੀ ਕਿ ਤੂੰ ਪੜ੍ਹਾਈ ਵਿਚ ਏਨੀ ਰੁੱਝੀ ਰਹਿੰਦੀ ਸੈਂ ਕਿ ਕਿਤਾਬੀ ਕੀੜਾ ਜਾਪਦੀ ਸੀ।

28. ਜੀਵਣ ਵਿੱਚ ਸਫ਼ਲਤਾ ਦੇ ਬੁਨਿਆਦੀ ਨਿਯਮਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਹੈ ਸਮੇਂ ਦਾ ਪਾਬੰਦ ਹੋਣਾ। ਇਸ ਦਾ ਅਰਥ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਅਸੀਂ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਮਿਲਣ ਦਾ ਸਮਾਂ ਦਿੱਤਾ ਹੋਵੇ, ਜਾਂ ਕੋਈ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦਾ ਸਮਾਂ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕੀਤਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਸ ਸਮੇਂ ਤੇ ਪੂਰਾ ਉਤਰਿਆ ਜਾਵੇ। ਸਮੇਂ ਦੀ ਪਾਬੰਦੀ ਦੇ ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਲਾਭ ਵੀ ਹਨ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਵੀ। ਇਸ ਅਨੁਸਾਰ ਸਮੇਂ ਨੂੰ ਵਿਉਂਤਬਧ ਢੰਗ ਨਾਲ ਬਤੀਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

29. ਆਮ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਸਫ਼ਾਈ ਸੇਵਕ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਚੰਗੇ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਸਫ਼ਾਈ ਦਾ ਬਹੁਤਾ ਕੰਮ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਕੋਲੋਂ ਹੀ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਸਫ਼ਾਈ ਆਪ ਕਰਨ ਦੀ ਜਾਂਚ ਆਉਂਦੀ ਹੈ। ਕਈਆਂ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਸਫ਼ਾਈ ਮੁਕਾਬਲੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਹਰ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਆਪਣੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਨੂੰ ਇੱਕ ਪਾਸੇ ਘੱਟ ਗੰਦਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਸਾਫ਼ ਰੱਖਣ ਦੀ ਪੂਰੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ।

30. ਮੈਂ ਉੱਚੀ ਵਿੱਦਿਆ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਕੇ ਅਧਿਆਪਕ ਬਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ। ਸੋ, ਮੈਂ ਸੋਚਿਆ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਫ਼ਰਮ ਵਿੱਚ ਜਾਂ ਜਿੱਥੇ ਵੀ ਮਿਲੇ, ਨੌਕਰੀ ਕਰ ਲਵਾਂ, ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਈਵਨਿੰਗ ਕਾਲਜ ਵਿੱਚ ਦਾਖ਼ਲ ਹੋ ਜਾਵਾਂ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਨ ਨਾਲ ਮੈਂ ਘਰ ਦੇ ਖ਼ਰਚਾਂ ਲਈ ਸਹਾਇਤਾ ਵੀ ਕਰ ਸਕਾਂਗਾ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਵਾਸਤੇ ਖ਼ਰਚ ਵੀ ਕੱਢ ਸਕਾਂਗਾ।

31. ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਮਹੱਲੇ ਦੀਆਂ ਗਲੀਆਂ ਅਤੇ ਨਾਲੀਆਂ ਦੀ ਹਾਲਤ ਬਹੁਤ ਖ਼ਰਾਬ ਹੈ। ਗਲੀਆਂ ਵਿੱਚ ਥਾਂ ਥਾਂ ਟੋਏ ਪੈ ਗਏ ਹਨ। ਇਹਨਾਂ ਟੋਇਆਂ ਵਿੱਚ ਬਰਸਾਤ ਦੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ ਬਾਰਸ਼ ਦਾ ਪਾਣੀ ਖਲੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੱਛਰ ਬਹੁਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਦੂਜੀ ਵੱਡੀ ਤਕਲੀਫ਼ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਸਾਈਕਲ, ਸਕੂਟਰ, ਰਿਕਸ਼ੇ ਆਦਿ ਇਸ ਗਲੀ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਚੱਲ ਸਕਦੇ।

32. ਪਿਛਲੇ ਮਹੀਨੇ ਸਾਡੇ ਮੱਹਲੇ ਦੇ ਦੋ ਬੱਚੇ ਸਕੂਲ ਪੜ੍ਹਨ ਗਏ। ਉਹ ਚੋਥੀ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹਦੇ ਸਨ। ਸ਼ਾਮ ਤੱਕ ਉਹ ਸਕੂਲ ਤੋਂ ਵਾਪਸ ਨਾ ਆਏ। ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਤੋਂ ਪੁੱਛ ਪੜਤਾਲ ਕਰਨ 'ਤੇ ਪਤਾ ਲੱਗਾ ਕਿ ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਛੁੱਟੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਉਹਨਾਂ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਇਕ ਬੰਦੇ ਨਾਲ ਗੱਲਾ ਕਰਦਿਆਂ ਵੇਖਿਆ ਸੀ। ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਦਾ ਸ਼ੱਕ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਬੰਦੇ ਕੋਲ ਉਹ ਖਲੋਤੇ ਸਨ ਉਹੋ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਲਾਲਚ ਦੇ ਕੇ ਆਪਣੇ ਨਾਲ ਲੈ ਗਿਆ।

33. ਸਨਿਮਰ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਆਪ ਜੀ ਦੇ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਬਾਰ੍ਹਵੀਂ ਦਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਹਾਂ। ਮੇਰੇ ਪਿਤਾ ਜੀ ਸਟੇਟ ਬੈਂਕ ਆਫ਼ ਪਟਿਆਲਾ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਖੇ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਪਿਛਲੇ ਮਹੀਨੇ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਬਦਲੀ ਲੁਧਿਆਣੇ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਹੁਣ ਮੇਰਾ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹਾਈ ਜਾਰੀ ਰੱਖਣਾ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਮੈਂ ਹੁਣ ਲੁਧਿਆਣੇ ਜਾ ਕੇ ਹੀ ਪੜ੍ਹ ਸਕਾਂਗਾ। ਕ੍ਰਿਪਾ ਕਰਕੇ ਮੈਨੂੰ ਸਕੂਲ ਛੱਡਣ ਅਤੇ ਚਰਿੱਤਰ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦਿੱਤੇ ਜਾਣ।

34. ਨਾਨਕ ਸਿੰਘ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਨਾਵਲਕਾਰ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਉਹ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿੱਚ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਧ ਨਾਵਲ ਲਿਖਣ ਵਾਲੇ ਅਤੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਧ ਪੜਿਆ ਜਾਣ ਵਾਲਾ ਨਾਵਲਕਾਰ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਨਾਵਲਾਂ ਬਾਰੇ ਆਮ ਪਾਠਕਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਭਾਵ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇੱਕ ਵਾਰੀ ਪੜ੍ਹਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਤਾਂ ਮੁੱਕਣ ਤੱਕ ਛੱਡਣ ਨੂੰ ਮਨ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ। ਨਾਨਕ ਸਿੰਘ ਪੰਜਾਬੀ ਦਾ ਹਰਮਨ ਪਿਆਰਾ ਲੇਖਕ ਹੋਇਆ ਹੈ।

35. ਬੇਨਤੀ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਦੋ ਮਹੀਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਪੰਚਾਇਤ ਨੇ ਇਹ ਫੈਸਲਾ ਕੀਤਾ ਸੀ ਕਿ ਸਾਰੇ ਪਿੰਡ ਦੀਆਂ ਗਲੀਆਂ ਤੇ ਨਾਲੀਆਂ ਪੱਕੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਪਰ ਅਫਸੋਸ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਵੱਲ ਕੋਈ ਧਿਆਨ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਅਗਲੇ ਮਹੀਨੇ ਬਰਸਾਤਾਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਣਗੀਆਂ ਤੇ ਬਰਸਾਤਾਂ ਵਿੱਚ ਕੱਚੀਆਂ ਗਲੀਆਂ ਤੇ ਨਾਲੀਆਂ ਕਾਰਨ ਸਾਰੇ ਪਿੰਡ ਵਿੱਚ ਰਸਤੇ ਖਰਾਬ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਗਲੀਆਂ ਤੇ ਨਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਪੱਕਾ ਕਰਨ ਦਾ ਕੰਮ ਜਲਦੀ ਆਰੰਭਿਆ ਜਾਵੇ।

36. ਕਈ ਲੋਕ ਇਸ ਭੁਲੇਖੇ ਵਿੱਚ ਹਨ ਕਿ ਜਿੰਨੇ ਜੀਅ ਘਰ ਵਿੱਚ ਹੋਣਗੇ ਉੱਨੇ ਕਮਾਉਣਗੇ ਅਤੇ ਆਮਦਨੀ ਬਹੁਤੀ ਹੋਵੇਗੀ। ਅਜਿਹੇ ਲੋਕ ਪਰਿਵਾਰ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਦੀਆਂ ਤੰਗੀਆਂ ਤੋਂ ਅਣਜਾਣ ਹਨ। ਸਾਰੇ ਦੇਸ਼-ਵਾਸੀਆਂ ਨੂੰ ਇਸ ਸਮੱਸਿਆ ਬਾਰੇ ਸੁਚੇਤ ਹੋ ਕੇ ਆਪਣੇ ਪਰਿਵਾਰ ਛੋਟੇ ਰੱਖਣ ਲਈ ਜਤਨ ਕਰਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

37. ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਜਾਣ ਕੇ ਬਹੁਤ ਦੁੱਖ ਹੋਇਆ ਕਿ ਤੂੰ ਗਿਆਰਵੀਂ ਜਮਾਤ ਵਿਚੋਂ ਫੇਲ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੈਨੂੰ ਪੱਤਾ ਹੈ ਕਿ ਪੇਪਰਾਂ ਤੋਂ ਦੋ ਮਹੀਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਤੂੰ ਸਖ਼ਤ ਬਿਮਾਰ ਹੋ ਗਿਆ ਸੀ। ਮੈਂ ਸਮਝਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਵਿੱਚ ਤੇਰਾ ਕੋਈ ਕਸੂਰ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਤੇਰੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਬਹੁਤ ਪਛੜ ਗਈ ਸੀ। ਤੂੰ ਇਸ ਗੱਲ ਨੂੰ ਦਿਲ ਤੇ ਨਾ ਲਗਾਈ। ਹਿੰਮਤ ਰੱਖ ਤੇ ਪੜ੍ਹਾਈ ਕਰ।

38. ਕਿਸੇ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਇਤਿਹਾਸ ਕਾਫ਼ੀ ਹੱਦ ਤੱਕ ਉਸ ਦੇ ਇਸਤਰੀ ਪੁਰਸ਼ਾਂ ਦਾ ਇਤਿਹਾਸ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਹੀ ਉਸ ਨੂੰ ਘੜਿਆ, ਸੰਵਾਰਿਆ ਅਤੇ ਉਸ ਦਾ ਵਿਕਾਸ ਕੀਤਾ । ਆਮ ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਇਹ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਇਹਨਾਂ ਮਹਾਨ ਸ਼ਖਸੀਅਤਾਂ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਜਾਣਨ ਤਾਂ ਕਿ ਉਹ ਇਹ ਸਮਝ ਸਕਣ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਵਿਕਾਸ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਪੜਾਵਾ ਵਿੱਚ ਲੰਘ ਕੇ ਆਇਆ ਹੈ।

39. ਸਨਿਮਰ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਆਪ ਦੇ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਬਾਰ੍ਹਵੀਂ ਜਮਾਤ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹਦਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਗਿਆਰਵੀਂ ਜਮਾਤ ਦੀ ਸਾਲਾਨਾ ਪਰੀਖਿਆ ਵਿਚ ਸਾਰੀ ਜਮਾਤ ਵਿਚੋਂ ਪਹਿਲੇ ਨੰਬਰ ਤੇ ਆਇਆ ਹਾਂ। ਮੇਰੀ ਪੜ੍ਹਨ ਵਿੱਚ ਬਹੁਤ ਰੁਚੀ ਹੈ ਪਰ ਮੇਰੇ ਪਿਤਾ ਜੀ ਬਹੁਤ ਗ਼ਰੀਬ ਹਨ ਇਸ ਲਈ ਉਹ ਮੇਰੀ ਫੀਸ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੇ। ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਮੇਰੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਵਿੱਚ ਰੁਚੀ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਮੇਰੀ ਪੂਰੀ ਫੀਸ ਮਾਫ਼ ਕਰ ਦਿਓ।

40. ਸਾਡੇ ਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਬੇਰੁਜ਼ਗਾਰਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਦਿਨੋਂ ਦਿਨ ਵੱਧ ਰਹੀ ਹੈ। ਅਰਧ-ਬੇਰੁਜ਼ਗਾਰੀ ਵਾਲੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਵੀ ਬਹੁਤ ਹੈ। ਇਹਨਾਂ ਹਾਲਤਾਂ ਦਾ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਸਮਾਜਿਕ ਅਤੇ ਆਰਥਿਕ ਢਾਂਚੇ 'ਤੇ ਬਹੁਤ ਭੈੜਾ ਅਸਰ ਪੈਂਦਾ ਹੈ। ਬੇਰੁਜ਼ਗਾਰ ਮਨੁੱਖ ਸਮਾਜ ਉੱਤੇ ਬੋਝ ਬਣਦਾ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਠੀਕ ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਮਿਲਣ ਦੀ ਹਾਲਤ ਵਿੱਚ ਉਸ ਨੇ ਆਪਣਾ ਬੋਝ ਚੁੱਕਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ ਕਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਬੇਰੁਜ਼ਗਾਰੀ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਵਿੱਚ ਮਨੁੱਖ ਦੁਖੀ ਅਤੇ ਨਿਰਾਸ਼ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

41. ਮਨਜੀਤ ਭੈਣ ਜੀ ਦੇ ਵਿਆਹ 'ਤੇ ਨਾ ਪਹੁੰਚ ਸਕਣ ਲਈ ਮੁਆਫ਼ੀ ਮੰਗਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨੂੰ ਭੈਣ ਜੀ ਦੇ ਸੁੱਭ ਵਿਆਹ ਦੀ ਹਾਰਦਿਕ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਇਸ ਸਮੇਂ ਜਦੋਂ ਮੈਂ ਇਹ ਪੱਤਰ ਲਿਖ ਰਿਹਾ ਹਾਂ, ਅੱਜ ਸਾਰੇ ਘਰ ਵਿੱਚ ਵਿਆਹ ਦੀ ਚਹਿਲ ਪਹਿਲ ਹੋਵੇਗੀ। ਕਾਸ! ਮੈਂ ਕਿਵੇਂ-ਨਾ-ਕਿਵੇਂ ਇਸ ਖ਼ੁਸ਼ੀ ਦੇ ਮੌਕੇ ਤੇ ਪਹੁੰਚ ਸਕਦਾ। ਸੱਚੀ, ਮੈਂ ਤਾਂ ਕਿੰਨੀ ਦੇਰ ਤੋਂ ਭੈਣ ਜੀ ਦੇ ਵਿਆਹ ਤੇ ਪਹੁੰਚਣ ਦੀ ਉਡੀਕ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ।

42. ਸੰਗਮਰਮਰ ਆਪਣੇ ਆਪ ਵਿੱਚ ਨਿਰੀ ਸੁੰਦਰ ਅਤੇ ਮੀਂਹ ਧੁੱਪ ਦਾ ਟਾਕਰਾ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਵਸਤੂ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਜੋ ਕੋਮਲਤਾ, ਵੇਰਵਾ, ਮੁਲਾਇਮੀ ਅਤੇ ਸਵੱਛਤਾ ਸੰਗਮਰਮਰ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਗਟਾਈ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਰੀਸ ਕੋਈ ਹੋਰ ਪੱਥਰ ਜਾਂ ਇਮਾਰਤੀ ਮਸਾਲਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਸੰਗਮਰਮਰ ਦੀ ਘਾੜਤ ਜਾਂ ਬਣਤਰ ਵਿੱਚ ਕੁਝ ਵੀ ਲੁਕਿਆ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦਾ, ਸੋ ਇਹ ਸ਼ੁੱਧ ਸੁੰਦਰਤਾ ਪ੍ਰਗਟਾਉਣ ਦਾ ਸਾਧਨ ਹੈ।

43. ਛੋਟੀਆਂ ਬੱਚਤਾਂ ਕਈ ਢੰਗਾਂ ਨਾਲ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਬੱਚਤਾਂ ਲਈ ਕੁਝ ਨਿਯਮ ਬਣਾ ਕੇ ਉਹਨਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਕੰਮ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਘਰ ਦੀ ਮਾਸਕ ਆਮਦਨ ਵਿੱਚੋਂ ਕੁਝ ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਤ

ਹਰ ਮਹੀਨੇ ਬਚਾਉਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਕਰ ਲਿਆ ਜਾਵੇ। ਇਹ ਰਕਮ ਓਨੀ ਕੁ ਹੋਵੇ ਜਿਸ ਦੇ ਬਚਾਏ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਆਮ ਚਾਲੂ ਖ਼ਰਚ 'ਤੇ ਕੋਈ ਵੱਡਾ ਅਸਰ ਨਾ ਪਵੇ।

44. ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਨਾਲ ਪਿੰਡ ਵਿੱਚ ਪੱਕੀ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਬਣ ਗਈ ਹੈ। ਪਿੰਡ ਨੇੜਿਓ ਲੰਘਦੀ ਚੋਈ ਉੱਤੇ ਪੁਲ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ। ਆਪਣੇ ਬੰਨੇ ਕੋਲ ਸੜਕ ਉੱਤੇ ਆਪਣੇ ਪਿੰਡ ਲਈ ਬਸ ਅੱਡਾ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ। ਪਿੰਡ ਦੇ ਕਈਆਂ ਘਰਾਂ ਨੇ ਸ਼ਹਿਰ ਵਿੱਚ ਦੁੱਧ ਵੇਚਣ ਲਈ ਵਾਧੂ ਮੱਝਾ ਰੱਖ ਲਈਆਂ ਹਨ। ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਸਾਡੇ ਪਿੰਡ ਵਿੱਚ ਦੁੱਧ ਇਕੱਠਾ ਕਰਨ ਲਈ ਕੇਂਦਰ ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਗਿਆ ਹੈ।

45. ਜਿਸ ਸਰੀਰ ਨੇ ਕਦੇ ਖੇਚਲ, ਮਿਹਨਤ 'ਤੇ ਕਸ਼ਟ ਦਾ ਮੂੰਹ ਨਹੀਂ ਵੇਖਿਆ ਉਸ ਵਿੱਚ ਬਰਕਤ ਤੇ ਰੌਣਕ ਕਿਵੇਂ ਹੋ ਕਦੀ ਹੈ। ਜਿਸ ਬਿਰਛ ਨੂੰ ਨਾ ਫੁੱਲ ਹੈ ਨਾ ਫਲ ਹੈ ਨਾ ਉਸ ਦੀ ਠੰਢੀ ਛਾਉਂ ਹੈ, ਆਮ ਕਰਕੇ ਉਹ ਬਾਲਣ ਬਣਾ ਕੇ ਚੁੱਲ੍ਹੇ ਵਿੱਚ ਫੂਕ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਮਨੁੱਖੀ ਸਰੀਰ ਕਾਰ ਲਈ ਬਣਿਆ ਹੈ। ਕਾਰ ਨਾ ਕਰਨਾ ਸਰੀਰ ਦੇ ਗੁਣ ਨੂੰ ਅਕਾਰਥ ਗੁਆਉਣਾ ਹੈ।

46. ਅਖ਼ਬਾਰ ਦਾ ਸਾਡੇ ਜੀਵਣ ਵਿੱਚ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਸਥਾਨ ਹੈ। ਹਰ ਰੋਜ਼ ਸਵੇਰੇ ਉਠਦਿਆਂ ਹੀ ਅਖ਼ਬਾਰ ਦੀ ਉਡੀਕ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਕੁਝ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਵੇਰੇ ਅਖ਼ਬਾਰ ਵੇਖੇ ਬਿਨਾਂ ਕੁਝ ਵੀ ਚੰਗਾ ਨਹੀਂ ਲਗਦਾ। ਉਹ ਚਾਹ ਦਾ ਕੱਪ ਪੀਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਅਖ਼ਬਾਰ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਰਕੇ ਪੜ੍ਹੇ ਲਿਖੇ ਪਰਿਵਾਰਾਂ ਵਿੱਚ ਅਖ਼ਬਾਰ ਪੜ੍ਹਨਾ ਨਿੱਤ ਦੇ ਜੀਵਣ ਦਾ ਇੱਕ ਜ਼ਰੂਰੀ ਅੰਗ ਬਣ ਗਿਆ ਹੈ।

47. ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਵੱਧ-ਤੋਂ-ਵੱਧ ਚੰਗੀਆਂ ਪੁਸਤਕਾਂ ਪੜ੍ਹਕੇ ਚੰਗੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਗ੍ਰਹਿਣ ਕਰਨ। ਜਿਹੜੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਚੰਗਾ ਸਾਹਿਤ ਪੜ੍ਹਦੇ ਹਨ ਉਹ ਅਰੰਭ ਵਿੰਚ ਹੀ ਚੰਗੀਆਂ ਆਦਤਾਂ ਅਪਣਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ, ਕਿਉਂਕਿ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਸੰਸਾਰ ਦੇ ਮਹਾਨ ਮਨੁੱਖਾਂ ਦੇ ਉੱਤਮ ਵਿਚਾਰਾਂ ਅਤੇ ਜੀਵਣ ਦੀਆਂ ਉਦਾਹਰਨਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਉਂਞ ਵੀ ਵਿਦਿਅਰਥੀਆਂ ਸਾਹਮਣੇ ਅੱਗੇ ਵਧਣ ਅਤੇ ਚੰਗੇ ਮਨੁੱਖ ਬਣਨ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਉਹ ਚੰਗੀਆਂ ਆਦਤਾਂ ਅਪਣਾਉਣ ਵੱਲ ਤਤਪਰ ਹੁੰਦੇ ਹਨ।

48. ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਬੱਚਤ ਦਾ ਸੰਬੰਧ ਇਮਾਰਤਾਂ ਦੀ ਉਸਾਰੀ ਨਾਲ ਵੀ ਹੈ। ਇਮਾਰਤਾਂ ਦੇ ਨਕਸ਼ੇ ਬਣਾਉਣ ਵੇਲੇ ਹੀ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਦਿਨੇ ਸੂਰਜ ਦੀ ਰੋਸ਼ਨੀ ਅਤੇ ਹਵਾ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਕਮਰਿਆਂ ਵਿੱਚ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਫਿਟਿੰਗ ਏਸ ਤਰਤੀਬ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਕਿ ਇੱਕ ਬੱਲਬ ਜਾਂ ਟਿਊਬ ਨਾਲ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਥਾਂ ਰੋਸ਼ਨ ਹੋ ਜਾਵੇ।

49. ਬੇਰੁਜ਼ਗਾਰ ਉਹ ਮਨੁੱਖ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜੋ ਕਿਸੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਕਰਨ ਦੀ ਯੋਗਤਾ ਰੱਖਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਹ ਆਪਣੀ ਰੋਜ਼ੀ ਲਈ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਵੀ ਹੈ ਪਰੰਤੂ ਉਸ ਨੂੰ ਉਹ ਕੰਮ ਪ੍ਰਾਪਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ। ਕਈ ਵਾਰੀ ਮਜਬੂਰੀ ਵੱਸ ਮਨੁੱਖ ਨੂੰ ਕੋਈ ਅਜਿਹਾ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ ਜਿੱਥੇ ਉਸ ਦੀਆਂ ਯੋਗਤਾਵਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾ ਵਰਤਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ ਜਾਂ ਉਹ ਕੰਮ ਉਸ ਦੀ ਰੁਚੀ ਅਨੁਸਾਰ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

50. ਵਿਗਿਆਨ ਮਨੁੱਖ ਦੇ ਹੱਥ ਵਿੰਚ ਇੱਕ ਵੱਡੀ ਸ਼ਕਤੀ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਵੀ ਸ਼ਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸਾਧਨ ਵਾਂਗ ਇਸ ਦੀ ਕੁਵਰਤੋਂ ਵੀ ਮਾੜੀ ਹੈ। ਅੱਜ ਜੰਗਾਂ ਯੁੱਧਾਂ ਲਈ ਵਿਗਿਆਨ ਦੀ ਮਦਦ ਨਾਲ ਬੜੇ ਭਿਅੰਕਰ ਹਥਿਆਰ ਬਣਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਦੂਜੇ ਮਹਾਂ-ਯੁੱਧ ਸਮੇਂ ਜਾਪਾਨੀ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਹੀਰੋਸ਼ੀਮਾ ਅਤੇ ਨਾਗਾਸਾਕੀ ਦੀ ਐਟਮੀ ਬੰਬਾਂ ਨਾਲ ਹੋਈ ਬਰਬਾਦੀ ਅਜੇ ਤੱਕ ਸਭ ਨੂੰ ਯਾਦ ਹੈ। ਹੁਣ ਤਾਂ ਅਜਿਹੇ ਮਾਰੂ ਹਥਿਆਰਾਂ ਬਾਰੇ ਸੁਣਦੇ ਹਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਾਰ ਨਾਲ ਸਾਰਾ ਸੰਸਾਰ ਇੱਕੋ ਸਮੇਂ ਤਬਾਹ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ।

51. ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਸਰਾਭਾ ਇੱਕ ਪੱਕਾ ਦੇਸ਼-ਭਗਤ ਸੀ। ਉਸ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਅਜ਼ਾਦ ਕਰਾਉਣ ਲਈ ਆਪਣੇ ਨਿਜੀ ਸੁਖਾਂ ਅਤੇ ਖੁਸ਼ੀਆਂ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਨਾ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਆਪਣਾ ਸਭ ਕੁਝ ਦੇਸ਼ ਲਈ ਵਾਰ ਦਿੱਤਾ। ਉਹ ਬੜਾ ਦ੍ਰਿੜ੍ਹ ਇਰਾਦੇ ਵਾਲਾ ਮਨੁੱਖ ਸੀ। ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੱਜ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਉਸ ਨੇ ਆਪਣਾ ਬਿਆਨ ਬਿਲਕੁਲ ਨਾ ਬਦਲਿਆ। ਉਸ ਨੇ ਆਪਣੇ ਕੁਝ ਨਜ਼ਦੀਕੀਆਂ ਵੱਲੋਂ ਰਹਿਮ ਦੀ ਅਪੀਲ ਕਰਨ ਦੇ ਸੁਝਾਅ ਨੂੰ ਵੀ ਠੁਕਰਾ ਦਿੱਤਾ।

52. ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਕਾਫ਼ੀ ਗਿਣਤੀ ਦੇ ਮੇਲੇ ਇਤਿਹਾਸਿਕ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਧਾਰਮਿਕ ਮੇਲੇ ਵੀ ਹਨ। ਇਹਨਾਂ ਮੇਲਿਆਂ ਦੇ ਪਿੱਛੇ ਇਤਿਹਾਸ ਦੀਆਂ ਉਹ ਘਟਨਾਵਾਂ ਹਨ ਜੋ ਕਿਸੇ ਧਰਤ ਦੇ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹਨ। ਉਦਾਹਰਨ ਲਈ ਮੁਕਤਸਰ ਵਿਖੇ ਮਾਘੀ ਦਾ ਮੇਲਾ ਇਤਿਹਾਸਕ ਵੀ ਹੈ ਤੇ ਧਾਰਮਿਕ ਵੀ। ਉਂਵ ਇਹਨਾ ਮੇਲਿਆਂ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਧਰਮਾਂ ਦੇ ਲੋਕ ਰਲ ਕੇ ਮਨਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਸਹੀਦਾਂ ਦੀ ਯਾਦ ਵਿੱਚ ਲਗਦੇ ਮੇਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਮੁੱਖ ਭਾਵ ਸਹੀਦਾਂ ਨੂੰ ਸ਼ਰਧਾਂਜਲੀ ਭੇਂਟ ਕਰਨਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

53. ਭਾਰਤ ਜਿਹੇ ਵਿਸ਼ਾਲ ਦੇਸ ਨੂੰ ਇੱਕ ਉੱਨਤ ਰਾਸ਼ਟਰ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਇੱਕ ਮੁੱਠ ਹੋਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਬਦੇਸੀ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਆਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਦੀਆਂ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਵੱਲ ਰੁਚਿਤ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਹਨਾਂ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਦੇ ਸਾਹਿਤ-ਅਧਿਐਨ ਨਾਲ ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੇ ਹੋਰ ਦੇਸ਼ ਵਾਸੀਆਂ ਦੇ ਰਹਿਣ-ਸਹਿਣ ਆਦਿ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹਾਸਲ ਹੋਵੇਗੀ।

54. ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਮਿਆਂ ਵਿੱਚ ਅਜਿਹੇ ਮਨੁੱਖ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਮਾਰੂ ਦੀ ਥਾਂ ਉਸਾਰੂ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਜਿਹੜਾ ਵਿਗਿਆਨਿਕ ਦ੍ਰਿਸਟੀ ਅਤੇ ਕੋਮਲ ਹਿਰਦੇ ਦਾ ਮਾਲਕ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਹੀ ਉਹ ਵਿਗਿਆਨ ਦੀ ਵਧਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਨੂੰ ਸਮੁੱਚੀ ਮਾਨਵਤਾ ਦੇ ਭਲੇ ਲਈ ਵਰਤ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਨਿਸਚੇ ਹੀ ਅਜਿਹੇ ਮਨੁੱਖ ਦੀ ਸ਼ਖ਼ਸੀਅਤ ਦਾ ਵਿਕਾਸ ਵਿਗਿਆਨ ਅਤੇ ਕਲਾ ਦੋਹਾਂ ਦੇ ਸੁਮੇਲ ਸਦਕਾ ਹੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ?

55. ਸਾਇਦ ਆਪ ਨੂੰ ਸਾਡੇ ਘਰ ਦੀ ਆਰਥਿਕ ਹਾਲਤ ਬਾਰੇ ਪੂਰੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਚਾਰ ਭੈਣ ਭਰਾ ਹਾਂ। ਮੇਰੇ ਪਿਤਾ ਜੀ ਦੀ ਮਾਸਿਕ ਤਨਖਾਹ 5●●● ਰੁਪਏ ਹੈ। ਸਾਰੇ ਪਰਿਵਾਰ ਦਾ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਕੇਵਲ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ 'ਤੇ ਹੀ ਚਲਦਾ ਹੈ। ਜੇ ਮੈਂ ਕਾਲਜ ਵਿੱਚ ਦਾਖਲ ਹੋ ਜਾਵਾਂ ਤਾਂ ਉਹ ਮੇਰੀ ਕਾਲਜ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦਾ ਖਰਚ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਣਗੇ। ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਇੱਛਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਕੋਈ ਛੋਟੀ-ਮੋਟੀ ਨੌਕਰੀ ਹੀ ਕਰ ਲਵਾਂ ਅਤੇ ਘਰ ਦੇ ਖ਼ਰਚ ਚਲਾਉਣ ਵਿੰਚ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਕਰਾਂ।

56. ਜੇ ਮਨੁੱਖ ਦੇ ਜੀਵਣ ਵਿੰਚ ਸੰਜਮ ਦਾ ਇਹ ਗੁਣ ਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਹਰ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ ਸੁਖੀ-ਸੁਖੀ ਜੀਵਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਫਜ਼ੂਲ-ਖਰਚੀ ਅਤੇ ਇਸ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਵਾਲੀਆਂ ਬੁਰਾਈਆਂ ਤੋਂ ਬਚਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਹਰ ਸਮਝਦਾਰ ਮਨੁੱਖ ਜਿੱਥੇ ਆਪਣੇ ਵਰਤਮਾਨ ਦੀ ਸੰਭਾਲ ਕਰਦਾ ਹੈ ਉੱਥੇ ਆਪਣੇ ਭਵਿੱਖ ਲਈ ਵੀ ਯੋਜਨਾ ਬਣਾਉਂਦਾ ਹੈ। ਛੋਟੀਆਂ ਬੱਚਤਾਂ ਕਰਨ ਦੀ ਆਦਤ ਪਾਉਣਾ ਚੰਗੇਰੇ ਭਵਿੱਖ ਦਾ ਇੱਕ ਚੰਗਾ ਅਧਾਰ ਬਣਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

57. ਸਮੁੱਚੇ ਤੌਰ ਤੇ ਸਾਡੇ ਵਿੱਦਿਅਕ ਢਾਂਚੇ ਨੂੰ ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਹੋਰ ਬਦਲਣ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਆਰਥਿਕ ਢਾਂਚੇ ਨੂੰ ਵੀ ਵਧੇਰੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ। ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਗੁੰਝਲਦਾਰ ਮਸਲਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਜਦੋਂ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਦੇਸ਼ਵਾਸੀ ਠੀਕ ਰੁਜ਼ਗਾਰ 'ਤੇ ਲੱਗੇ ਹੋਣਗੇ ਤਾਂ ਦੇ ਦੀ ਆਰਥਿਕਤਾ ਆਪਣੇ ਆਪ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹੋਵੇਗੀ। ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਆਰਥਿਕ ਢਾਂਚਾ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਠੀਕ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਉਦੋਂ ਤੱਕ ਸਭ ਨੂੰ ਰੁਜ਼ਗਾਰ ਕਿਵੇਂ ਮਿਲ ਸਕਦਾ ਹੈ? ਕਿਵੇਂ ਵੀ ਹੋਵੇ ਇਹ ਸਮੱਸਿਆ ਜ਼ਰੂਰ ਹਲ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

58. ਪਾਠਕ ਨੂੰ ਅਖ਼ਬਾਰ ਆਪਣੇ ਘਰ ਸਵੇਰੇ ਹੀ ਮਿਲ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਅਖ਼ਬਾਰ ਦੇ ਦਫ਼ਤਰ ਤੋਂ ਅਖ਼ਬਾਰਾਂ ਨੂੰ ਘਰੋ-ਘਰੀ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਦਾ ਇੱਕ ਖਾਸ ਪ੍ਰਬੰਧ ਹੈ। ਆਮ ਤੋਰ 'ਤੇ ਅਖ਼ਬਾਰ ਰਾਤ ਨੂੰ ਛਪਦੇ ਹਨ। ਫਿਰ ਰਾਤੋ-ਰਾਤ ਬੱਸਾਂ, ਰੇਲ-ਗੱਡੀਆਂ, ਹਵਾਈ ਜਹਾਜ਼ਾਂ ਰਾਹੀਂ ਦੂਰ-ਦੁਰਾਡੇ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਤੇ ਕਸਬਿਆਂ ਵਿੱਚ ਪਹੁੰਚ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਅੱਗੋਂ ਅਖਬਾਰਾਂ ਦੇ ਏਜੈਂਟ ਅਖ਼ਬਾਰ ਵੰਡਣ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਘਰੋ-ਘਰੀ ਅਖ਼ਬਾਰ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਲਈ ਦੇ ਦਿੰਦੇ ਹਨ।

59. ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੇਲਿਆਂ ਵਿੱਚ ਕੁਝ ਸਾਂਝੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਹਨ। ਇਹਨਾਂ ਦੀ ਕਾਫ਼ੀ ਸਮਾਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਡੀਕ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਬੱਚੇ ਤੇ ਗੱਭਰੂ ਇਹਨਾਂ ਨੂੰ ਚਾਅ ਨਾਲ ਉਡੀਕਦੇ ਹਨ। ਮੇਲੇ ਵਾਲੇ ਦਿਨ ਦੂਰੋਂ ਨੇੜਿਓਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਲੋਕ ਮੇਲੇ ਵਾਲੀ ਥਾਂ ਤੇ ਪੁੱਜ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਤਿਹਾਸਿਕ ਸਥਾਨ, ਯਾਦਗਾਰ ਜਾਂ ਮੇਲੇ ਦੇ ਮੁੱਖ ਸਥਾਨ ਦੁਆਲੇ ਨਿੱਕੀਆਂ ਵੱਡੀਆਂ ਦੁਕਾਨਾਂ ਦੇ ਬਜ਼ਾਰ ਲਗਦੇ ਹਨ।

60. ਭਾਰਤ ਦੇ ਨਵੇਂ ਸੰਵਿਧਾਨ ਵਿੱਚ ਅਜ਼ਾਦ ਭਾਰਤ ਦੇ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਨੂੰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਅਧਿਕਾਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ। ਭਾਰਤ ਨੂੰ ਗਣਤੰਤਰ ਰਾਜ ਮੰਨਿਆ ਗਿਆ। ਗਣਤੰਤਰਤਾ, ਧਰਮ ਨਿਰਪੱਖਤਾ ਅਤੇ ਸਮਾਜਵਾਦ ਨੂੰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਥਾਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ। 26 ਜਨਵਰੀ, 195● ਨੂੰ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਕਾਇਆ ਕਲਪ ਕਰ ਦੇਣ ਵਾਲਾ ਇਹ ਸੰਵਿਧਾਨ ਲਾਗੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਦਿਨ ਤੋਂ ਰਾਸ਼ਟਰਪਤੀ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਸੰਵਿਧਾਨਿਕ ਮੁੱਖੀ ਬਣ ਗਿਆ।

प्रश्न – 14 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें –

1. संत कबीर पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़ के प्रिंसीपल की ओर से वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत स्कूल बस के लिए 'एक कुशल ड्राइवर चाहिए' का एक प्रारूप तैयार करके लिखिए।
2. आपका नाम विजय दीनानाथ चौहान है। आप मकान नम्बर 54, सेक्टर 8, मोहाली में रहते हैं। आपका मोबाइल नम्बर 9417741121 है। आपका सेक्टर-76 मोहाली में 8 मरले का एक प्लाट है। आप इसे बेचना चाहते हैं। 'प्लाट बिकाऊ है' शीर्षक के अन्तर्गत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।
3. आपका नाम रजनीश गुप्ता है। आप मकान नम्बर 151, सेक्टर-19, करनाल में रहते हैं। आपका मोबाइल नम्बर 9456945463 है। आप अपनी 28 मॉडल की टाटा सफारी कार बेचना चाहते हैं। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'कार बिकाऊ है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।
4. आपका नाम मनीषा है। आप मकान नम्बर 315, सेक्टर 2, नोएडा में रहती हैं। घर के काम काज हेतु आपको एक नौकरानी की आवश्यकता है। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'नौकरानी की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।
5. आपका नाम विजय शर्मा है। आप डी०ए०वी० स्कूल मलोट के प्रिंसीपल हैं। आपको अपने स्कूल के एम०ए०, बी०एड० गणित अध्यापक की आवश्यकता है। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'गणित अध्यापक की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।
6. आपका नाम अमिताभ है। आपका सेक्टर-17 चंडीगढ़ में बहुत बड़ा पाँच सितारा होटल है। आपका मोबाइल नम्बर 9354456695 है। आपको अपने होटल के लिए एक मैनेजर की आवश्यकता है। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'मैनेजर की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।
7. आपका नाम पंडित योगेश्वर नाथ है। आपने सेक्टर-22, चंडीगढ़ में एक 'योगेश्वर योग साधना केन्द्र' खोला है जहाँ आप लोगों को योग सिखाते हैं जिसकी प्रति व्यक्ति, प्रति मास 700 रु० फीस है। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'योग सीखिए' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।
8. आपका नाम सुरेश है। आपका सेक्टर-14 पंचकूला में एक आठ मरले का मकान है। आप इसे बेचना चाहते हैं। आपका मोबाइल नम्बर 9417794262 है, जिस पर मकान खरीदने के इच्छुक आपसे सम्पर्क कर सकते हैं। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'मकान बिकाऊ है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

9. आपका नाम सुन्दर लाल है। आपकी सेक्टर 18डी, चंडीगढ़ में बिजली की दुकान है, जिसका बूथ नं० 2 है। आपको बिजली के उपकरणों की मरम्मत करने के लिए कारीगर चाहिए। 'आवश्यकता है' शीर्षक के अन्तर्गत विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए।

10. आपका नाम मुकेश वर्मा है। आप मकान नम्बर 156, सेक्टर 18, नंगल में रहते हैं। आपका बेटा जिसका नाम सतीश वर्मा है। उसका रंग साँवला, आयु आठ वर्ष, कद चार फुट है। वह दिनांक 15.03.2009 से नंगल से गुम है। 'गुमशुदा की तलाश' शीर्षक के अन्तर्गत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें।

11. आपका नाम सतीश कुमार है। आप मकान नम्बर 1450, सेक्टर 19, करनाल में रहते हैं। आपने अपना नाम सतीश कुमार से बदल कर सतीश कुमार शर्मा रख लिया है। 'नाम परिवर्तन' शीर्षक के अन्तर्गत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें।

12. आपका नाम महेन्द्र लाल वर्मा है। आपकी मेन बाज़ार लखनऊ में रेडीमेड कपड़ों की दुकान है। आपका फोन नम्बर 9466662495 है। आपने अपनी दुकान में रेडीमेड कमीज़ों पर 50% की भारी छूट दी है। रेडीमेड कमीज़ों पर 50% भारी छूट विषय पर अपनी दुकान की ओर से एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

13. आपका नाम सुरेन्द्र सिंह है। आपका मोबाइल नम्बर 9899999999 है। आपकी सेक्टर-14 भवानीगढ़ में एक स्टेशनरी की दुकान है। आपको दुकान के लिए एक सेल्समैन की आवश्यकता है। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'सेल्समैन की आवश्यकता है', का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

14. आपका नाम बलविन्द्र कुमार है। आपका मोबाइल नम्बर 8222000006 है। आपकी सुभाष नगर गुजरात में एक करियाने की दुकान है। आपको अपनी दुकान पर एक हैल्पर की आवश्यकता है। 'हैल्पर की आवश्यकता है' शीर्षक के अन्तर्गत एक वगीकृत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

15. आपका नाम सुमन कुमार है। आपका फोन नम्बर 8999000546 है। आपने मेन शहर गाज़ियाबाद में दसवीं, बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए साइंस, गणित विषयों की कोचिंग कक्षाएँ एक नये कोचिंग सेंटर में खोली हैं। कोचिंग सेंटर का नाम है- सुमन कोचिंग सेंटर। कोचिंग सेंटर के उद्घाटन के सम्बन्ध में एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

16. आपका नाम गुरनाम सिंह है। आप प्रकाश नगर लुधियाना में रहते हैं। आपका फोन नम्बर 9463699995 है। आपकी दस मरले की कोठी है। आप इस कोठी के दो कमरे, किचन, बाथरूम सहित किराये पर देना चाहते हैं। वर्गीकृत विज्ञापन के अन्तर्गत 'किराये के लिए खाली' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

17. गुजरात इलेक्ट्रॉनिक्स, गुजरात, मोबाइल नम्बर 8466224500 को इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरों की आवश्यकता है। 'इलेक्ट्रानिक इंजीनियरों की आवश्यकता है' शीर्षक के अन्तर्गत एक वर्गीकृत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

18. आपका नाम मीनाक्षी है। आप मकान नम्बर 425, करनाल में रहती हैं। आप अपना पुराना सोनी कम्पनी का चालू हालत में टेलीविज़न बेचना चाहती हैं। 'टेलीविज़न बिकाऊ है' शीर्षक के अन्तर्गत एक वर्गीकृत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

19. आपका नाम विकास कुमार है। आपका मेन बाज़ार, लुधियाना में एक ड्राइविंग स्कूल है जिसके लिए आपको एक वाहन चलाना सिखाने के लिए प्रशिक्षक की ज़रूरत है। इस सम्बन्ध में एक वर्गीकृत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

20. एक लोकल अखबार 'अभी तक' सेक्टर-5, नोएडा को हिंदी प्रूफ रीडरों की आवश्यकता है। इस सम्बन्ध में वर्गीकृत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

21. आपका नाम मुकेश वर्मा है। आपके 'माँ सरस्वती विद्यालय' जगाधरी के बारहवीं कक्षा के विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण हेतु दिनांक 14 सितम्बर, 21 को रॉक गार्डन देखने चंडीगढ़ जा रहे हैं। आप स्कूल के छात्रसंघ के सचिव हैं। आप अपनी ओर से इस सम्बन्ध में एक सूचना तैयार कीजिए।

22. आपका नाम विशाल कुमार है। आप सरकारी हाई स्कूल लुधियाना में पढ़ते हैं। आप एन० एस० एस० यूनिट के मुख्य सचिव हैं। आपके स्कूल में दिनांक 25 अप्रैल, 2013 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आप अपनी तरफ से एक नोटिस तैयार करें जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों से रक्तदान के लिए अनुग्रह किया जाये।

23. आपका नाम चार्वी है। आप 'शीतल पब्लिक स्कूल' चंडीगढ़ में पढ़ती हैं। आप अपने स्कूल की वार्षिक पत्रिका की छात्र-सम्पादिका हैं। आप अपनी ओर से वर्ष 2013 के लिए पत्रिका के लिए विद्यार्थियों से कहानियाँ, कविताएँ, लघु कथाएँ, लेख छापने हेतु उनसे रचनाएँ प्राप्त करने के लिए सूचना तैयार कीजिए।

24. सरकारी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, किशनपुरा के प्रिंसीपल की ओर से सूचनापट्ट के लिए एक सूचना तैयार करें जिसमें प्रिंसीपल की ओर से सभी अध्यापकों व छात्रों को 26 जनवरी, 2013 को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में सुबह 8 बजे स्कूल आना अनिवार्य रूप से कहा गया हो।

25. सरकारी मॉडल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, 3-बी-I, मोहाली के प्रिंसीपल की ओर से सूचना पट्ट के लिए एक सूचना तैयार करें जिसमें वर्दी न पहनकर आने वाले विद्यार्थियों को अनुशासनिक कार्यवाही के लिए कहा गया हो।

26. आपके सरकारी मॉडल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल मोहाली में वार्षिक उत्सव पर गिद्दा व भांगड़ा का आयोजन किया जा रहा है। स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्रपाल सिंह द्वारा एक सूचना तैयार कीजिए, जिसमें इच्छुक विद्यार्थियों को इनमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया हो।

27. सरकारी हाई स्कूल सेक्टर-14, चंडीगढ़ के मुख्याध्यापक की ओर से स्कूल के सूचनापट्ट (नोटिस बोर्ड) के लिए एक सूचना तैयार कीजिए, जिसमें स्कूल के सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए सेक्शन बदलने की अंतिम तिथि 03.04.2013 दी गयी हो।

28. आपका नाम प्रदीप कुमार है। आप सरकारी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल खिजरांबाद में पंजाबी के अध्यापक हैं। आप स्कूल की पंजाबी साहित्य समिति के सचिव हैं। समिति द्वारा आपके ही स्कूल में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में आप अपनी ओर से एक सूचना तैयार कीजिए जिसमें विद्यार्थियों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

29. आपका नाम कुलविन्द्र सिंह है। आप सरस्वती पब्लिक स्कूल समराला के डायरेक्टर हैं। आपके स्कूल में दिनांक 7 जुलाई, 2013 को विज्ञान प्रदर्शनी लग रही है। आप अपनी ओर से एक सूचना तैयार कीजिए जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों को इसमें भाग लेने के लिए कहा गया हो।

30. आपका नाम जगदीश सिंह है। आप सरकारी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल रोपड़ के ड्रामा क्लब के डायरेक्टर हैं। आपके स्कूल में 25 मई, 2013 को एक ऐतिहासिक नाटक का मंचन किया जाना है जिसका नाम है 'रानी लक्ष्मीबाई'। आप इस सम्बन्ध में एक सूचना तैयार करें जिसमें विद्यार्थियों को उपर्युक्त नाटक में भाग लेने के लिए नाम लिखवाने के लिए कहा गया हो।

31. आपका नाम निधि है। आप सरकारी सेकेण्डरी स्कूल जींद में पढ़ती हैं। आप छात्र संघ की सचिव हैं। आपके स्कूल की ओर से बिहार में आए भयंकर भूकम्प के लिए अनुदान राशि का संग्रह किया जा रहा है। छात्र संघ की सचिव होने के नाते इस सम्बन्ध में एक सूचना तैयार कीजिए।

32. आपका नाम विनोद मेहरा है। आप 'सरस्वती विद्या मंदिर' स्कूल में पढ़ते हैं। आप स्कूल के क्लब के सांस्कृतिक सचिव हैं। आपके स्कूल द्वारा एक युवा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आप सचिव होने के नाते विद्यालय के विद्यार्थियों को इस युवा उत्सव में भाग लेने के लिए एक सूचना तैयार करके लिखिए।

33. आपका नाम मनोज कुमार है। आप सरकारी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल पालमपुर में इतिहास के प्राध्यापक हैं। आप आगरा तथा फतेहपुर सीकरी के भ्रमण के लिए विद्यार्थियों का एक दल लेकर जा रहे हैं। इस सम्बन्ध में एक सूचना तैयार करें, जिसमें छात्रों को इस भ्रमण में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

34. आपका नाम सत्यजीत है। आप नेहरू पब्लिक स्कूल, गुड़गाँव में बारहवीं कक्षा में पढ़ते हैं। स्कूल की लाइब्रेरी से आपको एक बटुआ प्राप्त हुआ है। इस सम्बन्ध में विद्यालय के सूचना पट्ट पर एक सूचना लगाएँ जिसमें बटुए के मालिक को अपना बटुआ प्राप्त करने का आग्रह किया गया हो।

35. आपका नाम राज कपूर है। आप संत कबीर पब्लिक स्कूल हैदराबाद में पढ़ते हैं। आप स्कूल की हिंदी साहित्य परिषद् के सचिव हैं। स्कूल की हिंदी साहित्य परिषद् स्कूल में कवि-सम्मेलन आयोजित करने जा रही है। परिषद् के सचिव होने के नाते आप स्कूल के विद्यार्थियों के लिए एक सूचना तैयार करके लिखिए।

--*-*-*